# प्रश्न बैंक-सह-उत्तर पुस्तक

# Question Bank–Cum–Answer Book

## 2023

## Class 8th

## संस्कृत (SANSKRIT)

✓ सुभाषिका - तृतीयो भागः

झारखण्ड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची

Jharkhand Council of Educational Research and Training, Ranchi

# प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक
# Question Bank-Cum-Answer Book

## Class - 8

# संस्कृत
# Sanskrit

© JCERT not to be republished

नवोन्मेष शोध नेतृत्व
JCERT

**2023**

झारखण्ड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची
Jharkhand Council of Educational Research and Training, Ranchi

प्रथम संस्करण : माह सितम्बर 2023, भाद्रपद विक्रम संवत् 2080

© झारखण्ड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची, झारखण्ड

© JCERT not to be republished

## सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, छायाप्रतिलिपि अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण या जिल्द के साथ अथवा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।

- **क्रय–विक्रय दण्डनीय अपराध**

**झारखण्ड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची, झारखण्ड द्वारा प्रकाशित**

# प्राक्कथन

बच्चों के लिए निर्धारित अधिगम प्रतिफल प्राप्त करने का मार्ग सरल एवं सुगम होना आवश्यक है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए झारखण्ड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची के द्वारा कक्षा 8वीं के सभी विषयों के लिए प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक का निर्माण किया गया है। यह पुस्तक बच्चों के अधिगम कौशल को सुगमतापूर्वक विकसित करने एवं झारखण्ड अधिविद्य परिषद् द्वारा आयोजित कक्षा 8वीं की बोर्ड परीक्षा के लिए उन्हें तैयार करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक में रुचिकर ढंग से सरल भाषा का प्रयोग करते हुए विषय–वस्तु को समझने के लिए प्रश्नोत्तर दिए गए हैं। इस प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक के माध्यम से बच्चों में न केवल ज्ञानजन्य प्रतिभा का विकास होगा बल्कि विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए भी वे अपने आप को तैयार कर पायेंगे। हमारे प्रयत्न की सफलता इस बात पर भी निर्भर करती है कि विद्यालय के शिक्षकवृन्द बच्चों की कल्पनाओं के साथ कितना जुड़ पाते हैं और विभिन्न प्रकार के प्रश्नोत्तरों को सीखने–सिखाने के दौरान अपने अनुभवों के साथ–साथ बच्चों के विचारों के साथ कैसे सामंजस्य बनाते हैं ।

इस प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक में झारखण्ड अधिविद्य परिषद् द्वारा आयोजित कक्षा 8वीं की बोर्ड परीक्षा में पूछे जाने वाले बहुविकल्पीय प्रश्नों के अतिरिक्त विविध प्रकार के प्रश्नोत्तर पर्याप्त मात्रा में समाहित किए गए हैं ताकि इसके अध्ययन से छात्रों में ना केवल विषय–वस्तु की समझ विकसित हो बल्कि उन्हें सीखने के प्रतिफल की भी प्राप्ति हो, साथ ही कक्षा 8वीं की बोर्ड परीक्षा के लिए उनकी अच्छी तैयारी हो सके और वे परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करते हुए सफलता प्राप्त कर सकें।

अंत में मैं इन पुस्तक के लेखकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ ।

शुभकामनाओं के साथ ।

**के० रवि कुमार** भा.प्र.से.
सचिव
स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड

© JCERT not to be republished

# भूमिका

**प्रिय शिक्षक एवं विद्यार्थी,**

**जोहार !**

हमें कक्षा 8वीं के विभिन्न विषयों के प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक से आपका परिचय कराने में प्रसन्नता हो रही है। इस प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक में झारखण्ड शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची द्वारा निर्धारित पाठ्यपुस्तकों के विषयवार एवं अध्यायवार अधिगम बिन्दुओं को समायोजित करते हुए झारखण्ड अधिविद्य परिषद् द्वारा आयोजित कक्षा 8वीं की बोर्ड परीक्षा में पूछे जाने वाले बहुविकल्पीय प्रश्नों के अतिरिक्त विविध प्रकार के प्रश्नोत्तर का पर्याप्त मात्रा में समावेश किया गया है। इस विषय आधारित प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक के निर्माण का उद्देश्य शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को और अधिक रुचिकर, सरल एवं प्रभावशाली बनाना तथा विद्यार्थियों को कक्षा 8वीं की बोर्ड परीक्षा की तैयारियों में सहयोग प्रदान करना है, जिससे सकारात्मक रूप से छात्रों को सीखने के प्रतिफल प्राप्त हों और बोर्ड परीक्षा में वे बेहतर प्रदर्शन कर सकें। राज्य के विभिन्न जिलों से चयनित अनुभवी शिक्षकों के द्वारा इस प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक का निर्माण किया गया है।

इस प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक की प्रमुख विशेषताएँ यह है कि इनमें प्रश्नों के उत्तर को सरल भाषा में प्रस्तुत करते हुए वैचारिक समझ (Conceptual Understanding) विकसित करने पर जोर दिया गया है। साथ ही इन पुस्तकों में झारखण्ड अधिविद्य परिषद् द्वारा आयोजित कक्षा 8वीं की बोर्ड परीक्षा– 2023 के प्रश्नोत्तर को भी समाहित किया गया है। इन पुस्तकों के माध्यम से न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा में निखार आएगा बल्कि वर्तमान समय के प्रतियोगिताओं के इस दौर में वे अनुकूल एवं अपेक्षित सफलता प्राप्त करने में भी सक्षम हो सकेंगे। आशा है कि यह प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक आपको पसंद आएगी एवं आपके लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

शुभकामनाओं के साथ।

**किरण कुमारी पासी** भा.प्र.से.
निदेशक
झारखण्ड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्
राँची, झारखण्ड

© JCERT not to be republished

## पाठकों से अनुरोध

इस प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक के निर्माण में काफी सावधानियाँ बरती गई है। इसके बावजूद यदि किसी प्रकार की अशुद्धियाँ मिले या कोई सुझाव हो तो इस email ID :- jcertquestionbank@gmail.com पर सूचित करें, ताकि अगले मुद्रण में इसे शुद्ध रूप से प्रस्तुत किया जा सके।

© JCERT not to be republished

# प्रश्न बैंक–सह–उत्तर पुस्तक निर्माण समिति

**मुख्य संरक्षक**

**श्री के० रवि कुमार** (भा.प्र.से.)
सचिव
स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड

**संरक्षक**

**श्रीमती किरण कुमारी पासी** (भा.प्र.से.)
निदेशक
झारखण्ड शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची

## अवधारणा एवं मार्गदर्शन

| | | |
|---|---|---|
| **श्री महीप कुमार सिंह**<br>उपनिदेशक (अ.)<br>झारखण्ड शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची | **श्री बाँके बिहारी सिंह**<br>सहायक निदेशक (अ.)<br>झारखण्ड शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची | **श्री मसुदी टुडू**<br>सहायक निदेशक (अ.)<br>झारखण्ड शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची |

**समन्वय एवं निर्देशन**

**डॉ0 नीलम रानी**
संकाय सदस्य, जे.सी.ई.आर.टी., राँची
(टी.जी.टी., सामाजिक विज्ञान, राजकीयकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय पैतानो, जलडेगा, सिमडेगा)

**सह–समन्वयक**

**रिंकू कुमारी**
संकाय सदस्य, जे.सी.ई.आर.टी., राँची
(टी.जी.टी. विज्ञान, मध्य विद्यालय, बचरा, टंडवा, चतरा)

© JCERT not to be republished

# प्रश्न बैंक निर्माण कार्य समिति

| | | |
|---|---|---|
| **नीतु कुमारी** | TGT (संस्कृत) | – एस. एस. +2 उच्च विद्यालय, पतरातू, रामगढ़। |
| **डॉ. सरिता सिन्हा** | PGT (संस्कृत) | – टी. वी. एस. सी. एम. एस. ओ. ई., जगन्नाथपुर, राँची। |
| **युगेश कुमार ओझा** | TGT (संस्कृत) | – रा0 कृ0 उत्क्रमित उच्च विद्यालय, उरूगुटू, काँके, राँची। |
| **डॉ. सुधांशु कुमार सिंह** | PGT (संस्कृत) | – +2 लाल बहादुर शास्त्री उच्च विद्यालय भण्डरा, लोहरदगा। |
| **डॉ. आशा रानी** | PGT (संस्कृत) | – +2 उच्च विद्यालय चन्दनकियारी, बोकारो। |
| **डॉ. अजित नारायण पाण्डेय** | TGT (संस्कृत) | – उत्क्रमित उच्च विद्यालय कठघरी, देवीपुर, देवघर। |
| **चन्द्रशेखर पाण्डेय** | TGT (संस्कृत) | – रा. उ. विद्यालय बी. आई. टी. मेसरा, राँची। |

© JCERT not to be republished

© JCERT
not to be republished

# विषय - सूची


| पाठसंख्या | पाठानुक्रमणिका | पृष्ठसंख्या |
|---|---|---|
| प्रथमः पाठः | नीतिश्लोकाः | 1–3 |
| द्वितीयः पाठः | नद्याः आत्मकथा | 4–5 |
| तृतीयः पाठः | निवारणीया इयं प्रथा | 6–8 |
| चतुर्थः पाठः | यक्ष–युधिष्ठिर संवादः | 9–12 |
| पञ्चमः पाठः | शरीरावयवाः | 13–15 |
| षष्ठः पाठः | विश्वनायकः विवेकानन्दः | 16–19 |
| सप्तमः पाठः | त्यागस्य फलं शुभम् | 20–22 |
| अष्टमः पाठः | सदाचारः | 23–25 |
| नवमः पाठः | कन्यां रक्षतु कन्यां पाठयतु | 26–28 |
| दशमः पाठः | संस्कृतभाषायाः महत्त्वम् | 29–32 |
| एकादशः पाठः | झारखण्डप्रान्तस्य पर्व 'मण्डा' | 33–36 |
| द्वादशः पाठः | सुभाषितानि | 37–39 |
| त्रयोदशः पाठः | विनायकदामोदरसावरकर : | 40–42 |
| चतुर्दशः पाठः | सङ्कल्पः सिद्धिदायकः | 43–46 |
| पञ्चदशः पाठः | गीतामृतम् | 47–50 |
| षोडशः पाठः | विमानयानं रचयाम | 51–54 |
| | अपठितावबोधनम् | 55–56 |
| | JAC बोर्ड परीक्षा प्रश्न–सह–उत्तरपत्रम् टर्म–II (2022) | 57–59 |
| | JAC बोर्ड परीक्षा प्रश्न–सह–उत्तरपत्रम् – 2023 | 60–63 |
| | JAC बोर्ड स्पेशल परीक्षा प्रश्न–सह–उत्तरपत्रम् – 2023 | 64–66 |


© JCERT not to be republished

© JCERT
not to be republished

# प्रथमः पाठः नीतिश्लोकाः

## वस्तुनिष्ठप्रश्नाः

प्रदत्तविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चित्वा लिखत–

1. शान्तितुल्यं किं नास्ति ?
(क) तपः (ख) तृष्णा
(ग) अधर्मः (घ) यमः

2. सन्तोषात् परं किं नास्ति ?
(क) दुःखम् (ख) हर्षम्
(ग) सुखम् (घ) व्याधिः

3. शरदि कः गर्जति न वर्षति ?
(क) मेघः (ख) नीचः
(ग) सुजनः (घ) वृक्षः

4. कस्य दश लक्षणम् ?
(क) कर्मस्य (ख) धर्मस्य
(ग) नरस्य (घ) गृहस्य

5. मुनिवराः कैः कालं क्षपयन्ति ?
(क) फलैः (ख) धनैः
(ग) वस्त्रैः (घ) वचनैः

6. 'सत्यम्' इति पदस्य विलोमपदं किम् अस्ति ?
(क) क्रोधः (ख) भयम्
(ग) असत्यम् (घ) निद्रा

7. 'सुजनः' इति पदस्य पर्यायपदम् अस्ति।
(क) दुर्जनः (ख) सज्जनः
(ग) हरिजनः (घ) कृषिजनः

8. 'कुरुते' इति पदे कः लकारः ?
(क) लृट् (ख) लोट्
(ग) लङ्ग (घ) लट्

9. कः करोति न वदति ?
(क) सुजनः (ख) दुर्जनः
(ग) मेघः (घ) शरदि

10. 'हातव्यः' इति क्रिया पदे कः प्रत्ययः ?
(क) क्त (ख) तव्यत्
(ग) क्त्वा (घ) तुमुन्

11. न + अस्ति = ––––––
(क) न अस्ति (ख) नास्ति
(ग) नाश्ति (घ) नास्ती

12. 'शान्तितुल्यं तपो नास्ति।' अस्मिन् वाक्ये अव्ययपदं किम् अस्ति ?
(क) न (ख) अस्ति
(ग) तपः (घ) तुल्यं

13. 'अभयम्' इति पदस्य विलोमपदम् अस्ति।
(क) क्रोधः (ख) भयम्
(ग) तन्द्रा (घ) निद्रा

14. 'वदति' इति पदे –––––– लकारः अस्ति।
(क) लोट् (ख) लङ्ग
(ग) लट् (घ) लृट्

15. 'जलदः' इति पदस्य पर्यायपदं किम् अस्ति ?
(क) जलजः (ख) अनलः
(ग) मेघः (घ) वर्षा

16. मञ्जूषातः समुचितानि पदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत–

| **वर्षति, पुरूषेण, अज्ञेभ्यो, तृष्णायाः, कन्दैः फलैः च, शान्तितुल्यं, दश, सुजनः, वदति, आलस्यं** |
|---|

(क) .................. ग्रन्थिनः श्रेष्ठाः।
(ख) न ................ परो व्याधिः।
(ग) –––––––––––– मुनिवराः क्षपयन्ति कालम्।
(घ) शरदि न –––––––––– गर्जति।
(ङ) षड्दोषाः ..... हातव्याः
(च) –––––––– केवलं करोति।
(छ) धर्मस्य ––––––– लक्षणानि।
(ज) नीचो ––––––– न कुरुते।
(झ) निद्रा तन्द्रा भयं क्रोधः ––––––– दीर्घसूत्रता।
(ञ) ––––––– तपो नास्ति।

17. एकपदेन उत्तरत–
(क) शान्तितुल्यं किं नास्ति ?
(ख) धर्मस्य कति लक्षणानि ?
(ग) ज्ञानिभ्यः के श्रेष्ठाः ?
(घ) कः केवलं वदति न करोति ?
(ङ) पुरूषेण कति दोषाः हातव्याः ?
(च) सन्तोषात् परं किं नास्ति ?
(छ) कस्मात् न परं सुखम् ?
(ज) व्यवसायिनः केभ्यः श्रेष्ठाः ?
(झ) ज्ञानिनः केभ्यः श्रेष्ठाः ?
(ञ) पाठानुसारेण कस्य दश लक्षणानि ?

18. रेखाङ्कितेभ्यः पदेभ्यः प्रश्ननिर्माणं कुरुत–
यथा – <u>नीचः</u> केवलं वदति।
<u>कः</u> केवलं वदति ?
(क) <u>धर्मस्य</u> दश लक्षणानि।

© JCERT not to be republished

(ख) अज्ञेभ्यः ग्रन्थिनः श्रेष्ठाः।

(ग) सुजनः केवलं करोति।

(घ) वर्षासु निःस्वनः मेघः वर्षति।

(ङ) सन्तोषात् न परं सुखम्।

(च) नीचो वदति न कुरुते।

(छ) सन्तोषं परं निधानम्।

**19. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(क) मुनिवराः कथं कालं क्षपयन्ति?

(ख) पुरुषस्य परं निधानं किम्?

(ग) मेघः कदा निःस्वनः वर्षति?

(घ) धारिभ्यः के श्रेष्ठाः?

(ङ) सुजनः किं करोति?

(च) 'शान्तितुल्यं तपो नास्ति' अयं श्लोकः कस्मात् ग्रन्थात् सङ्कलितः ?

(छ) तृष्णायाः परो का नास्ति?

(ज) अज्ञेभ्यः के श्रेष्ठाः?

(झ) ग्रन्थिभ्यः के वराः?

(ञ) दशकं कस्य लक्षणम् ?

**20. पदानि आधृत्य वाक्यानि रचयत :–**

यथा– क्रोधः – क्रोधः न करणीयः।

सन्तोषात्, वर्षासु, फलैः, सत्यम्, ज्ञानिनः।

**21. अधोलिखितपदानां विभक्तिं वचनं च लिखत–**

सन्तोषात् – ..................... .....................

तृष्णायाः – ..................... .....................

शरदि – ..................... .....................

फलैः – ..................... .....................

सुजनः – ..................... .....................

**22. अधोदत्तं पद्यं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत–**

**कन्दैः फलैः मुनिवराः क्षपयन्ति कालम्।**
**सन्तोषम् एव पुरुषस्य परं निधानम्।।**

**i. एकपदेन उत्तरत–.**

क. 'कन्दैः' इति पदे का विभक्तिः ?

ख. 'क्षपयन्ति' इति पदे कः लकारः ?

**ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

क. सन्तोषम् एव कस्य परं निधानम् अस्ति ?

ख. कन्दैः फलैः के कालं क्षपयन्ति ?

**iii. निर्देशानुसारम् उत्तरत–**

क. फलशब्दस्य तृतीयाविभक्तेः बहुवचने किं रुपं भवति ?

ख. 'मुनिवराः' इति पदे किं वचनम् ?

ग. 'कन्दैः' इति पदे का विभक्तिः ?

घ. 'नरस्य' इत्यस्य पर्यायपदम् अत्र किं प्रयुक्तम् ?

**23. षड्दोषाः पुरुषणेह हातव्या भूतिमिच्छता।**
**निद्रा तन्द्रा भयं क्रोधः आलस्यं दीर्घसूत्रता।।**

**i. एकपदेन –**

क. केन षड् दोषाः हातव्याः ?

ख. हातव्या इति पदे कः प्रत्ययः ?

**ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

क. पुरुषस्य षड् दोषाः लिखत।

ख. दीर्घसूत्रता किं कथ्यते दोषः गुणः वा ?

**iii. निर्देशानुसारम् उत्तरत–**

क. 'अक्रोधः' इत्यस्य अत्र किं विलोमपदं प्रयुक्तम् ?

ख. 'दोषाः' इति पदे किं वचनम् ?

ग. 'पुरुषेण' इति पदे का विभक्तिः ?

घ. 'अनिद्रा' इत्यस्य विलोमपदम् अत्र किं प्रयुक्तम् ?

**उत्तराणि–**

**प्रदत्तविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चित्वा लिखत–**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | क– | तपः |
| 2. | ग– | सुखम् |
| 3. | क– | मेघः |
| 4. | ख– | धर्मस्य |
| 5. | क– | फलैः |
| 6. | ग– | असत्यम् |
| 7. | ख– | सज्जनः |
| 8. | घ– | लट् |
| 9. | क– | सुजनः |
| 10. | ख– | तव्यत |
| 11. | ख– | नास्ति |
| 12. | क– | न |
| 13. | ख– | भयम् |
| 14. | ग– | लट् |
| 15. | ग– | मेघः |

**16. मञ्जूषातः समुचितानि पदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत–**

(क) अज्ञेभ्यो (ख) तृष्णायाः

(ग) कन्दैः फलैः च (घ) वर्षति

(ङ) पुरुषेण (च) सुजनः

(छ) दश (ज) वदति

(झ) आलस्यं (ञ) शान्तितुल्यम्

**17. एकपदेन उत्तरत–**

(क) तपः (ख) दश

(ग) व्यवसायिनः (घ) नीचः

(ङ) षड् (च) सुखम्

(छ) सन्तोषात् (ज) ज्ञानिभ्यः

© JCERT not to be republished

(झ) धारिभ्यः (ञ) धर्मस्य

**18. रेखाङ्कितेभ्यः पदेभ्यः प्रश्ननिर्माणं कुरुत–**

(क) <u>कस्य</u> दश लक्षणानि ?

(ख) <u>केभ्यः</u> ग्रन्थिनः श्रेष्ठाः ?

(ग) <u>कः</u> केवलं करोति ?

(घ) <u>कदा</u> निःस्वनः मेघः वर्षति ?

(ङ) <u>कस्मात्</u> न परं सुखम् ?

(च) <u>को</u> वदति न कुरुते ?

(छ) <u>किं</u> परं निधानम् ?

**19. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(क) मुनिवराः कन्दैः फलैः च कालं क्षपयन्ति।

(ख) पुरुषस्य परं निधानं सन्तोषम्।

(ग) मेघः वर्षासु निःस्वनः वर्षति।

(घ) धारिभ्यः ज्ञानिनः श्रेष्ठाः।

(ङ) सुजनः न वदति केवलं करोति।

(च) 'शान्तितुल्यं तपो नास्ति' अयं श्लोकः 'चाणक्यनीति' इति ग्रन्थात् सङ्कलितः।

(छ) तृष्णायाः परो व्याधिः नास्ति।

(ज) अज्ञेभ्यः ग्रन्थिनः श्रेष्ठाः।

(झ) ग्रन्थिभ्यः धारिणः वराः।

(ञ) दशकं धर्मस्य लक्षणम्।

**20. पदानि आधृत्य वाक्यानि रचयत –**

सन्तोषात्– सन्तोषात् परं सुखं नास्ति।

वर्षासु–वर्षासु निःस्वनः मेघः वर्षति।

फलै :– फलैः मुनिवराः जीवनं यापयन्ति।

ज्ञानिनः– धारिभ्यः ज्ञानिनः श्रेष्ठाः सन्ति।

**21. अधोलिखितपदानां विभक्तिं वचनं च लिखत–**

| | | | |
|---|---|---|---|
| सन्तोषात् | – | पञ्चमी | एकवचनम् |
| तृष्णायाः | – | पञ्चमी / षष्ठी | एकवचनम् |
| शरदि | – | सप्तमी | एकवचनम् |
| फलैः | – | तृतीया | बहुवचनम् |
| सुजनः | – | प्रथमा | बहुवचनम् |

**22. अधोदत्तं पद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत–**

i. **एकपदेन उत्तरत–.**

क. तृतीया

ख. लट्

ii. **पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

क. सन्तोषम् एव पुरुषस्य परं निधानम् अस्ति।

ख. कन्दैः फलैः मुनिवराः कालं क्षपयन्ति।

iii. **निर्देशानुसारम् उत्तरत–**

क. फलैः

ख. बहुवचनम्

ग. तृतीया

घ. पुरुषस्य

**23.** i. **एकपदेन उत्तरत–**

क. पुरुषेण

ख. तव्यत्

ii. **पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

क. पुरुषस्य षड् दोषाः निद्रा, तन्द्रा, भयं, क्रोधः, आलस्यं, दीर्घ सूत्रता च सन्ति।

ख. दीर्घसूत्रता दोषः कथ्यते।

iii. **निर्देशानुसारम् उत्तरत–**

क. क्रोधः

ख. बहुवचनम्

ग. तृतीया

घ. निद्रा

© JCERT not to be republished

| द्वितीयः पाठः | नद्याः आत्मकथा |
| --- | --- |

© JCERT not to be republished

**वस्तुनिष्ठप्रश्नाः**

प्रदत्तविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरम् चित्वा लिखत –

1. **नद्याः इति पदे का विभक्तिः?**
(क) सप्तमी (ख) षष्ठी
(ग) तृतीया (घ) चतुर्थी

2. **वसुन्धरायाः सौन्दर्यं का अस्ति ?**
(क) विश्वं (ख) नदीन्
(ग) नन्दः (घ) नदी

3. **नदी सम्पूर्ण विश्वं का इव पालयति ?**
(क) माता (ख) पिता
(ग) भ्राता (घ) आचार्यः

4. **दामोदरनदी कुत्र वहति ?**
(क) केरले (ख) बिहारे
(ग) झारखण्डे (घ) गुजराते

5. **ब्रह्मपुत्रनदी कस्यां दिशायाम् अस्ति ?**
(क) उत्तरदिशायाम् (ख) दक्षिणदिशायाम्
(ग) पूर्वदिशायाम् (घ) पश्चिमदिशायाम्

6. **भारते गङ्गा कस्मिन् रूपे पूज्यते ?**
(क) पितृ (ख) मातृ
(ग) भ्रातृ (घ) देवी

7. **सर्वकारः महाबन्धान् निर्माय किं सञ्चयं कुर्वन्ति ?**
(क) जलम् (ख) पवनं
(ग) भोजनं (घ) वस्त्रं

8. **जनाः कस्याः जलं प्रदूषितं कुर्वन्ति ?**
(क) क्षेत्रस्य (ख) नद्याः
(ग) समुद्रस्य (घ) नलकूपस्य

9. **प्राणिजीवनाय कीदृशं पर्यावरणम् आवश्यकम् ?**
(क) अशुद्धं (ख) शुष्कं
(ग) शुद्धं (घ) आर्द्रं

10. **चम्बलबन्धः कुत्र अस्ति ?**
(क) केरले (ख) राजस्थाने
(ग) गुजराते (घ) बिहारे

11. **अति + आवश्यकम् = ————————**
(क) अत्यावश्यकम् (ख) आवश्यकम्
(ग) अतावश्यकम् (घ) अतिवश्यकम्

12. **सर्वे भवन्तु ——————।**
(क) सुखी (ख) सुखीनः
(ग) सुखिना (घ) सुखिनः

13. **'प्रदूषणम्' इति पदे ————— उपसर्गः अस्ति।**
(क) परा (ख) प्र
(ग) पारा (घ) परः

14. **'दिशायाम्' इति पदे का विभक्तिः ?**
(क) षष्ठी (ख) सप्तमी
(ग) तृतीया (घ) प्रथमा

15. **सोननद्योपरि कः बन्धः ?**
(क) चम्बलः (ख) मेट्टूरः
(ग) इन्द्रपूरी (घ) मलम्पुषः

16. **'आम्' अथवा 'न' माध्यमेन उत्तरत–**
क. किं नदी वसुन्धरायाः सौन्दर्यम् अस्ति ?
ख. किं नद्याः जलं प्रदूषणं करणीयम् ?
ग. किं झारखण्डप्रदेशे नद्याः वहन्ति ?
घ. किं भारते नद्याः विशालतमं रूपम् 'अमेजन' इति अस्ति ?
ङ. किं जलं विना जीवनं सम्भवम् अस्ति ?

17. **एकपदेन उत्तरत–**
क. नदी कुत्र प्रविशति ?
ख. का सर्वदा गतिशीला अस्ति ?
ग. राष्ट्राणां विकासे कस्याः महती भूमिका भवति ?
घ. नदीतटेषु केषां विकासः भवति ?
ङ. प्राणिजीवनाय किम् अत्यावश्यकम् अस्ति ?
च. अस्याः वसुन्धरायाः सौन्दर्यं का अस्ति ?
छ. नदी सर्वदा कीदृशी अस्ति ?
ज. कं विना जीवनं न ?
झ. सम्पूर्णे विश्वे कस्याः साम्राज्यम् अस्ति ?
ञ. वनौषधीनां दुर्लभाः प्रजातयाः कुत्र प्राप्यन्ते ?

18. **पूर्णवाक्येन उत्तरत –**
क. झारखण्डप्रदेशे काः काः नद्यः प्रवहन्ति ?
ख. पश्चिमदिशायां नदी काभिः नामभिः प्रवहति ?
ग. नद्याः ध्येयवाक्यं किम् अस्ति ?
घ. नदी कुतः निःसृत्य कुत्र प्रविशति ?
ङ. झारखण्डप्रदेशे केषां दुर्लभाः प्रजातयः प्राप्यन्ते ?
च. विद्युत् कस्मात् उत्पाद्यते ?
छ. केषां विकासाय विद्युतः महती भूमिका विद्यते ?
ज. 'दामोदरः' इति नाम्ना नदी कुत्र वहति ?
झ. साबरमती नदी कस्यां दिशायां वहति ?
ञ. विश्वे विशालतमा नदी का अस्ति ?

19. **रेखाङ्कितपदानि आधृत्य प्रश्नवाक्यानि लिखत–**
क. अहं <u>भोजनेन</u> जनान् पालयामि।
ख. भारते मम अनेकानि <u>रूपाणि</u> सन्ति।
ग. <u>जनाः</u> जलं पीत्वा जीवन्ति।
घ. अहं <u>नदी</u> अस्मि।
ङ. <u>जलस्य</u> अभावात् कृषिः न भवति।

20. **उदाहरणं दृष्ट्वा पदपरिचयं लिखत–**
यथा – पदार्थान् – द्वितीया बहुवचनम्

क. प्राणिजीवनाय ———————— ————————
ख. वृक्षाणाम् ———————— ————————
ग. बन्धाः ———————— ————————
घ. जलेन ———————— ————————
ङ. विकासाय ———————— ————————

**21. उचितपदैः सह मेलनं कुरुत–**

| | |
|---|---|
| क. वसुन्धरायाः | प्रसिद्धा |
| ख. राष्ट्रस्य | सङ्ग्रहम् |
| ग. विख्याता | आधिक्येन |
| घ. सञ्चयम् | देशस्य |
| ङ. बाहुल्येन | पृथिव्याः |

**22. अधोदत्तं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत –**

अहं नदी अस्मि। अहम् अस्याः वसुन्धरायाः सौन्दर्यम् अस्मि। मम साम्राज्यं सम्पूर्णे विश्वे अस्ति। अहं माता इव सम्पूर्णं विश्वं पालयामि। पर्वतानाम् उन्नतेभ्यः स्थलेभ्यः निःसृत्य अहं सागरं प्रविशामि। अहं सर्वदा गतिशीला अस्मि। मम तटेषु महानगराणां विकासः भवति। एतेषां महानगराणां समृद्धेः अहम् एव कारणम् इति जनाः वदन्ति। कस्यापि राष्ट्रस्य विकासे मम महती भूमिका वर्तते। सर्वे जनाः जानन्ति यत् जलं विना जीवनं न। मम जलं पीत्वा एव सर्वे जीवन्ति। मम जलेन एव क्षेत्राणि सिंच्यन्ते। अतः अहं भोजनेन अपि जनान् पालयामि।

**i. एकपदेन उत्तरत–**

क. अस्याः वसुन्धरायाः सौन्दर्यं का अस्ति ?
ख. नदी सर्वदा कीदृशी अस्ति ?

**ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

क. कं विना जीवनं न ?
ख. सम्पूर्णे विश्वे कस्याः साम्राज्यम् अस्ति।

**iii. निर्देशानुसारम् उत्तरत–**

क. 'निःसृत्य' इति पदे कः उपसर्गः ?
ख. 'पीत्वा' इति पदे कः प्रत्ययः ?
ग. 'तटेषु' इति पदे का विभक्तिः ?
घ. 'पालयामि' इति पदे कः लकारः ?

**उत्तराणि –**

**प्रदत्तविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चित्वा लिखत–**

1. ख– षष्ठी
2. घ– नदी
3. क– माता
4. ग– झारखण्डे
5. ग– पूर्वदिशायाम्
6. ख– मातृ
7. क– जलम्
8. ख– नद्याः
9. ग– शुद्धं
10. ख– राजस्थाने
11. क– अत्यावश्यकम्
12. घ– सुखिनः
13. ख– प्र
14. ख– सप्तमी
15. ग– इन्द्रपुरी

**16. 'आम्' अथवा 'न' माध्यमेन उत्तरत–**

क. आम् ख. न
ग. आम् घ. न
ङ. न

**17. एकपदेन उत्तरत–**

क. सागरे ख. नदी
ग. नद्याः घ. महानगराणाम्
ङ. शुद्धपर्यावरणम् च. नदी
छ. गतिशीला ज. जलं
झ. नद्याः ञ. झारखण्डप्रदेशे

**18. पूर्णवाक्येन उत्तरत –**

क. झारखण्डप्रदेशे गंगा, स्वर्णरेखा, अजयः, कोयलः, दामोदरः इत्यादयः नद्याः प्रवहन्ति।
ख. पश्चिमदिशायां नदी नर्मदा, वापी, माही, साबरमती, लूनी इति नामभिः प्रवहति।
ग. नद्याः ध्येयवाक्यम् अस्ति "सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग भवेत्।"
घ. नदी उन्नतेभ्यः स्थलेभ्यः निःसृत्य सागरं प्रविशति।
ङ. झारखण्डप्रदेशे वृक्षाणां लतानां वनौषधीनां च दुर्लभाः प्रजातयःप्राप्यन्ते।
च. विद्युत् जलात् उत्पाद्यते।
छ. राष्ट्राणां विकासाय विद्युतः महती भूमिका विद्यते।
ज. 'दामोदरः' इति नाम्ना नदी झारखण्डप्रदेशे वहति।
झ. साबरमती नदी पश्चिमदिशायां वहति।
ञ. विश्वे विशालतमा नदी अमेजननदी अस्ति।

**19. रेखाङ्कितपदानि आधृत्य प्रश्नवाक्यानि लिखत–**

क. अहं <u>केन</u> जनान् पालयामि ?
ख. भारते मम अनेकानि <u>कानि</u> सन्ति ?
ग. <u>के</u> जलं पीत्वा जीवन्ति ?
घ. अहं <u>का</u> अस्मि ?
ङ. <u>कस्य</u> अभावात् कृषिः न भवति ?

**20. उदाहरणं दृष्ट्वा पदपरिचयं लिखत–**

| | |
|---|---|
| क. चतुर्थी | एकवचनम् |
| ख. षष्ठी | बहुवचनम् |
| ग. प्रथमा | बहुवचनम् |
| घ. तृतीया | एकवचनम् |
| ङ. चतुर्थी | एकवचनम् |

**21. उचितपदैः सह मेलनं कुरुत–**

क. पृथिव्याः ख. देशस्य
ग. प्रसिद्धा घ. सङ्ग्रहम्
ङ. आधिक्येन

**22. अधोदत्तं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत –**

i. क. नदी
ख. गतिशीला

ii. क. जलं विना जीवनं न।
ख. सम्पूर्णे विश्वे नद्याः साम्राज्यम् अस्ति।

iii. क. निर् ख. क्त्वा
ग. सप्तमी घ. लट्



© JCERT not to be republished

| तृतीयः पाठः | निवारणीया इयं प्रथा |
|---|---|

## वस्तुनिष्ठप्रश्नाः

प्रदत्तविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरम् चित्वा लिखत –

1. पन्ना कुत्र सेवारता आसीत् ?
(क) मध्यविद्यालये (ख) उच्चविद्यालये
(ग) कार्यालये (घ) विश्वविद्यालये

2. प्रखण्डविकासपदाधिकारीपदे कः आसीत् ?
(क) रामवृक्षः (ख) धनेश्वरः
(ग) आदर्शः (घ) स्मृतिः

3. गृहकार्यदक्षा सुशिक्षिता च का आसीत् ?
(क) माता (ख) स्मृतिः
(ग) लता (घ) आचार्या

4. 'विवाहे अहम् एकमपि रूप्यकं व्ययं न करिष्यामि' इति कः कथयति ?
(क) आदर्शः (ख) रामवृक्षः
(ग) स्मृतिः (घ) धनेश्वरः

5. अहं कां दृष्ट्वा निश्चयं करिष्यामि ?
(क) कन्याम् (ख) पन्नाम्
(ग) लताम् (घ) मातरम्

6. यौतुकं कः इच्छति स्म ?
(क) धनेश्वरः (ख) आदर्शः
(ग) रामवृक्षः (घ) आदेशपालः

7. पन्ना कस्य पादयोः पतति ?
(क) रामवृक्षस्य (ख) आदर्शस्य
(ग) धनेश्वरस्य (घ) कामेश्वरस्य

8. यौतुकलोलुपः कः आसीत् ?
(क) धनेश्वरः (ख) रामवृक्षः
(ग) स्मृतिः (घ) रामपालः

9. कस्य विरोधः करणीयः एव ?
(क) यौतुकस्य (ख) आदर्शस्य
(ग) सर्वकारस्य (घ) विवाहस्य

10. कः सुयोग्यां भार्याम् इच्छति ?
(क) आदर्शः (ख) धनेश्वरः
(ग) कामेश्वरः (घ) रामवृक्षः

11. पुत्र + अनुरूपा = ————————
(क) पुत्रानुरूपा (ख) पुत्रअनुरूपा
(ग) पुत्रानूरूपा (घ) पुत्रानुरूप

12. नाटके कस्य विरोधः दृश्यते ?
(क) धर्मस्य (ख) बालविवाहस्य
(ग) यौतुकप्रथायाः (घ) जातिप्रथायाः

13. 'आनयतु' इति पदे कः उपसर्गः अस्ति ?
(क) आ (ख) प्र
(ग) अप (घ) अ

14. 'मध्यविद्यालये' इति पदे का विभक्तिः ?
(क) षष्ठी (ख) सप्तमी
(ग) तृतीया (घ) प्रथमा

15. 'दृष्ट्वा' इति पदे कः प्रत्ययः?
(क) क्त (ख) ल्यप्
(ग) तुमुन् (घ) क्त्वा

16. मञ्जूषातः अव्ययपदानि चित्वा लिखत–

| अपि, तु, चेत्, च, तथा, एव, सम्प्रति, न, कदापि, मा, पुनः |
|---|

यथा– चिन्तां मा कुरु।
क. मम पुत्रस्य विवाहः ———— करणीय एव।
ख. ————— तिलकस्य कार्यक्रमः करणीयः।
ग. यौतुकं नास्ति ————— विवाहः न भविष्यति।
घ. ————— कीदृशं यौतुकम्?
ड. अहं भवतः विरुद्धं ————— न गच्छामि।
च. यथा नाम ————— कर्म।
छ. ————— करिष्यामि अमुं विवाहम्।
ज. इतः —————— दातुम् अहम् असमर्था अस्मि।
झ. अहम् अनया सह ———— विवाहं करिष्यामि।
ञ. एतादृशी पुत्री जामाता ————— सर्वेषां भवेताम्।

17. अधोलिखितेषु पदेषु धातुं प्रत्ययं च पृथक् कुरुत–

| | यथा– गत्वा– | गम् | क्त्वा |
|---|---|---|---|
| क. | दृष्ट्वा | | |
| ख. | खादित्वा | | |
| ग. | पठित्वा | | |
| घ. | भूत्वा | | |
| ड. | हसित्वा | | |
| च. | लेखित्वा | | |
| छ. | पठितुम् | | |
| ज. | हसितुम् | | |
| झ. | गन्तुम् | | |
| ञ. | श्रोतुम् | | |
| ट. | दातुम् | | |

18. विशेषण–विशेष्यानाम् उचितं मेलनं कुरुत–

| | | |
|---|---|---|
| क. | लोलुपः | जीवनसङ्गिनी |
| ख. | सुयोग्यः | आयोजने |
| ग. | सुन्दरी | अपराधः |

© JCERT not to be republished

| | | |
|---|---|---|
| घ. | अस्मिन् | कन्या |
| ङ. | वैधानिकः | वरः |
| च. | अनुकूला | धनेश्वरः |

**19. विलोमपदानि मेलयत—**

| | | |
|---|---|---|
| क. | विधवा | अशिक्षिता |
| ख. | भगिनी | समर्था |
| ग. | सुशिक्षिता | निर्गच्छति |
| घ. | असमर्था | सधवा |
| ङ. | प्रविशति | भ्राता |
| च. | नयतु | अयोग्यः |
| छ. | तत्र | अप्रसन्ना |
| ज. | प्रसन्ना | निर्विरोधः |
| झ. | विरोधः | आनयतु |
| ञ. | सुयोग्यः | अत्र |

**20. एकपदेन उत्तरत—**

क. स्मृत्याः मातुः नाम किम् ?

ख. पन्नायाः भ्राता कः ?

ग. यौतुकलोलुपः कः आसीत् ?

घ. नाटके कस्याः विरोधं दृश्यते ?

ङ. सुयोग्यवरस्य नाम किम् आसीत् ?

च. कः यौतुकं न इच्छति ?

छ. आदेशपालपदे का सेवारता आसीत् ?

ज. धनेश्वरस्य पादयोः का पतति ?

झ. स्मृतिः कस्य कृते अनुकूला जीवनसङ्गिनी आसीत् ?

ञ. कस्य विरोधः करणीयः ?

**21. पूर्णवाक्येन उत्तरत—**

क. आदर्शः कस्मिन् पदे कार्यरतः अस्ति ?

ख. धनेश्वरः कुत्र निवसति ?

ग. वैधानिकः अपराधः किमस्ति ?

घ. आदर्शेण सह कस्याः विवाहः अभवत् ?

ङ. अस्माभिः कस्मात् यौतुकप्रथा निवारणीया ?

च. 'आनयतु यौतुकम्' इति कः कथयति ?

छ. विवाहस्य दिवसे सर्वे कस्मिन् संलग्नाः सन्ति ?

ज. पन्ना प्रसन्ना भूत्वा किं वदति ?

झ. स्मृत्या सह कस्य विवाहः भवति ?

ञ. कः लज्जितः भूत्वा तूष्णीं भवति ?

**22. रेखाङ्कितपदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत—**

क. पन्ना नाम एका <u>विधवा</u> अस्ति।

ख. मम <u>पुत्रस्य</u> विवाहः तु करणीयः एव।

ग. अहं <u>कन्यां</u> दृष्ट्वा निश्चयं करिष्यामि।

घ. सम्प्रति <u>तिलकस्य</u> कार्यक्रमः करणीयः।

ङ. <u>पन्ना</u> धनेश्वरस्य पादयोः पतति।

च. अस्माभिः <u>समाजात्</u> इयं प्रथा निवारणीया।

छ. तत्रैव <u>आदर्शः</u> प्रविशति।

ज. अहं स्वावलम्बिनी भूत्वा <u>स्वविवाहं</u> करिष्यामि।

झ. अहं <u>भवतः</u> विरुद्धं कदापि न गमिष्यामि।

ञ. भवान् <u>मम</u> पूजनीयः।

**23. अधोदत्तं नाट्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत—**

आदर्शः – मातः! आनयतु स्मृतिम् अस्मिन् मण्डपे। अहं तया सह विवाहं करिष्यामि।

धनेश्वरः – पुत्र! किं वदसि? किं तव मतिः भ्रष्टा जाता ? मम विरोधं करोषि ?

आदर्शः – हे पितः! भवान् मम पूजनीयः। अहं भवतः विरुद्धं कदापि न गमिष्यामि। परन्तु विवाहे अहं सुयोग्यां भार्याम् इच्छामि न यौतुकम्। स्मृतिः एव मत्कृते अनुकूला जीवनसङ्गिनी अस्ति। अत एव अहम् अनया सह एव विवाहं करिष्यामि।

**(i) एकपदेन उत्तरत—**

क. सुयोग्यां भार्यां कः इच्छति ?

ख. अनुकूला जीवनसङ्गिनी का अस्ति ?

**(ii) पूर्णवाक्येन उत्तरत—**

क. 'भवान् मम पूजनीयः।' इति कः कथयति ?

ख. कः यौतुकं न इच्छति ?

**(iii) निर्देशानुसारम् उत्तरत—**

क. कदा + अपि = ––––––।

ख. विवाहे अहं सुयोग्यां भार्याम् इच्छामि। अत्र 'अहं' इति पदं कस्य कृते अस्ति ?

ग. 'प्रतिकूला' अस्य विलोमपदम् अत्र किम् अस्ति ?

घ. 'करिष्यामि' इति पदे कः लकारः ?

<u>उत्तराणि—</u>

**प्रदत्तविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरम् चित्वा लिखत –**

1. क. मध्यविद्यालये
2. ग. आदर्शः
3. ख. स्मृतिः
4. घ. धनेश्वरः
5. क. कन्यां
6. क. धनेश्वरः
7. ग. धनेश्वरस्य
8. क. धनेश्वरः
9. क. यौतुकस्य
10. क. आदर्शः
11. क. पुत्रानुरूपा
12. ग. यौतुकप्रथायाः

© JCERT not to be republished

13. क. आ

14. ख. सप्तमी

15. घ. क्त्वा

16. **रिक्तस्थाने मञ्जूषातः अव्ययपदानि चित्वा लिखत–**

क. तु — ख. सम्प्रति
ग. चेत् — घ. पुनः
ङ. कदापि — च. तथा
छ. न — ज. अपि
झ. एव — ञ. च

17. **अधोलिखितेषु पदेषु धातुं प्रत्ययं च पृथक् कुरुत–**

| | यथा– गत्वा– | गम् | न् |
|---|---|---|---|
| क. | दृष्ट्वा – | दृश् | क्त्वा |
| ख. | खादित्वा – | खाद् | क्त्वा |
| ग. | पठित्वा – | पठ् | क्त्वा |
| घ. | भूत्वा – | भू | क्त्वा |
| ङ. | हसित्वा – | हस् | क्त्वा |
| च. | लेखित्वा – | लिख् | क्त्वा |
| छ. | पठितुम् – | पठ् | तुमुन् |
| ज. | हसितुम् – | हस् | तुमुन् |
| झ. | गन्तुम् – | गम् | तुमुन् |
| ञ. | श्रोतुम् – | श्रु | तुमुन् |
| ट. | दातुम् – | दा | तुमुन् |

18. **विशेषण–विशेष्यानाम् उचितं मेलनं कुरुत–**

क. लोलुपः — धनेश्वरः
ख. सुयोग्यः — वरः
ग. सुन्दरी — कन्या
घ. अस्मिन् — आयोजने
ङ. वैधानिकः — अपराधः
च. अनुकूला — जीवनसङ्गिनी

19. **विलोमपदानि मेलयत–**

क. विधवा — सधवा
ख. भगिनी — भ्राता
ग. सुशिक्षिता — अशिक्षिता
घ. असमर्था — समर्था
ङ. प्रविशति — निर्गच्छति
च. नयतु — आनयतु
छ. तत्र — अत्र
ज. प्रसन्ना — अप्रसन्ना
झ. विरोधः — निर्विरोधः
ञ. सुयोग्यः — अयोग्यः

20. **एकपदेन उत्तरत–**

क. पन्ना — ख. रामवृक्षः
ग. धनेश्वरः — घ. यौतुकप्रथायाः
ङ. आदर्शः — च. आदर्शः
छ. पन्ना — ज. पन्ना
झ. आदर्शस्य — ञ. यौतुकस्य

21. **पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

क. आदर्शः प्रखण्डविकासपदाधिकारीपदे कार्यरतः अस्ति।
ख. धनेश्वरः लोहरदगाजिलान्तर्गते निवसति।
ग. यौतुकदानं ग्रहणं च वैधानिकः अपराधः अस्ति।
घ. आदर्शेण सह स्मृत्याः विवाहः अभवत्।
ङ. अस्माभिः समाजात् यौतुकप्रथा निवारणीया।
च. 'आनयतु यौतुकम्' इति धनेश्वरः कथयति।
छ. विवाहस्य दिवसे सर्वे आयोजने संलग्नाः सन्ति।
ज. पन्ना प्रसन्ना भूत्वा वदति यत् 'हे ईश्वर'! एतादृशी पुत्री जामाता सर्वेषां भवेताम्।
झ. स्मृत्या सह आदर्शस्य विवाहः भवति।
ञ. धनेश्वरः लज्जितः भूत्वा तूष्णीं भवति।

22. **रेखाङ्कितपदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत–**

क. पन्ना नाम एका <u>का</u> अस्ति ?
ख. मम <u>कस्य</u> विवाहः तु करणीयः एव ?
ग. अहं <u>कां</u> दृष्ट्वा निश्चयं करिष्यामि ?
घ. सम्प्रति <u>कस्य</u> कार्यक्रमः करणीयः ?
ङ. <u>का</u> धनेश्वरस्य पादयोः पतति ?
च. अस्माभिः <u>कस्मात्</u> इयं प्रथा निवारणीया ?
छ. तत्रैव <u>कः</u> प्रविशति ?
ज. अहं स्वावलम्बिनी भूत्वा <u>किं</u> करिष्यामि ?
झ. अहं <u>कस्य</u> विरुद्धं कदापि न गमिष्यामि ?
ञ. भवान् <u>कस्य</u> पूजनीयः ?

23. **अधोदत्तं नाट्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत–**

i. **एकपदेन उत्तरत–**

क. आदर्शः ख. स्मृतिः

ii. **पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

क. 'भवान् मम पूजनीयः।' इति आदर्शः कथयति।
ख. आदर्शः यौतुकं न इच्छति।

iii. **निर्देशानुसारम् उत्तरत–**

क. कदापि
ख. आदर्शस्य
ग. अनुकूला
घ. लृट्

© JCERT not to be republished

| चतुर्थः पाठः | यक्ष–युधिष्ठिर संवादः |
|---|---|

## वस्तुनिष्ठप्रश्नाः

निर्देशः – प्रदत्तविकल्पेभ्यः उचितं पदं चित्वा लिखत–

1. किं हित्वा नरः सर्वप्रियः भवति ?
(क) मानम् (ख) दानम्
(ग) धनम् (घ) गानम्

2. नरः किं हित्वा अशोचनीयः भवति ?
(क) शोकः (ख) क्रोधं
(ग) मोहः (घ) दोषः

3. किं हित्वा जनः अर्थवान् भवति ?
(क) सुखम् (ख) भोगम्
(ग) कामम् (घ) दुःखम्

4. मनुष्यः किं हित्वा सुखी भवति ?
(क) रोगम् (ख) लोभम्
(ग) घृणाम् (घ) दयाम्

5. कः पुरुषः मृतं मन्यते ?
(क) दरिद्रः (ख) धनिकः
(ग) समृद्धः (घ) बौद्धिकः

6. जनाः केन मित्राणि त्यजन्ति ?
(क) मोहात् (ख) लोभात्
(ग) भयात् (घ) क्रोधात्

7. 'हित्वा' पदे कः प्रत्ययः ?
(क) क्त्वा (ख) तुमुन्
(ग) ल्यप् (घ) शतृ

8. 'सङ्गात्' पदे का विभक्तिः ?
(क) द्वितीया (ख) तृतीया
(ग) चतुर्थी (घ) पञ्चमी

9 'सः बालकः आसीत्।' अत्र कः लकारः प्रयुक्तः ?
(क) लट्लकारः (ख) लृट्लकारः
(ग) लङ्लकारः (घ) लोट्लकारः

10. अशुद्धं पदं चित्वा लिखत–
(क) गच्छन्ति (ख) अगच्छन्ति
(ग) आगच्छन्ति (घ) पिबन्ति

11. 'इतिहासे अनेके वीराः योद्धाः आसन्।' अत्र विशेषणपदं किम् ?
(क) इतिहास (ख) वीराः
(ग) योद्धाः (घ) आसन्

12. प्रदर्शयामि पदे कः उपसर्गः प्रयुक्तः ?
(क) प्र (ख) दर्श
(ग) प्रद (घ) यामि

13. 'मृतो यज्ञस्त्वदक्षिणः' अत्र किम् अव्ययपदं प्रयुक्तम् ?
(क) मृतः (ख) यज्ञः
(ग) तु (घ) अदक्षिणः

14. 'प्रत्येकम्' पदस्य उचितं संधिविच्छेदं चिनुत–
(क) प्र + एकम् (ख) प्रत्ये + एकम्
(ग) प्रति + एकम् (घ) प्रत्य + एकम्

15. निर्देशः – मञ्जूषातः समुचितानि पदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत –

| प्रकाशते, गच्छति, लोकः, मानं, मृतः |
|---|

(क) केन स्विदावृत्तो ————————।
(ख) केन स्वर्गं न ————————।
(ग) ———————— हित्वा प्रियो भवति।
(घ) ———————— यज्ञस्त्वदक्षिणः।
(ङ) लोकः तमसा न ————————।

16. निर्देशः – विलोमपदैः सह मेलनं कुरुत –

| | अ | आ |
|---|---|---|
| (क) | प्रियः | दुःखी |
| (ख) | स्वर्गः | अज्ञानेन |
| (ग) | दरिद्रः | अप्रियः |
| (घ) | ज्ञानेन | धनिकः |
| (ङ) | सुखी | नरकः |

17. निर्देशः – श्लोकांशान् योजयत–

| | अ | आ |
|---|---|---|
| (क) | मानं हित्वा प्रियो भवति | केन स्विन्न प्रकाशते |
| (ख) | केन त्यजति मित्राणि | क्रोधं हित्वा सुखी भवेत् |
| (ग) | केन स्विदावृत्तो लोकः | मृतं राष्ट्रमराजकम् |
| (घ) | मृतो दरिद्रः पुरुषो | केन स्वर्गं न गच्छति |
| (ङ) | लोभात् त्यजति मित्राणि | सङ्गात् स्वर्गं न गच्छति |

© JCERT not to be republished

**18. निर्देशः – समानार्थकपदैः सह मेलनं कुरुत –**

| | अ | आ |
|---|---|---|
| (क) | मानम् | साहचर्यात् |
| (ख) | सङ्गात् | सम्मानम् |
| (ग) | उवाच | नरः |
| (घ) | दरिद्रः | अवदत् |
| (ङ) | मनुष्यः | निर्धनः |

**19. निर्देशः – अधोलिखितप्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन उत्तरत–**

(क) नरः किं हित्वा प्रियो भवति ?

(ख) कः प्रश्नं पृच्छति?

(ग) किं हित्वा मनुष्यः सुखी भवति ?

(घ) युधिष्ठिरः केन सह संवादं करोति ?

(ङ.) कीदृशः पुरुषः मृतः स्यात् ?

(च) लोकः केन आवृत्तः अस्ति ?

(छ) कीदृशं श्राद्धं मृतं भवति ?

(ज) लोकः केन प्रकाशते ?

(झ) केन कारणेन जनाः मित्राणि त्यजन्ति ?

(ञ) जनाः कस्मात् कारणात् स्वर्गं न गच्छन्ति ?

**20. निर्देशः – पूर्णवाक्येन उत्तरत –**

(क) कीदृशं राष्ट्रं मृतं मन्यते ?

(ख) अदक्षिणः यज्ञः कथं भवति ?

(ग) अराजकं राष्ट्रं कथं भवति ?

(घ) कः अज्ञानेन आवृत्तः अस्ति ?

(ङ.) ज्ञानेन किं प्रसरति ?

(च) केन कारणेन स्वर्गं न प्राप्यते ?

(छ) अज्ञानेन कः आवृत्तः अस्ति ?

(ज) क्रोधेन किं हानिः भवति ?

(झ) युधिष्ठिरः केन सह संवादम् अकरोत्?

(ञ) यक्ष–युधिष्ठिरसंवादः कुतः संकलितः ?

**21. निर्देशः – रेखांकितपदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत –**

(क) कामं हित्वाऽर्थवान् भवति।

(ख) लोभं हित्वा सुखी भवेत्।

(ग) अज्ञानेन आवृत्तो लोकः।

(घ) तमसा लोकः न प्रकाशते।

(ङ.) सङ्गात् स्वर्गं न गच्छति।

(च) मृतं राष्ट्रम् अराजकं भवति।

(छ) मृतो दरिद्रः पुरुषः।

(ज) मृतम् अश्रोत्रियं श्राद्धम्।

(झ) मानं हित्वा प्रियो भवति।

(ञ) लोभात् त्यजति मित्राणि।

**22. निर्देशः – संधिविच्छेदं कुरुत –**

(1) अज्ञानेनावृत्तो = ———————— + ———————।

(2) स्विदावृत्तो = ———————— + ———————।

(3) महेशः = ———————— + ———————।

(4) भवनम् = ———————— + ———————।

(5) प्रत्येकम् = ———————— + ———————।

(6) गुरूपदेशः = ———————— + ———————।

(7) परोपकारः = ———————— + ———————।

(8) जलौघः = ———————— + ———————।

(9) इत्यादि = ———————— + ———————।

(10) द्वावपि = ———————— + ———————।

**23. निर्देशः – अधोलिखितवाक्येषु कर्तृपदं क्रियापदं च चित्वा लिखत–**

| | वाक्यानि | कर्ता | क्रियापदम् |
|---|---|---|---|
| | यथा–क्रोधं हित्वा नरः न शोचति– | नरः | शोचति |
| (क) | मानं हित्वा नरः प्रियः भवति– | | |
| (ख) | सः लोभात् मित्राणि त्यजति– | | |
| (ग) | सङ्गात् नरः स्वर्गं न गच्छति– | | |
| (घ) | अज्ञानेन लोकः न प्रकाशते– | | |
| (ङ) | दरिद्रः पुरुषः मृतः भवति– | | |
| (च) | अराजकं राष्ट्रं मृतं भवति– | | |
| (छ) | अश्रोत्रियं श्राद्धं मृतं भवति– | | |
| (ज) | अदक्षिणः यज्ञः मृतः भवति– | | |

**24. निर्देशः – अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत–**

**"अज्ञानेन आवृत्तो लोकः तमसा न प्रकाशते।**
**लोभात् त्यजति मित्राणि सङ्गात् स्वर्गं न गच्छति।।"**

**i. एकपदेन उत्तरत –**

(क) अज्ञानेन लोकः कीदृशः अस्ति ?

(ख) केन कारणेन लोकः न प्रकाशते ?

**ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(क) केन मित्राणि त्यजन्ति ?

(ख) स्वर्गलोकं के गच्छन्ति ?

**iii. निर्देशानुसारम् उत्तरत–**

(क) 'ज्ञानेन' पदस्य विपर्ययः लिखत।

(ख) तमसा पदे का विभक्तिः ?

(ग) 'त्यजति' क्रियापदस्य लकारः कः ?

(घ) श्लोकात् एकम् अव्ययपदं चिनुत।

© JCERT not to be republished

25. अधोलिखितवाक्यानि हिन्दीभाषायां लिखत–

(क) अध्यापकः बालकान् पाठयति।

(ख) सर्वे बालकाः पठन्ति।

(ग) एकः बालः न पठति न लिखति।

(घ) अध्यापकः तं बालकं पृच्छति।

(ङ) त्वं कथं न लिखसि न पठसि ?

(च) बालकः वदति – अहं ज्वरपीडितः अस्मि।

(छ) अध्यापकः बालकं वदति– त्वं गृहं गच्छ।

(ज) बालकः वदति– अहं गृहं गन्तुं न शक्नोमि।

(झ) अध्यापकः बालकस्य पितरम् आह्वयति।

(ञ) बालकः पित्रा सह गृहं गच्छति।

उत्तराणि–

| | | |
|---|---|---|
| 1. | क– | मानम् |
| 2. | ख– | क्रोधम् |
| 3. | ग– | कामम् |
| 4. | ख– | लोभम् |
| 5. | क– | दरिद्रः |
| 6. | ख– | लोभात् |
| 7. | क– | क्त्वा |
| 8. | घ– | पञ्चमी |
| 9. | ग– | लङ्लकारः |
| 10. | ख– | अगच्छन्ति |
| 11. | ख– | वीराः |
| 12. | क– | प्र |
| 13. | ग– | तु |
| 14. | ग– | प्रति + एकम् |

15. निर्देशः – मञ्जूषातः समुचितानि पदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत–

क – लोकः

ख – गच्छति

ग – मानम्

घ – मृतः

ङ – प्रकाशते

16. निर्देशः – विलोमपदैः सह मेलनं कुरुत –

| | अ | आ |
|---|---|---|
| (क) | प्रियः | अप्रियः |
| (ख) | स्वर्गः | नरकः |
| (ग) | दरिद्रः | धनिकः |
| (घ) | ज्ञानेन | अज्ञानेन |
| (ङ) | सुखी | दुःखी |

17. निर्देशः – श्लोकांशान् योजयत–

क – मानं हित्वा प्रियो भवति क्रोधं हित्वा सुखी भवेत्।

ख – केन त्यजति मित्राणि केन स्वर्गं न गच्छति।

ग – केन स्विदावृत्तो लोकः केन स्विन्न प्रकाशते।

घ – मृतो दरिद्रः पुरुषो मृतं राष्ट्रमराजकं।

ङ – लोभात् त्यजति मित्राणि सङ्गात् स्वर्गं न गच्छति।

18. निर्देशः – समानार्थकपदैः सह मेलनं कुरुत –

| | अ | आ |
|---|---|---|
| क – | मानम् | सम्मानम् |
| ख – | सङ्गात् | साहचर्यात् |
| ग – | उवाच | अवदत् |
| घ – | दरिद्रः | निर्धनः |
| ङ – | मनुष्यः | नरः |

19. निर्देशः– अधोलिखितप्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन उत्त. रत –

क – मानम्

ख – यक्षः

ग – लोभम्

घ – यक्षेण

ङ – दरिद्रः

च – अज्ञानेन

छ – अश्रोत्रियम्

ज – तमसा

झ – लोभात्

ञ – सङ्गात्

20. निर्देशः – पूर्णवाक्येन उत्तरत –

क – अराजकं राष्ट्रं मृतं भवति।

ख – अदक्षिणः यज्ञः मृतः भवति।

ग – अराजकं राष्ट्रं मृतं भवति।

घ – लोकः अज्ञानेन आवृत्तः अस्ति।

ङ – ज्ञानेन प्रकाशः प्रसरति।

च – सङ्गात् स्वर्गं न प्राप्यते।

छ – लोकः अज्ञानेन आवृत्तः अस्ति।

ज – क्रोधेन मनुष्यः शोचनीयः भवति।

झ – युधिष्ठिरः यक्षेण सह संवादम् अकरोत्।

ञ – यक्ष–युधिष्ठिर– संवादः महाभारतात् सङ्कलितः।

21. निर्देशः – रेखांकितपदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत –

क – किम् हित्वा अर्थवान् भवति ?

ख – कम् हित्वा सुखी भवेत् ?

© JCERT not to be republished

ग – केन आवृत्तोः लोकः ?

घ – केन लोकः न प्रकाशते ?

ङ – कस्मात् स्वर्गं न गच्छति ?

च – मृतं राष्ट्रं कीदृशं भवति ?

छ – मृतः कीदृशः पुरुषः ?

ज – मृतं कीदृशं श्राद्धं ?

झ – मानं हित्वा कीदृशः भवति ?

ञ – कस्मात् त्यजति मित्राणि ?

**22. निर्देशः – संधिविच्छेदं कुरुत –**

| | |
|---|---|
| क– | अज्ञानेन + आवृत्तः |
| ख– | स्विद् + आवृत्तः |
| ग– | महा + ईशः |
| घ– | भो + अनम् |
| ङ. | प्रति + एकम् |
| च. | गुरु + उपदेशः |
| छ. | पर + उपकारः |
| ज. | जल + ओघः |
| झ. | इति + आदि |
| ञ. | द्वौ + अपि |

**23. निर्देशः – अधोलिखितवाक्येषु कर्तृपदं क्रियापदं च चित्वा लिखत–**

| | कर्तृपदम् | क्रियापदम् |
|---|---|---|
| क. | नरः | भवति |
| ख. | सः | त्यजति |
| ग. | नरः | गच्छति |
| घ. | लोकः | प्रकाशते |
| ङ. | पुरुषः | भवति |
| च. | राष्ट्रं | भवति |
| छ. | श्राद्धं | भवति |
| ज. | यज्ञः | भवति |

**24. निर्देशः – अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्त. राणि लिखत–**

i. क – अन्धकारमयम्

ख – तमसा

ii. क – लोभाविष्टाः मित्राणि त्यजन्ति।

ख – ये आसक्तिं त्यजन्ति ते स्वर्गं गच्छन्ति।

iii. क – अज्ञानेन

ख – तृतीया

ग – लट्लकारः

घ – न

**25. अधोलिखितवाक्यानि हिन्दीभाषायां लिखत–**

क – अध्यापक लड़के को पढ़ाता है।

ख – सभी लड़के पढ़ते हैं।

ग – एक लड़का न पढ़ता है न लिखता है।

घ – अध्यापक उस लड़के को पूछता है।

ङ – तुम क्यों न पढ़ते हो न लिखते हो।

च – लड़का बोलता है – मैं बुखार से पीड़ित हूँ।

छ – अध्यापक लड़के को बोलता है – तुम घर जाओ।

ज – लड़का बोलता है – मैं घर जाने में असमर्थ हूँ।

झ – अध्यापक लड़के के पिता को बुलाता है।

ञ – लड़का पिता के साथ घर जाता है।

© JCERT not to be republished

| पञ्चमः पाठः | शरीरावयवाः |
|---|---|

### वस्तुनिष्ठप्रश्नाः

निर्देशः– प्रदत्तविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चित्वा लिखत–

1. के शरीरस्य महत्त्वं जानन्ति ?
   (क) वृक्षाः (ख) पशवः
   (ग) पर्वताः (घ) छात्राः

2. कर्णाः कति भवन्ति ?
   (क) एकः (ख) द्वौ
   (ग) त्रयः (घ) चत्वारः

3. शरीरे शिरः कुत्र तिष्ठति ?
   (क) अधः (ख) मध्ये
   (ग) उपरि (घ) कुत्रापि न

4. मनुष्यः कर्णाभ्यां किं करोति ?
   (क) वदनम् (ख) श्रवणम्
   (ग) हसनम् (घ) गमनम्

5. नेत्राणि कति भवन्ति ?
   (क) एकम् (ख) द्वे
   (ग) त्रीणि (घ) चत्वारि

6. नेत्राभ्यां मनुष्यः किं करोति ?
   (क) नृत्यति (ख) गायति
   (ग) पश्यति (घ) वदति

7. नासिका कुत्र भवति ?
   (क) मुखस्योपरि (ख) ललाटस्योपरि
   (ग) मस्तकस्योपरि (घ) न कुत्रापि

8. नासिकया मनुष्यः किं करोति ?
   (क) चर्बति (ख) जिघ्रति
   (ग) वदति (घ) पश्यति

9. जिह्वया पदे का विभक्तिः अस्ति ?
   (क) प्रथमा (ख) द्वितीया
   (ग) तृतीया (घ) चतुर्थी

10. 'तासां नामानि जानाति किम् ?' अत्र किं क्रियापदम् अस्ति?
   (क) तासां (ख) नामानि
   (ग) जानाति (घ) किम्

11. 'व्यायामेन स्वस्थः शरीरः भवति।' अत्र विशेष्यपदं किम् ?
   (क) व्यायामः (ख) स्वस्थः
   (ग) शरीरः (घ) भवति

12. 'सर्वे स्वहस्तान् प्रदर्शयन्तु।' अत्र कः लकारः प्रयुक्तः ?
   (क) लट्लकारः (ख) लङ्लकारः
   (ग) लृट्लकारः (घ) लोट्लकारः

13. 'करणीयम्' पदे कः प्रत्ययः ?
   (क) त्वम् (ख) तल्
   (ग) महत् (घ) अनीयर्

14. माले! भवत्याः नासिका कुत्र अस्ति ? अत्र किम् अव्ययपदं प्रयुक्तम् ?
   (क) माले (ख) भवत्याः
   (ग) नासिका (घ) कुत्र

15. 'नेत्राभ्याम्' पदस्य पर्यायपदं चिनुत–
   (क) नयनाभ्याम् (ख) मुखाभ्याम्
   (ग) आननाभ्याम् (घ) पादाभ्याम्

16. निर्देशः – मञ्जूषातः उचितपदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत –

| मस्तिष्कम्, हस्ताभ्याम्, द्वात्रिंशत्, नासिका, नेत्राभ्याम्, पृष्ठेन, द्वौ, नेत्राभ्याम्, पादेन, कर्णेन |
|---|

   (क) वयं ―――――― कार्यं कुर्मः।
   (ख) स्वस्थशरीरे एव स्वस्थं ―――――― भवति।
   (ग) मुखे ―――――― दन्ताः सन्ति।
   (घ) एषा मम ――――――।
   (ङ) भवान् ―――――― किं करोति ?
   (च) मम शरीरे ―――――― हस्तौ स्तः।
   (छ) सः ―――――― खञ्जः।
   (ज) सरोजः ―――――― अन्धः।
   (झ) भिक्षुकः ―――――― कुब्जः।
   (ञ) नवीनः ―――――― बधिरः।

17. शरीरस्य अङ्गानां नामानि तेषां कार्याणि सन्ति। उचितपदेन मेलयत –

| | अ | आ |
|---|---|---|
| (क) | हस्ताभ्यां | चलामि |
| (ख) | पादाभ्यां | पश्यामि |
| (ग) | नेत्राभ्यां | शृणोमि |
| (घ) | कर्णाभ्यां | कार्यं करोमि |
| (ङ) | जिह्वया | जिघ्रामि |
| (च) | नासिकया | आस्वादयामि |

© JCERT not to be republished

18. **अशुद्धं पदं चिनुत –**

(क) गमन्ति, यच्छन्ति, पृच्छन्ति, धावन्ति

(ख) रामेण, गृहेण, सर्पेण, गजेण

(ग) लतया, मातया, रमया, निशया

(घ) लते, रमे, माते, प्रिये

(ङ) लिखति, गर्जति, फलन्ति, सेवते

(च) फलानि, भवनानि, वृक्षानि, नयनानि

(छ) पादाभ्याम्, हस्ताभ्याम्, कर्णाभ्याम्, अश्वाभ्याम्

(ज) वदामि, हसामि, चलामि, शोभनानि

(झ) अङ्गानि, स्वस्थानि, नामानि, वदानि

(ञ) नेत्रौ, कर्णौ, हस्तौ, पादौ

19. **एकपदेन उत्तरत –**

(क) कर्णाभ्यां किं करोति ?

(ख) नासिकया किं करोति ?

(ग) हस्ते कति अङ्गुल्यः भवन्ति ?

(घ) जिह्वया किं करोति ?

(ङ) कस्य चर्वणं दन्तैः करोमि ?

(च) वयं काभ्यां कार्यं कुर्मः ?

(छ) मुखे कति दन्ताः भवन्ति ?

(ज) नेत्राभ्यां किं करोति ?

(झ) मष्तिष्कः कुत्र भवति ?

(ञ) स्वस्थशरीरे किं भवति ?

20. **पूर्णवाक्येन उत्तरत –**

(क) भवान् हस्ताभ्यां किं करोति ?

(ख) भोजनस्य चर्वणं कथं भवति ?

(ग) भोजनस्य आस्वादनं कथं भवति ?

(घ) हस्तस्य अङ्गुलीनां नामानि लिखत।

(ङ) श्वसनं कथं भवति ?

21. **अधोलिखितपदेषु धातुं प्रत्ययं च पृथक् कुरुत–**

**यथा – करणीयः कृ + अनीयर्**

(क) लेखनीयः ––––––– + ––––––––––

(ख) पठनीयः ––––––– + ––––––––––

(ग) भ्रमणीयः ––––––– + ––––––––––

(घ) हसनीयः ––––––– + ––––––––––

(ङ) धावनीयः ––––––– + ––––––––––

22. **मञ्जूषातः पदानि चित्वा कथायाः पूर्तिं कुरुत –**

| |
|---|
| **नासिकायामेव, वारणावतम्, खड्गेन, दूरम्, मित्रता, मक्षिका, व्यजनेन, उपाविशत्, छिन्ना, सुप्तः, प्रियः** |

पुरा एकस्य नृपस्य एकः –––– वानरः आसीत्। एकदा नृपः ––––– आसीत्। वानरः ––––––– तम् अवीजयत्। तदैव एका –––––– नृपस्य नासियायाम् –––––––। यद्यपि वानरः –––––– व्यजनेन तां निवारयति स्म, तथापि सा पुनः पुनः नृपस्य –––––––– उपविशति स्म। अन्ते सः मक्षिकां हन्तु ––––––––– प्रहारम् अकरोत्। मक्षिका तु उड्डीय ––––––– गता, किन्तु खड्गप्रहारेण नृपस्य नासिका ––––––––– अभवत्। अत एवोच्यते मूर्खजनैः सह ––––––– नोचिता।

23. **अधोलिखितं संवादं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत–**

अध्यापकः – पर्याप्तम्! पर्याप्तम्! भो प्रिये! भवत्याः हस्ते कति अङ्गुल्यः सन्ति ? तासां नामानि जानाति किम् ?

प्रिया – पञ्च अङ्गुल्यः।

अध्यापकः – अङ्गुलीनामपि नामानि भवन्ति किम् ?

प्रिया – आम्, एषः अङ्गुष्ठः एषा तर्जनी, एषा मध्यमा, एषा अनामिका, एषा कनिष्ठिका च।

प्रज्ञातः– अहो! अहमपि वदामि अङ्गुष्ठः तर्जनी मध्यमा अनामिका कनिष्ठिका च।

अध्यापकः – शोभनम् ! सर्वाणि अङ्गानि स्वस्थानि भवन्ति। चेत् शरीरं स्वस्थं भवति। तथा च स्वस्थे शरीरे एव स्वस्थं मष्तिष्कं भवति।

i. **एकपदेन उत्तरत–**

(क) कति अङ्गुल्यः भवन्ति ?

(ख) अङ्गुलीनामपि नामानि भवन्ति किम् ?

ii. **पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(क) अङ्गुलीनां नामानि लिखत।

(ख) स्वस्थे शरीरे किं स्वस्थं भवति ?

iii. **निर्देशानुसारम् उत्तरत –**

(क) 'पर्याप्तम्' पदे कः उपसर्गः ?

(ख) 'सर्वाणि' इति पदे किं वचनम् ?

(ग) 'हे प्रिये!' अत्र का विभक्तिः प्रयुक्ता ?

(घ) संवादात् एकम् अव्ययपदं चित्वा लिखत।

24. **अधोलिखितवाक्यानां संस्कृतभाषायाम् अनुवादं कुरुत –**

| | | | |
|---|---|---|---|
| (क) | राम पढ़ता है। | (ख) | घोड़ा चरता है। |
| (ग) | दो सियार बोलते हैं। | (घ) | दो लड़के खेलते हैं। |
| (ङ) | मोर नाचते हैं। | (च) | शिक्षक पढ़ाते हैं। |
| (छ) | वह हँसता है। | (ज) | वे दोनों दौड़ते हैं। |
| (झ) | वे किसान हैं। | (ञ) | कौन जोतते हैं। |

**उत्तराणि–**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | घ– | छात्राः |
| 2. | ख– | द्वौ |
| 3. | ग– | उपरि |
| 4. | ख– | श्रवणम् |



© JCERT not to be republished

5. ख– द्वे
6. ग– पश्यति
7. क– मुखस्योपरि
8. ख– जिघ्रति
9. ग– तृतीया
10. ग– जानाति
11. ग– शरीरः
12. घ– लोट्लकारे
13. घ– अनीयर्
14. घ– कुत्र
15. क– नयनाभ्याम्

**16. निर्देशः – मञ्जूषातः उचितपदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत –**

क – हस्ताभ्याम्  ख – मष्तिष्कं
ग – द्वात्रिंशत्  घ – नासिका
ङ – नेत्राभ्याम्  च – द्वौ
छ – पादेन  ज – नेत्राभ्याम्
झ – पृष्ठेन  ञ – कर्णेन

**17. शरीरस्य अङ्गानां नामानि तेषां कार्याणि सन्ति। उचितपदेन मेलयत –**

| | अ | आ |
|---|---|---|
| क. | हस्ताभ्यां – | कार्यं करोमि |
| ख. | पादाभ्यां – | चलामि |
| ग. | नेत्राभ्यां – | पश्यामि |
| घ. | कर्णाभ्यां – | शृणोमि |
| ङ. | जिह्वया – | आस्वादयामि |
| च. | नासिकया – | जिघ्रामि |

**18. अशुद्धं पदं चिनुत –**

क– गमन्ति  ख– गजेण
ग– मातया  घ– माते
ङ– सेवते  च– वृक्षानि
छ– अश्वाभ्याम्  ज– शोभनानि
झ– वदानि  ञ– नेत्रौ

**19. एकपदेन उत्तरत –**

क– शृणोति  ख– जिघ्रति
ग– पञ्च  घ– आस्वायति
ङ– भोजनस्य  च– हस्ताभ्याम्
छ– द्वात्रिंशत्  ज– पश्यति
झ– शिरसि  ञ– स्वस्थमष्तिष्कम्

**20. पूर्णवाक्येन उत्तरत –**

क– अहं हस्ताभ्यां कार्यं करोमि।
ख– भोजनस्य चर्वणं दन्तैः भवति।
ग– भोजनस्य आस्वादनं जिह्वया भवति।
घ– हस्तस्य अङ्गुलीनां नामानि– अङ्गुष्ठः तर्जनी मध्यमा अनामिका कनिष्ठिका च।
ङ– श्वसनं नासिकया भवति।

**21. अधोलिखितपदेषु धातुं प्रत्ययं च पृथक् कुरुत–**

क– लिख् – अनीयर्
ख– पठ् – अनीयर्
ग– भ्रम – अनीयर्
घ– हस् – अनीयर्
ङ– धाव् – अनीयर्

**22. मञ्जूषातः पदानि चित्वा कथायाः पूर्तिं कुरुत –**

क्रमशः – प्रियः, सुप्तः, व्यजनेन, मक्षिका, उपाविशत्, वारम्वारम्, नासिकायामेव, खड्गेन, दूरम्, छिन्ना, मित्रता।

**23. अधोलिखितं संवादं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत–**

i. क– पञ्च
ख– आम्

ii. क– अङ्गुष्ठः, तर्जनी, मध्यमा, अनामिका, कनिष्ठिका च।
ख– स्वस्थे शरीरे स्वस्थं मष्तिष्कं भवति।

iii. क– परि
ख– बहुवचनम्
ग– सम्बोधनम्
घ– च

**24. अधोलिखितवाक्यानां संस्कृतभाषायाम् अनुवादं कुरुत –**

क– रामः पठति।
ख– अश्वः चरति।
ग– शृगालौ वदतः।
घ– बालकौ खेलतः।
ङ– मयूराः नृत्यन्ति।
च– शिक्षकाः पाठयन्ति।
छ– सः हसति।
ज– तौ धावतः।
झ– ते कृषकाः सन्ति।
ञ– के हलन्ति ?

© JCERT not to be republished

# षष्ठः पाठः विश्वनायकः विवेकानन्दः

## वस्तुनिष्ठप्रश्नाः

निर्देश :– प्रदत्तविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चित्वा लिखत–

1. स्वामिविवेकानन्दस्य जन्म कदा अभवत् ?
   (क) 12 जनवरी 1863 (ख) 22 जनवरी 1863
   (ग) 31 मार्च 1863 (घ) 23 अप्रैल 1863

2. स्वामिविवेकानन्दस्य जन्म कुत्र अभवत् ?
   (क) आसनसोलनगरे (ख) चितरंजननगरे
   (ग) कोलकतानगरे (घ) दार्जिलिंगनगरे

3. बाल्यकाले स्वामिविवेकानन्दस्य किं नाम आसीत् ?
   (क) सुरेन्द्रनाथः (ख) देवेन्द्रनाथः
   (ग) गजेन्द्रनाथः (घ) नरेन्द्रनाथः

4. नरेन्द्रनाथस्य मेलनं केन सह अभवत् ?
   (क) रामानुजाचार्येण (ख) रामभद्राचार्येण
   (ग) रामकृष्णपरमहंसेन (घ) स्वामिदयानन्देन

5. विवेकानन्दः कस्य स्पर्शं प्राप्तवान् ?
   (क) देवस्य (ख) ईश्वरस्य
   (ग) परमहंसस्य (घ) महादेवस्य

6. स्वामिविवेकानन्दस्य गुरुः कः आसीत् ?
   (क) समर्थरामदासः (ख) नम्बूदरीपादः
   (ग) रामकृष्णपरमहंसः (घ) नामदेवः

7. के भारतीयसंस्कृतेः आलोचनां कुर्वन्ति स्म ?
   (क) पाश्चात्यदेशीयाः (ख) चीनदेशीयाः
   (ग) स्वदेशीयाः (घ) जापानदेशीयाः

8. संस्कृतेः आलोचनां श्रुत्वा कस्य हृदयं दुःखितं अभवत् ?
   (क) धनेश्वरस्य (ख) महेन्द्रस्य
   (ग) सुरेन्द्रस्य (घ) विवेकानन्दस्य

9. 'उपस्थिताः' इति पदस्य विलोमपदं चिनुत–
   (क) उद्धृताः (ख) उन्नताः
   (ग) अनुपस्थिताः (घ) अनुकूलिताः

10. 'श्रुत्वा' पदे कः प्रत्ययः प्रयुक्तः ?
    (क) क्त (ख) क्त्वा
    (ग) क्तवतु (घ) ल्यप्

11. 'सर्वेषु धर्मेषु विवेकानन्दस्य समभावः आसीत्'। अस्मिन् वाक्ये किं विशेषणपदं प्रयुक्तम्।
    (क) सर्वेषु (ख) धर्मेषु
    (ग) विवेकानन्दस्य (घ) समभावः

12. 'अवगच्छतु' इति पदे कः उपसर्गः प्रयुक्तः अस्ति ?
    (क) अ (ख) अव
    (ग) गच्छ (घ) गच्छतु

13. 'तथैव' पदस्य संधिविच्छेदं कुरुत–
    (क) तथै + एव (ख) तथा + ऐव
    (ग) तथा + एव (घ) तथा + व

14. 'विवेकानन्दस्य हृदयं दुःखितं भवति स्म'। अत्र कः लकारः प्रयुक्तः अस्ति ?
    (क) लट्लकारः (ख) लङ्लकारः
    (ग) लोट्लकारः (घ) लृट्लकारः

15. 'अहम् अस्य उत्तरम् अवश्यम् एव दास्यामि।' अत्र किं क्रियापदं प्रयुक्तम् ?
    (क) अवश्यम् (ख) एव
    (ग) अस्य (घ) दास्यामि

16. मञ्जूषातः विलोमपदानि चित्वा लिखत–

    यावत्, अत्र, ग्रामम्, लौकिकम्, धर्मः, अनुपस्थिताः, अविचारम्, प्रशंसाम्, अनुचिते, असफलम्

    (क) तावत् ____________
    (ख) तत्र ____________
    (ग) नगरम् ____________
    (घ) अलौकिकम् ____________
    (ङ) अधर्मः ____________
    (च) उपस्थिताः ____________
    (छ) विचारम् ____________
    (ज) आलोचनाम् ____________
    (झ) उचिते ____________
    (ञ) सफलम् ____________

17. अधोलिखितपदानां लिङ्गं विभक्तिं वचनं च लिखत–
    (क) देशस्य ________ ________ ________
    (ख) समये ________ ________ ________
    (ग) ग्रामात् ________ ________ ________
    (घ) धर्मेषु ________ ________ ________
    (ङ) अनुभवम् ________ ________ ________
    (च) शिष्यः ________ ________ ________
    (छ) ईश्वरम् ________ ________ ________
    (ज) मानवता ________ ________ ________
    (झ) मार्गे ________ ________ ________
    (ञ) विवेकानन्दस्य ________ ________ ________

18. अधोलिखितप्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखत –
    (क) विवेकानन्दस्य बाल्यकालस्य नाम किम् ?
    (ख) विवेकानन्दस्य विश्वासः कस्मिन् धर्मे आसीत् ?
    (ग) विवेकानन्दस्य जन्म कुत्र अभवत् ?
    (घ) विवेकानन्दस्य जन्म कदा अभवत् ?
    (ङ) विश्वधर्मसम्मेलनं कुत्र अभवत् ?

© JCERT not to be republished

(च) विश्वधर्मसम्मेलने भारतस्य प्रतिनिधिरूपेण भाषणं कः अददात् ?

(छ) सर्वधर्मेषु विवेकानन्दस्य भावः कीदृशः आसीत् ?

(ज) विवेकानन्दस्य जन्मदिवसः केन रूपेण मन्यते ?

(झ) स्वामिविवेकानन्दस्य निधनं कदा अभवत् ?

(ञ) विश्वनायकः कः आसीत् ?

**19. पूर्णवाक्येन उत्तरत –**

(क) शिकागोनगरं कस्मिन् देशे अस्ति ?

(ख) विवेकानन्दस्य मेलनं केन सह अभवत् ?

(ग) कस्य विचारः श्रुत्वा सर्वे चकिताः आसन् ?

(घ) विवेकानन्दस्य एकं विचारं लिखत।

(ङ) कदा मनुष्यस्य मार्गे अनुचितः भवति?

(च) समस्या उचिता भवति वा अनुचिता ?

(छ) राष्ट्रिययुवादिवसः कदा मन्यते ?

(ज) विवेकानन्दः कस्य शिष्यः आसीत् ?

(झ) धर्मसम्मेलनं कदा अभवत् ?

(ञ) कस्य उपदेशाः सर्वदा प्रासङ्गिकाः स्थास्यन्ति ?

**20. पदानि आश्रित्य वाक्यनि रचयत –**

(क) नगरे ——————————————।

(ख) देशस्य ——————————————।

(ग) बाल्यकाले ——————————————।

(घ) प्रसन्नाः ——————————————।

(ङ) सर्वदा ——————————————।

(च) उपदेशाः ——————————————।

(छ) यावत् ——————————————।

(ज) अवगच्छतु——————————————।

(झ) सम्प्रति ——————————————।

(ञ) विद्वांसः ——————————————।

**21. वाक्यानि भूतकाले परिवर्तयन्तु –**

यथा– विवेकानन्दः विश्वनायकः अस्ति।

**उत्तरम्**– विवेकानन्दः विश्वनायकः आसीत्।

(क) बालकाः रोटिकां खादन्ति।

(ख) रामः उच्चैः वदति।

(ग) मोहनः भाषणं ददाति।

(घ) अहं पुस्तकं पठामि।

(ङ) त्वं कुत्र गच्छसि ?

(च) रामायणं महाकाव्यम् अस्ति।

(छ) परमहंसः सन्तः अस्ति।

(ज) सः शिकागो नगरं गच्छति।

(झ) विवेकानन्दस्य बहवः विचाराः सन्ति।

(ञ) सर्वे प्रसन्नाः सन्ति।

**22. अधोलिखितपदेषु उपसर्गम धातुं प्रत्ययं च पृथक् कुरुत –**

यथा – परिक्रम्य परि + क्रम् + ल्यप्

(क) अवलोक्य ————————————

(ख) विहस्य ————————————

(ग) आदाय ————————————

(घ) आगत्य ————————————

(ङ) विज्ञाय ————————————

**23. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि कुरुत–**

गद्यांशः – "यदा भवान् समस्यारहितः भवति तदा अवगच्छतु यत् भवान् उचिते मार्गे नास्ति।" तस्य एतादृशाः बहवः विचाराः सन्ति यैः वयं स्वकीयं जीवनं सफलं कर्तुं शक्नुमः। 4 जुलाई 1902 तमे ख्रिटाब्दे सः शरीरम् अत्यजत्। तस्य जन्मदिवसः राष्ट्रिययुवादिवसरूपेण मन्यते। स्वामविवेकानन्दः सम्प्रति संसारे नास्ति परन्तु तस्य विचाराः उपदेशाः च सर्वदा एव प्रासङ्गिकाः स्थास्यन्ति। सः वस्तुतः युगपुरुषः विश्वनायकः च।''

**i. एकपदेन उत्तरत–**

(क) उपर्युक्तगद्यांशे कस्य जीवन–वर्णनम् अस्ति ?

(ख) कः विश्वनायकः अस्ति ?

**ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(क) समस्यारहितः पुरुषः कस्मिन् मार्गे भवति ?

(ख) राष्ट्रिययुवादिवसः कदा मन्यते ?

**iii. निर्देशानुसारम् उत्तरत–**

(क) 'तदा' अव्ययपदस्य विलोमपदं लिखत।

(ख) 'उचिते मार्गे' अत्र किं विशेष्यपदम् अस्ति ?

(ग) 'भवान्' पदस्य क्रियापदं गद्यांशात् चित्वा लिखत।

(घ) 'कर्त्तुम्' पदस्य प्रकृति–प्रत्ययं लिखत।

**24. अधोलिखितवाक्यानां संस्कृतभाषायाम् अनुवाद कुरुत –**

(क) तू चलता है।

(ख) तुमदोनों चलते हो।

(ग) तुमसब दौड़ते हो।

(घ) मैं खाता हूँ।

(ङ) हमदोनों बोलते हैं।

(च) हमसब जाते हैं।

(छ) वह कहाँ खेलता है।

(ज) देवता सब जगह घूमते हैं।

(झ) वृक्ष पर पक्षी चहकते हैं।

(ञ) राम का नौकर कहाँ जाता है।

**उत्तराणि–**

1. क– 12 जनवरी 1863
2. ग– कोलकातानगरे

© JCERT not to be republished

3. घ– नरेन्द्रनाथः
4. ग– रामकृष्णपरमहंसेन
5. ग– परमहंसस्य
6. ग– रामकृष्णपरमहंसः
7. क– पाश्चात्यदेशीयाः
8. घ– विवेकानन्दस्य
9. ग– अनुपस्थिताः
10. ख– क्त्वा
11. क– सर्वेषु
12. ख– अव
13. ग– तथा + एव
14. ख– लङ्लकारः
15. घ– दास्यामि

**16. मञ्जूषातः विलोमपदानि चित्वा लिखत–**

क– यावत्
ख– अत्र
ग– ग्रामम्
घ– लौकिकम्
ङ– धर्मः
च– अनुपस्थिताः
छ– अविचारम्
ज– प्रशंसाम्
झ– अनुचिते
ञ– असफलम्

**17. अधोलिखितपदानां लिङ्गं विभक्तिं वचनं च लिखत–**

| | लिङ्गम् | विभक्तिः | वचनम् |
|---|---|---|---|
| क– | पुल्लिङ्गः | षष्ठी | एकवचनम् |
| ख– | पुल्लिङ्गः | सप्तमी | एकवचनम् |
| ग– | पुल्लिङ्गः | पञ्चमी | एकवचनम् |
| घ– | पुल्लिङ्गः | सप्तमी | बहुवचनम् |
| ङ– | पुल्लिङ्गः | द्वितीया | एकवचनम् |
| च– | पुल्लिङ्गः: | प्रथमा | एकवचनम् |
| छ– | पुल्लिङ्गः | द्वितीया | एकवचनम् |
| ज– | स्त्रीलिङ्गः | प्रथमा | एकवचनम् |
| झ– | पुल्लिङ्गः | सप्तमी | एकवचनम् |
| ञ– | पुल्लिङ्गः | षष्ठी | एकवचनम् |

**18. अधोलिखितप्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखत –**

क– नरेन्द्रनाथः
ख– मानवधर्मे
ग– कोलकतानगरे
घ– 12 जनवरी 1863
ङ– शिकागोनगरे
च– विवेकानन्दः
छ– समभावः
ज– राष्ट्रिययुवादिवसरूपेण
झ– 4 जुलाई 1902
ञ– विवेकानन्दः

**19. पूर्णवाक्येन उत्तरत –**

क– शिकागोनगरम् अमेरिकादेशे अस्ति।
ख– विवेकानन्दस्य मेलनं रामकृष्णपरमहंसेन सह अभवत्।
ग– विवेकानन्दस्य विचारः श्रुत्वा सर्वे चकिताः आसन्।
घ– विवेकानन्दस्य विचारः अस्ति – तावत् चलत यावत् लक्ष्यं न मिलेत्।
ङ– यदा मनुष्यः समस्यारहितः भवति तदा सः अनुचिते मार्गे एव अस्ति।
च– समस्या उचिता भवति।
छ– राष्ट्रिययुवादिवसः जनवरी–मासस्य 12 दिनाङ्के मन्यते।
ज– विवेकानन्दः रामकृष्णपरमहंसस्य शिष्यः आसीत्।
झ– धर्मसम्मेलनं 1893 तमे ख्रिष्टाब्दे अभवत्।
ञ– विवेकानन्दस्य उपदेशाः सर्वदा प्रासङ्गिकाः स्थास्यन्ति।

**20. पदानि आश्रित्य वाक्यं रचयत–**

क– विवेकानन्दस्य जन्म कोलकतानगरे अभवत्।
ख– विवेकानन्दः देशस्य गौरवः अस्ति।
ग– विवेकानन्दः बाल्यकाले बुद्धिमान् आसीत्।
घ– सर्वे प्रसन्नाः भवन्ति।
ङ– सर्वादा ईश्वरं भजेयुः।
च– विवेकानन्दस्य उपदेशाः प्रासङ्गिकाः सन्ति।
छ– यावत् जीवन्ति तावत् सुखं जीवेत्।
ज– भवान् विवेकानन्दस्य भावम् अवगच्छतु।
झ– सम्प्रति संस्कृते एव वदतु।
ञ– सर्वे एव विद्वांसः सन्ति।

**21. वाक्यानि भूतकाले परिवर्तयन्तु**

क– बालकाः रोटिकाम् अखादन्।
ख– रामः उच्चैः अवदत्।
ग– मोहनः भाषणं अददात्।
घ– अहं पुस्तकम् अपठम्।
ङ– त्वं कुत्र अगच्छः ?
च– रामायणं महाकाव्यम् आसीत्।
छ– परमहंसः सन्तः आसीत्।
ज– सः शिकागोनगरम् अगच्छत्।
झ– विवेकानन्दस्य बहवः विचाराः आसन्
ञ– सर्वे प्रसन्नाः आसन्।

© JCERT not to be republished

**22. अधोलिखितपदेषु उपसर्गं धातुं प्रत्ययं च पृथक्–पृथक् कुरुत –**

| | | |
|---|---|---|
| (क) | अवलोक्य– | अव + लोक् + ल्यप् |
| (ख) | विहस्य– | वि + हस् + ल्यप् |
| (ग) | आदाय– | आ + दा + ल्यप् |
| (घ) | आगत्य– | आ + गम् + ल्यप् |
| (ङ.) | विज्ञाय– | वि + ज्ञा + ल्यप् |

**23. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि –**

i. क – विवेकानन्दस्य

ख – विवेकानन्दः

ii. क – समस्यारहितः पुरुषः अनुचिते मार्गे भवति।

ख – राष्ट्रिययुवादिवसः जनवरी–मासस्य द्वादश्यां तिथौ मन्यते।

iii. क – यदा

ख – मार्गे

ग – भवति

घ – कृ + तुमुन्

**24. अधोलिखितवाक्यानां संस्कृतभाषायाम् अनुवादं कुरुत –**

क– त्वं चलसि।

ख– युवां चलथः।

ग– यूयं धावथ।

घ– अहं खादामि।

ङ– आवां वदावः।

च– वयं गच्छामः।

छ– सः कुत्र खेलति ?

ज– देवाः सर्वत्र भ्रमन्ति।

झ– वृक्षे खगाः कूजन्ति।

ञ– रामस्य भृत्यः कुत्र गच्छति ?

© JCERT not to be republished

# सप्तम :पाठ : त्यागस्य फलं शुभम्

**वस्तुनिष्ठप्रश्नाः**

**निर्देशः – अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि विकल्पेभ्यः चित्वा लिखन्तु–**

1. **शिवमन्दिरं कस्मात् बहिः आसीत् ?**
(क) ग्रामात् (ख) सर्पात्
(ग) वृक्षात् (घ) बालकात्

2. **धार्मिकः सत्यनिष्ठः च कः आसीत् ?**
(क) ग्रामीणः (ख) बालकः
(ग) महिला (घ) अर्चकः

3. **अर्चकः कुत्र वसति स्म ?**
(क) वने (ख) गृहे
(ग) मन्दिरे (घ) राजमार्गे

4. **कस्य नाम श्रीगुणानन्दः ?**
(क) कुक्कुरस्य (ख) अश्वस्य
(ग) अर्चकस्य (घ) मन्दिरस्य

5. **अर्चकः कुत्र स्नानं करोति स्म ?**
(क) कूपे (ख) नलकूपे
(ग) यमुनायाम् (घ) सरोवरे

6. **'ईश्वरोपासना एव जीवनोद्देश्यम्' इति केन स्वकृतम् ?**
(क) अर्चकेन (ख) धनपालेन
(ग) धनपाल–भार्यया (घ) देवदत्तेन

7. **अर्चकस्य प्रतिवेशी कः आसीत् ?**
(क) महेशः (ख) गणेश्वरः
(ग) धनपालः (घ) गोपालः

8. **लोलुपः (लोभी) कः आसीत् ?**
(क) अर्चकः (ख) धनपालः
(ग) देवदत्तः (घ) विवेकः

9. **कस्य हस्ते वृश्चिकाः दंशितवन्तः ?**
(क) अर्चकस्य (ख) धनपालस्य
(ग) अर्चकभार्यायाः (घ) धनपालभार्यायाः

10. **पण्डितः पर–दारेषु कथम् पश्यति ?**
(क) मातृवत् (ख) पितृवत्
(ग) मित्रवत् (घ) भ्रातृवत्

11. **'अचिन्तयत्' पदे कः लकारः ?**
(क) लोट्–लकारः (ख) लट्–लकारः
(ग) लङ्–लकारः (घ) लृट्–लकारः

12. **'अपसार्य' पदे कः प्रत्ययः ?**
(क) ल्यप् (ख) क्त्वा
(ग) क्तवतु (घ) तुमुन्

13. **'भार्या' इति पदस्य कः पर्यायः ?**
(क) महिला (ख) पत्नी
(ग) भगिनी (घ) पिता

14. **'तस्य + उपरि' अत्र संधि–पदम् किम् अस्ति ?**
(क) तस्यौपरि (ख) तस्योपरि
(ग) तस्यिपरि (घ) तत्उपरि

15. **'अपसारितवान्' इत्यस्मिन् पदे कः उपसर्गः वर्त्तते ?**
(क) अप (ख) सारि
(ग) इत् (घ) वान्

16. **निर्देशः – मञ्जूषातः उचितानि पदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत–**

| भार्या, दण्डम्, वृश्चिकाः, अनेकाः, स्वभार्याम्, धनपालाय |
|---|

**यथा– ''कलशे अनेकाः स्वर्णमुद्राः आसन्।''**
(क) सः गृहं गत्वा ———————— अकथयत्।
(ख) तस्य ———————— सत्यव्रता आसीत्।
(ग) प्रतिवेशिनी पत्ये ———————— न्यवेदयत्।
(घ) अहमपि तं ———————— ददामि।
(ङ) कलशे भयङ्कराः ———————— आसन्।

17. **निर्देशः – अधोलिखितेषु प्रकृति–प्रत्ययविभागं कुरुत–**
यथा– सुप्तम् = स्वप् + क्त (क्त/तव्यत्)
(क) श्रुत्वा – – – – – + – – – – – (क्त/क्त्वा)
(ख) कृत्वा – – – – – + – – – – – – (तव्यत्/क्त्वा)
(ग) लिखितम् – – – – + – – – – – – (क्त/ल्यप्)
(घ) कृतम् – – – – – + – – – – – – (यत्/क्त)
(ङ) उक्तम् – – – – – + – – – – – – (क्त/ण्यत्)
(च) दृष्टम् – – – – – + – – – – – – (तुमुन्/क्त)
(छ) पठितम् – – – – – + – – – – – – (शतृ/क्त)

18. **निर्देशः – एकपदेन उत्तरत –**
(क) कलशे अनेकाः काः आसन् ?
(ख) पण्डितः परद्रव्येषु कथम् पश्यति ?
(ग) कस्य भार्या अतीव सत्यव्रता आसीत् ?
(घ) ग्रामात् बहिः किम् आसीत् ?
(ङ) अर्चकस्य नाम किम् आसीत् ?
(च) स्वर्णमुद्राः कुत्र आसन् ?
(छ) अर्चकस्य भार्या कीदृशी आसीत् ?
(ज) धनपालस्य हस्ते के दंशितवन्तः ?
(झ) ईश्वरः कथं ददाति ?
(ञ) केन समः लाभः नास्ति ?

19. **निर्देशः – पूर्णवाक्येन उत्तरत –**
(क) कुत्र स्नानं कृत्वा मंदिरं प्रति गच्छति ?

© JCERT not to be republished

(ख) ग्रामात् बहिः किम् आसीत् ?
(ग) केन अर्चकस्य पादे आघातः प्राप्तः ?
(घ) 'एकेन लघुस्थाणुना' अत्र विशेषण–पदं किम् अस्ति ?
(ङ) 'सः अचिन्तयत् यत्–' अत्र क्रिया पदं किम् अस्ति ?
(च) लोलुपः स्वभावः कस्य आसीत् ?
(छ) वृश्चिकाः कुत्र दंशितवन्तः ?
(ज) केन समः क्षतिः नास्ति ?
(झ) कस्मात् स्वर्णमुद्राः अपतन् ?
(ञ) कलशे भयङ्कराः के सन्ति ?

**20. निर्देशः – अधोलिखितानां पदानां लिङ्गं विभक्तिं वचनं च लिखत –**

(यथा– ईश्वरः– पुल्लिङ्गम् प्रथमा एकवचन)

(क) भार्याम् ––––––––––––––––––––––––
(ख) वृश्चिकाः ––––––––––––––––––––––––
(ग) स्वपतिम् ––––––––––––––––––––––––
(घ) धनपालाय ––––––––––––––––––––––––
(ङ) ग्रामात् ––––––––––––––––––––––––
(च) अर्चकस्य ––––––––––––––––––––––––
(छ) सरोवरे ––––––––––––––––––––––––

**21. निर्देशः रेखाङ्कित–पदानि आधृत्य प्रश्न–निर्माणं कुरुत–**

(क) <u>ग्रामात्</u> बहिः शिवमंदिरम् आसीत्।
(ख) मन्दिरे <u>धार्मिकः</u> अर्चकः प्रतिवसति स्म।
(ग) अर्चकः <u>सरोवरे</u> स्नानं कृतवान्।
(घ) सः <u>स्वभार्याम्</u> अकथयत्।
(ङ) कलशे <u>अनेकाः</u> स्वर्णमुद्राः आसन्।
(च) <u>वृश्चिकान्</u> कलशात् अपातयत्।
(छ) <u>धनपालः</u> क्रुद्धः जातः।
(ज) <u>ईश्वरोपासना</u> तेन स्वीकृतम्।
(झ) अर्चकः <u>आश्चर्यचकितः</u> अभवत्।
(ञ) धनपालः <u>मृत्तिकाम्</u> अपसारयति।

**22. निर्देशः – अधोलिखितानि पदानि आधृत्य वाक्यानि रचयत**

(क) यदा – – – – – – – – – – – – – – – – – –
(ख) सरोवरे – – – – – – – – – – – – – – – – – –
(ग) गत्वा – – – – – – – – – – – – – – – – – –
(घ) लोलुपः – – – – – – – – – – – – – – – – – –
(ङ) भयङ्करः – – – – – – – – – – – – – – – – – –
(च) दण्डः – – – – – – – – – – – – – – – – – –
(छ) अर्चकः – – – – – – – – – – – – – – – – – –
(ज) भार्याम् – – – – – – – – – – – – – – – – – –

**23. चित्रं दृष्ट्वा प्रदत्त–मंजूषा–सहायतया संस्कृत–भाषायां पञ्च– वाक्यानि लिखन्तु–**

| |
|---|
| नदी, पृथिव्याः, सौंदर्यं, पर्वताः, वहति, अनेके, वृक्षाः, खगाः, उड्डयन्ति, आकाशे, प्राकृतिक– सौंदर्यस्य, हरित–वातावरणम् |

**24. निर्देशः – अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत–**

''प्रतिवेशिनी स्वपतये धनपालाय वार्तां न्यवेदयत्। तां वार्तां श्रुत्वा लोलुपः धनपालः तत्र अगच्छत्, यत्र कनककलशः आसीत्। सः मृत्तिकाम् अपसार्य अपश्यत् हा हन्त ! किमिदम् ? अस्मिन् कलशे भयङ्कराः वृश्चिकाः सन्ति। अनेके वृश्चिकाः तस्य हस्ते दंशितवन्तः। धनपालः क्रुद्धः जातः। सः अचिन्तयत्– अयम् अर्चकः मिथ्यावादी। मां वञ्चयितुं तेन इदं कार्यं कृतम्। अहमपि तं दण्डं ददामि। सः अर्चकस्य गृहस्य छदिम् आरुह्य तं कलशं अधोमुखं कृत्वा तान् वृश्चिकान् कलशात् अपातयत्।''

**i एकपदेन उत्तरत–**

(क) का धनपालाय वार्तां न्यवेदयत् ?
(ख) सः धनपालः काम् अपसार्य अपश्यत् ?
(ग) ''लोलुपः धनपालः'' अत्र विशेष्य–पदं किम् ?
(घ) ''अनेके वृश्चिकाः तस्य हस्ते दंशितवन्तः'' अत्र 'दंशितवन्तः' इति क्रिया – पदस्य कर्तृपदं किम् ?

**ii पूर्णवाक्येन उत्तरत –**

(क) कः क्रुद्धः जातः ?
(ख) 'अयं अर्चकः मिथ्यावादी' इति कः अचिन्तयत् ?
(ग) धनपालः कस्य गृहस्य छदिम् आरोहति।
(घ) 'अर्चकस्य' इति पदे का विभक्तिः ?

## उत्तराणि

| | | |
|---|---|---|
| 1. | (क) | ग्रामात् |
| 2. | (घ) | अर्चकः |
| 3. | (ग) | मन्दिरे |
| 4. | (ग) | अर्चकस्य |
| 5. | (घ) | सरोवरे |
| 6 . | (क) | अर्चकेन |
| 7. | (ग) | धनपालः |
| 8. | (ख) | धनपालः |
| 9. | (ख) | धनपालस्य |
| 10. | (क) | मातृवत् |
| 11. | (ग) | लङ्–लकारः |

© JCERT not to be republished

12. (क) ल्यप्
13. (ख) पत्नी
14. (ख) तस्योपरि
15. (क) अप

**16. निर्देशः – मञ्जूषातः उचितानि पदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत–**

(क) स्वभार्याम् (ख) भार्या
(ग) धनपालाय (घ) दण्डम्
(ङ) वृश्चिकाः

**17. निर्देशः – अधोलिखितेषु प्रकृति–प्रत्ययविभागं कुरुत–**

(क) श्रु + क्त्वा (ख) कृ + क्त्वा
(ग) लिख् + क्त (घ) कृ + क्त
(ङ) वच् + क्त (च) दृश् + क्त
(छ) पठ् + क्त

**18. निर्देशः – एकपदेन उत्तरत –**

(क) वृश्चिकाः (ख) लोष्ठवत्
(ग) अर्चकस्य (घ) शिवमन्दिरम्
(ङ) श्रीगुणानन्दः (च) कलशे
(छ) सत्यव्रता (ज) वृश्चिकाः
(झ) छद्–विदीर्य (ञ) त्यागेन

**19. निर्देशः – पूर्णवाक्येन उत्तरत –**

(क) सरोवरे स्नानं कृत्वा मंदिरं प्रति गच्छति।
(ख) एकं शिव – मंदिरम् आसीत्।
(ग) लघुस्थानुना अर्चकस्य पादे आघातः प्राप्तः।
(घ) 'एकेन' इति विशेषण – पदम्।
(ङ) 'अचिन्तयत्' इति क्रिया – पदम्।
(च) लोलुपः स्वभावः धनपालस्य आसीत्।
(छ) वृश्चिकाः हस्ते दंशितवन्तः।
(ज) लोभसमः क्षतिः नास्ति।
(झ) कलशात् स्वर्णमुद्राः अपतन्।
(ञ) कलशे भयङ्कराः वृश्चिकाः सन्ति।

**20. निर्देशः – अधोलिखितानां पदानां लिङ्गं विभक्तिं वचनं च लिखत –**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (क) | भार्याम्– | स्त्री. | द्वितीया | एकवचन |
| (ख) | वृश्चिकाः– | पु. | प्रथमा | बहुवचन |
| (ग) | स्वपतिम्– | स्त्री. | द्वितीया | एकवचन |
| (घ) | धनपालाय– | पु. | चतुर्थी | एकवचन |
| (ङ) | ग्रामात्– | पु. | पंचमी | एकवचन |
| (च) | अर्चकस्य– | पु. | षष्ठी | एकवचन |
| (छ) | सरोवरे– | पु. | सप्तमी | एकवचन |

**21. निर्देशः रेखाङ्कित– पदानि आधृत्य प्रश्न–निर्माणं कुरुत–**

(क) <u>कस्मात्</u> बहिः मंदिरम् आसीत् ?
(ख) मंदिरे <u>कीदृशः</u> अर्चकः प्रतिवसति स्म ?
(ग) अर्चकः <u>कुत्र</u> स्नानं कृतवान् ?
(घ) सः <u>काम्</u> अकथयत् ?
(ङ) कलशे <u>कति</u> स्वर्णमुद्राः आसीत् ?
(च) <u>कान्</u> कलशात् अपातयत् ?
(छ) <u>कः</u> क्रुद्धः जातः ?
(ज) <u>का</u> तेन स्वीकृतम् ?
(झ) अर्चकः <u>कीदृशः</u> अभवत् ?
(ञ) धनपालः <u>काम्</u> अपसारयति ?

**22. निर्देशः – अधोलिखितानि पदानि आधृत्य वाक्यानि रचयत–**

(क) यदा सः आगमिष्यति तदा अहं खादिष्यामि।
(ख) अहं सरोवरे स्नानं करोमि।
(ग) बालः विद्यालयं गत्वा पठति।
(घ) धनपालः लोलुपः आसीत्।
(ङ) तत्र भयङ्करः सर्पः आसीत्।
(च) तेन दण्डः दीयते।
(छ) अर्चकः धार्मिकः आसीत्।
(ज) सः भार्यां पृच्छति।

**23. चित्रं दृष्ट्वा प्रदत्त–मंजूषा–सहायतया संस्कृते पञ्च–वाक्यानि लिखन्तु –**

(क) इदं चित्रं प्राकृतिक–सौंदर्यस्य अस्ति।
(ख) अत्र एका नदी वहति।
(ग) चित्रे अनेके पर्वताः सन्ति।
(घ) अत्र वृक्षाः अपि विद्यन्ते।
(ङ) अस्मिन् चित्रे आकाशे खगाः उड्डयन्ति।

**24. निर्देशः – अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत–**

**i. एकपदेन उत्तरत–**

(क) प्रतिवेशिनी/धनपाल–भार्या
(ख) मृत्तिकाम्
(ग) धनपालः
(घ) वृश्चिकाः

**ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(क) धनपालः क्रुद्धः जातः।
(ख) 'अयम् अर्चकः मिथ्यावादी' इति धनपालः अचिन्तयत्।
(ग) धनपालः अर्चकस्य गृहस्य छदिम् आरोहति।
(घ) 'अर्चकस्य' इति पदे षष्ठी–विभक्तिः अस्ति।

# अष्टम : पाठः सदाचारः

## वस्तुनिष्ठप्रश्नाः

**निर्देशः– अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि विकल्पेभ्यः चित्वा लिखन्तु –**

1. **खलानां मैत्री आरम्भे कथं भवति ?**
(क) लघ्वी (ख) गुर्वी
(ग) विस्तृता (घ) क्रमयुक्ता

2. **सज्जनानां मैत्री आरम्भे कथं भवति ?**
(क) गुर्वी (ख) लघ्वी
(ग) संकुचिता (घ) विस्तृता

3. **केन हस्तस्य (पाणेः) शोभा भवति ?**
(क) आदानेन (ख) दानेन
(ग) चौरेन (घ) संचितेन

4. **केन शुद्धिः भवति ?**
(क) स्नानेन (ख) चंदनेन
(ग) दानेन (घ) कंकनेन

5. **कथं तृप्तिः भवति ?**
(क) गानेन (ख) नृत्येन
(ग) मानेन (घ) ताडनेन

6. **केन मुक्तिः जाता ?**
(क) भोजनेन (ख) ज्ञानेन
(ग) भ्रमणेन (घ) दर्शनेन

7. **गङ्गा कं हरति ?**
(क) मण्डनम् (ख) सुखम्
(ग) धनम् (घ) पापम्

8. **कः तापं हरति ?**
(क) मनुष्यः (ख) पशवः
(ग) शशी (घ) सूर्यः

9. **दैन्यं कः हरति ?**
(क) आम्रवृक्षः (ख) कल्पतरुः
(ग) दानवः (घ) पिप्लवृक्षः

10. **केन कार्यं चिन्तितम् ?**
(क) मनसा (ख) वाचा
(ग) शरीरेण (घ) चन्दनेन

11. **वाचा किं न प्रकाशयेत् ?**
(क) चिन्तित–कार्यम् (ख) अकार्यम्
(ग) धावनम् (घ) भ्रमणम्

12. **अभिवादनशीलस्य कति वर्धन्ते ?**
(क) पञ्चमः (ख) चत्वारि
(ग) षड (घ) अष्ट

13. **'गंगा' पदे का विभक्तिः ?**
(क) तृतीया (ख) प्रथमा
(ग) द्वितीया (घ) चतुर्थी

14. **'कल्पतरुः + तथा' इत्यस्य संधि–पदम् किम् ?**
(क) कल्पतरुस्तथा (ख) कल्पतरोतथा
(ग) कल्पतरौतथा (घ) कल्पतरुःतथा

15. **'चन्द्रः' इत्यस्य पर्यायः कः।**
(क) शशी (ख) पयोदः
(ग) मित्रं (घ) तारकः

16. **निर्देशः – मञ्जूषातः उचित–पदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत–**

| **कल्पतरुस्तथा, पाणिः, रसास्वादः, क्षयिणी, अभिवादनशीलस्य, दानेन, छायेव, चिन्तितम्** |
|---|

(क) सुभाषितः ———————— सङ्गतिः सुजने जने।
(ख) दानेन —————————— न तु कङ्कणेन।
(ग) —————————— नित्यं वृद्धोपसेविनः।
(घ) गङ्गा पापं शशी तापं दैन्यं ——————————।
(ङ) —————————— मैत्री खल– सज्जनानाम्।
(च) मनसा —————————— कार्यं वाचा नैव प्रकाशयेत्।
(छ) आरम्भगुर्वी —————————— क्रमेण।
(ज) —————————— पाणिः न तु कङ्कणेन।

17. **एकपदेन उत्तरत–**
(क) कल्पतरुः किम् दूरीकरोति ?
(ख) ज्ञानेन का भवति ?
(ग) का पापं नाशयति ?
(घ) शशी कं हरति ?
(ङ) दानेन कस्य शोभा भवति ?
(च) मनसा किम् चिन्तितम् ?
(छ) केषां मैत्री आरम्भे गुर्वी भवति ?
(ज) संसारकटुवृक्षस्य कति फले स्तः ?
(झ) पापं ताप दैन्यं च कः हन्ति ?
(ञ) स्नानेन का भवति ?

18. **पूर्णवाक्येन उत्तरत–**
(क) पापं तापं दैन्यं च कः हन्ति ?

© JCERT not to be republished

(ख) सज्जनानां मैत्री कीदृशी भवति ?
(ग) खलानां मैत्री कीदृशी भवति ?
(घ) चत्वारि कस्य वर्धन्ते ?
(ङ) किं न प्रकाशयेत् ?
(च) का पापं हरति ?
(छ) मंत्रवद् किं रक्षयेत् ?
(ज) अभिवादनशीलस्य किं किं वर्द्धन्ते ?
(झ) सज्जनसङ्गमः किं किं हन्ति ?
(ञ) 'हन्ति' इत्यस्मिन् पदे किं वचनम् ?

**19. रेखांकितपदेषु प्रश्न–निर्माणं कुर्वन्तु –**

(क) गंगा पापं हरति।
(ख) लघ्वी पुरा वृद्धिमती च पश्चात्।
(ग) कल्पतरुः दैन्यं हरति।
(घ) मनसा चिन्तितं कार्यं वाचा नैव प्रकाशयेत्।
(ङ) संसारकटवृक्षस्य द्वे फले स्तः।
(च) कार्ये चापि नियोजयेत् ?
(छ) सङ्गतिः सुजने जने।
(ज) स्नानेन शुद्धिः भवति।
(झ) शशी तापं हरति।
(ञ) खलस्य मैत्री आरम्भे गुर्वी भवति।

**20. उचितान् श्लोकांशान् मेलयत–**

(क) दानेन पाणिः – आयुर्विद्यायशोबलम्।
(ख) ज्ञानेन मुक्तिः – न तु मण्डनेन।
(ग) आरम्भगुर्वी क्षयिणी क्रमेण – न तु कङ्कणेन।
(घ) चत्वारि तस्य वर्धन्ते – दैन्यं कल्पतरुस्तथा।
(ङ) गङ्गा पापं शशी तापं – लघ्वी पुरा वृद्धिमती च पश्चात्।

**21. मञ्जूषातः पर्यायपदानि चित्वा लिखत –**

| |
|---|
| दिवसस्य, भागीरथी, सन्तुष्टिः हस्तः, सज्जने, विचारितम्, दुष्टानाम्, वाण्या |

(क) गङ्गा ––––––––––––––
(ख) पाणिः ––––––––––––––
(ग) तृप्तिः ––––––––––––––
(घ) सुजने ––––––––––––––
(ङ) चिन्तितम् ––––––––––––––
(च) दिनस्य ––––––––––––––
(छ) वाचा ––––––––––––––
(ज) खलानाम् ––––––––––––––

**22. अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत –**

**''गङ्गा पापं शशी तापं दैन्यं कल्पतरुस्तथा।**
**पापं तापं च दैन्यं च हन्ति सज्जनसङ्गमः।।''**

**i. एकपदेन उत्तरत–**

(क) गंगा कम् दूरीकरोति ?
(ख) दैन्यं कः हन्ति ?
(ग) 'शशी' इति पदे का विभक्तिः ?
(घ) 'दीनता' इति अर्थे श्लोके कः शब्दः आगतः ?

**ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(ङ) सज्जनसङ्गमः किं किं हन्ति ?
(च) पापं तापं दैन्यं च कः हन्ति ?
(छ) 'हन्ति' क्रियापदस्य कर्तृ–पदं किम् अस्ति ?
(ज) 'सज्जनसङ्गमः' इति कर्तृ–पदस्य क्रिया–पदं किम् ?

**23. चित्रं दृष्ट्वा प्रदत्त–मंजूषा–सहायतया संस्कृते पञ्च–वाक्यानि लिखन्तु।**

| |
|---|
| **शिवमन्दिरम्, पूजकः, जले, स्नानं, खगाः, उड्डयन्ति, वृक्षाः, आकाशे, प्रातःकालस्य, मनोहरं, दृश्यम्** |

## उत्तराणि

| | | |
|---|---|---|
| 1. | (ख)– | गुर्वी |
| 2. | (ख)– | लघ्वी |
| 3. | (ख)– | दानेन |
| 4. | (क)– | स्नानेन |
| 5. | (ग)– | मानेन |
| 6. | (ख)– | ज्ञानेन |
| 7. | (घ)– | पापम् |
| 8. | (ग)– | शशी |
| 9. | (ख)– | कल्पतरुः |
| 10. | (क)– | मनसा |
| 11. | (क)– | चिन्तित–कार्यम् |
| 12. | (ख)– | चत्वारि |
| 13. | (ख)– | प्रथमा |
| 14. | (क)– | कल्पतरुस्तथा |
| 15. | (क)– | शशी |

© JCERT not to be republished

**16. निर्देशः – मञ्जूषातः उचित–पदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत–**

(क) रसास्वादः
(ख) पाणिः
(ग) अभिवादनशीलस्य
(घ) कल्पतरुस्तथा
(ङ) छायेव
(च) चिन्तितम्
(छ) क्षयिणी
(ज) दानेन

**17. एकपदेन उत्तरत–**

(क) दैन्यं
(ख) मुक्तिः
(ग) गङ्गा
(घ) तापम्
(ङ) पाणेः
(च) कार्यम्
(छ) खलानाम्
(ज) द्वे
(झ) सज्जनसङ्गमः
(ञ) शुद्धिः

**18. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(क) पापं तापं दैन्यं च सज्जनसंगमः हन्ति।
(ख) पुरा लघ्वी पश्चात् च वृद्धिमती।
(ग) आरम्भगुर्वी क्षयिणी क्रमेण भवति।
(घ) अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः।
(ङ) मनसा चिन्तितं कार्यं वाचा नैव प्रकाशयेत्।
(च) गङ्गा पापं हरति।
(छ) मनसा चिन्तितं कार्यं मन्त्रवत् रक्षयेत्।
(ज) आयुर्विद्यायशोबलम् इति चत्वारि वर्धन्ते।
(झ) पापं तापं दैन्यं च सज्जनसंगमः हन्ति।
(ञ) एकवचनम्।

**19. रेखांकितपदेषु प्रश्न– निर्माणं कुर्वन्तु –**

(क) <u>का</u> पापं हरति ?
(ख) <u>कीदृशी</u> पुरा वृद्धिमती च पश्चात् ?
(ग) कल्पतरुः <u>किं</u> हरति ?
(घ) <u>केन</u> चिन्तितं कार्यं वाचा नैव प्रकाशेत् ?
(ङ) संसार– कटुवृक्षस्य <u>कति</u> फले स्तः ?
(च) <u>कुत्र/करिमन्</u> चापि नियोजयेत् ?
(छ) <u>का</u> सुजने जने ?
(ज) <u>केन</u> शुद्धिः भवति ?
(झ) <u>कः</u> तापं हरति ?
(ञ) खलस्य मैत्री **कदा** गुर्वी भवति ?

**20. उचितान् श्लोकांशान् मेलयत–**

(क) दानेन पाणिः ––––––– न तु कङ्कणेन।
(ख) ज्ञानेन मुक्तिः ––––––– न तु मण्डनेन।
(ग) आरम्भगुर्वी क्षयिणी क्रमेण ––––––– लघ्वी पुरा वृद्धिमती पश्चात्।
(घ) चत्वारि तस्य वर्धन्ते ––––––– आयुर्विद्यायशोबलम्।
(ङ) गङ्गा पापं शशी तापं ––––––– दैन्यं कल्पतरुस्तथा।

**21. मञ्जूषातः पर्यायपदानि चित्वा लिखत–**

(क) गङ्गा ––––––––––– भागीरथी
(ख) पाणि ––––––––––––––– हस्तः
(ग) तृप्तिः –––––––––––––––– सन्तुष्टिः
(घ) सुजने ––––––––––––––––– सज्जने
(ङ) चिन्तितम्–––––––––––––– विचारितम्
(च) दिनस्य ––––––––––––––––– दिवसस्य
(छ) वाचा –––––––––––––––––––– वाण्या
(ज) खलानाम्–––––––––––––––– दुष्टानाम्

**22. अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत –**

**i. एकपदेन उत्तरत–**

(क) पापम्
(ख) कल्पतरुः
(ग) प्रथमा
(घ) दैन्यम्

**ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(ङ) पापं तापं दैन्यं च सज्जनसंगमः हन्ति।
(च) सज्जनसंगमः हन्ति।
(छ) 'सज्जनसंगमः' इति कर्तृपदम् अस्ति।
(ज) 'हन्ति' इति क्रिया – पदम् अस्ति।

**23. चित्रं दृष्ट्वा प्रदत्त–मंजूषा–सहायतया संस्कृते पञ्च–वाक्यानि लिखन्तु –**

(क) इदं प्रातःकालस्य चित्रं वर्तते।
(ख) अत्र शिवमंदिरम् अस्ति।
(ग) एकः पूजकः जले स्नानं करोति।
(घ) आकाशे खगाः उड्डयन्ति।
(ङ) चित्रे अनेके वृक्षाः अपि सन्ति।

.......................................................................

© JCERT not to be republished

# नवमः पाठः — कन्यां रक्षतु कन्यां पाठयतु

## वस्तुनिष्ठप्रश्नाः

निर्देशः– अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि विकल्पेभ्यः चित्वा लिखन्तु –

1. **प्राचीनकाले कासां स्थितिः उत्तमा आसीत् ?**
(क) पशूनाम् (ख) नारीणाम्
(ग) शिशूनाम् (घ) दानवानाम्

2. **कस्मिन् काले नारीणां स्थितिः उत्तमा आसीत् ?**
(क) प्राचीनकाले (ख) मुगलकाले
(ग) मध्यकाले (घ) आंग्लशासनकाले

3. **प्राचीनकाले नारीणां का उत्तमा आसीत् ?**
(क) स्थितिः (ख) गृहम्
(ग) वाहनम् (घ) भोजनम्

4. **पुरा का देवीरूपा पूजनीया आसीत् ?**
(क) पुरुषः (ख) पशुः
(ग) नरभक्षकः (घ) नारी

5. **प्राचीनकाले नारी कस्मिन् रूपे पूजनीया आसीत् ?**
(क) पाषाणरूपे (ख) मूर्तिरूपे
(ग) देवीरूपे (घ) सेविकारूपे

6. **नारी प्रथमे तु का भवति ?**
(क) कन्यारूपा (ख) महिलारूपा
(ग) गृहिणीरूपा (घ) भगिनीरूपा

7. **''यदि कन्यारक्षणं न भविष्यति'' अत्र क्रियापदं किं वर्तते ?**
(क) यदि (ख) कन्यारक्षणं
(ग) न (घ) भविष्यति

8. **यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते तत्र के रमन्ते?**
(क) दानवाः (ख) मानवाः
(ग) पशवः (घ) देवताः

9. **अस्य पाठानुसारं कस्याः रक्षणम् आवश्यकम् अस्ति ?**
(क) पशुरक्षणम् (ख) प्लास्टिक –रक्षणम्
(ग) फलरक्षणम् (घ) कन्यारक्षणम्

10. **अस्य पाठानुसारं अधुना सर्वत्र यदा कदा कीदृशाः समाचाराः श्रूयन्ते ?**
(क) नारीहत्यायाः (ख) सिंहहत्यायाः
(ग) अश्वहत्यायाः (घ) पक्षिहत्यायाः

11. **राष्ट्रे का कलङ्करूपा एव अस्ति।**
(क) कन्याजन्म (ख) कन्यापालनम्
(ग) कन्याभ्रूणहत्या (घ) कन्याविवाहः

12. **कल्पनाचावला कुत्र गत्वा प्रसिद्धा जाता ?**
(क) अन्तरिक्षम् (ख) पाताललोकम्
(ग) विदेशम् (घ) दिल्लीनगरम्

13. **राष्ट्रस्य अर्धशक्ति तु कुत्र एव अस्ति?**
(क) पर्वते (ख) ग्रामे
(ग) नारीषु (घ) सर्वकारेषु

14. **''यत्र नार्यः तु पूज्यन्ते'' अत्र कर्तृ–पदं किम्?**
(क) यत्र (ख) तु
(ग) पूज्यन्ते (घ) नार्यः

15. **''प्राचीनकाले नारीणां स्थितिः उत्तमा आसीत्।'' अत्र 'उत्तमा' पदं कस्मै प्रयुक्तम्?**
(क) प्राचीनकालाय (ख) नारी–कृते
(ग) स्थिति–कृते (घ) आसीत्–कृते

16. **कोष्ठकात् उचितं पदं चित्वा वाक्यं पूरयत–**

| |
|---|
| **सर्वकारः, कन्यारक्षणम्, स्थितिः, कर्तव्यम्, नार्यः, महती, देवीरूपा, आवश्यकम्** |

(क) नारी ––––––––– पूजनीया च अस्ति।
(ख) अत एव – – – – – – आवश्यकम् अस्ति।
(ग) अधुना कन्याशिक्षायाः – – – – – – – आवश्यकता अस्ति।
(घ) इदं सर्वेषां – – – – – – – – अस्ति।
(ङ) अस्मिन् कार्ये – – – – – – – अपि तत्परः अस्ति।
(च) प्राचीनकाले नारीणां – – – – उत्तमा आसीत्।
(छ) यत्र – – – – – – तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।
(ज) कन्यारक्षणम् – – – – – – अस्ति।

17. **एकपदेन उत्तरत–**
(क) किम् आवश्यकम् अस्ति ?
(ख) समाजे एका प्रमुखा का अस्ति ?
(ग) अरुन्धती प्रभृतयः अनेकाः काः आसन् ?
(घ) कुत्र मैत्रेयी, गार्गी, लोपामुद्रा आदयः विदुषीनार्यः अभवन् ?
(ङ) यदा – कदा नारीहत्यायाः के श्रूयन्ते ?
(च) कन्याभ्रूणहत्या तु राष्ट्रे का अस्ति ?
(छ) मदरटेरेसा आदयः नार्यः काम् अकुर्वन् ?
(ज) लतामंगेशकर का आसीत् ?
(झ) का अन्तरिक्षं गतवती ?
(ञ) सर्वेषु क्षेत्रेषु का अग्रिमा अस्ति ?

18. **पूर्णवाक्येन उत्तरत–**
(क) प्राचीनकाले नारीणां स्थितिः कीदृशी आसीत् ?
(ख) कन्यायाः काः रूपाः भवन्ति ?
(ग) प्राचीने भारतवर्षे काः विदुषीनार्यः आसन् ?
(घ) केषु क्षेत्रेषु नारीशक्तिः अग्रिमा अस्ति ?
(ङ) सर्वकारस्य किम् उद्घोषम् अस्ति ?
(च) अधुना कस्याः महती आवश्यकता अस्ति ?

© JCERT not to be republished

(छ) कां रक्षतु कां पाठयतु ?

(ज) प्रतियोगिता–परीक्षासु कासां स्थानानि प्रशंसनीयानि सन्ति?

(झ) कन्यानां का अपि सुदृढा कर्तव्या ?

(ञ) 'कन्यानाम् अध्ययन–व्यवस्था सुदृढा कर्तव्या' इति केषां कर्तव्यं वर्तते?

**19. रेखाङ्कित–पदेषु प्रश्ननिर्माणं कुरुत–**

(क) प्राचीनकाले नारीणां स्थितिः उत्तमा आसीत्।

(ख) नारी देवीरूपा आसीत्।

(ग) यत्र नार्यः पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।

(घ) नारी प्रथमे तु कन्यारूपा भवति।

(ङ) यदि कन्यायाः रक्षणं न भविष्यति तर्हि माता न मिलिष्यति।

(च) भारतवर्षे अनेकाः विदुषीनार्यः आसन।

(छ) ताः सामाजिकोन्नयने अनेकानि कार्याणि अकुर्वन्।

(ज) वर्तमानसमये समाजे प्रमुखा समस्या अस्ति।

(झ) यदा कदा नारीहत्यायाः समाचाराः श्रूयन्ते।

(ञ) कन्याभ्रूणहत्या तु राष्ट्रे कलङ्करूपा अस्ति।

**20. अधोलिखितपदानां निर्देशानुसारं पदपरिचयं लिखत–**

यथा – (नारीणाम् – नारी, स्त्रीलिङ्गम्, षष्ठी, बहुवचनम्)

(क) सर्वे ____________________

(ख) प्राचीने ____________________

(ग) मस्तकम् ____________________

(घ) सर्वकारस्य ____________________

(ङ) देशस्य ____________________

(च) परीक्षासु ____________________

(छ) कन्यानाम् ____________________

**21. अधोलिखितपदानां रूपाणि षष्ठीविभक्तौ त्रिषु वचनेषु लिखत –**

यथा– कन्या – कन्यायाः, कन्ययोः, कन्यानाम्

(क) भार्या ____________________

(ख) माला ____________________

(ग) विद्या ____________________

(घ) अम्बा ____________________

(ङ) शिक्षिका ____________________

(च) लोपामुद्रा ____________________

(छ) दीपिका ____________________

**22. अधोलिखितानि पदानि आधृत्य वाक्यानि रचयत–**

(क) नारीणाम् ____________________

(ख) कन्यारूपा ____________________

(ग) मातृरूपा ____________________

(घ) समाचाराः ____________________

(ङ) कन्यारक्षणम् ____________________

(च) विदुषीनार्यः ____________________

(छ) कर्तव्यम् ____________________

**23. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत –**

''प्राचीनकाले नारीणां स्थितिः उत्तमा आसीत्। नारी देवीरूपा पूजनीया च आसीत्। उक्तम् अपि अस्ति – ''यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।'' सर्वे जानन्ति यत् नारी प्रथमे तु कन्यारूपा भवति। अनन्तरं सा भगिनीरूपा भार्यारूपा मातृरूपा च भवति। यदि कन्यारक्षणं न भविष्यति तर्हि भगिनी भार्या माता वा कुतः मिलिष्यति? अतएव कन्यारक्षणं आवश्यकम् अस्ति। प्राचीने भारतवर्षे मैत्रेयी गार्गी लोपामुद्रा अरुन्धती प्रभृतयः अनेकाः विदुषीनार्यः आसन्। ताः सामाजिकोन्नयने अनेकानि कार्याणि अकुर्वन्।

वर्तमानसमये समाजे एका प्रमुखा समस्या अस्ति। सर्वत्र यदा कदा नारीहत्यायाः समाचाराः श्रूयन्ते। क्वचित् भ्रूणहत्या क्वचित् यौतुकहत्या क्वचित् अग्निदाहेन क्वचित् विषपानेन वा। कन्याभ्रूणहत्या तु राष्ट्रे कलङ्करूपा एव अस्ति।''

**i. एकपदेन उत्तरत–**

(क) का प्रथमे कन्यारूपा भवति ?

(ख) ताः कस्य उन्नयने अनेकानि कार्याणि अकुर्वन्।

**ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(क) किम् उक्तम् अपि अस्ति?

(ख) वर्तमानसमये समाजे प्रमुखा समस्या किम् अस्ति ?

**iii. भाषिककार्यम्–**

(क) ''रमन्ते तत्र देवताः'' अत्र क्रिया – पदं किं वर्तते ?

(ख) 'कथितम्' इत्यर्थे गद्यांशे किं पदम् आगतम् ?

(ग) ''कन्यारक्षणं न भविष्यति'' अत्र अव्यय–पदं किं वर्तते ?

(घ) 'प्रमुखा समस्या' अनयोः पदयोः विशेष्य–पदं किम् अस्ति ?

**24. चित्रं दृष्ट्वा संस्कृतभाषायां प्रदत्त–मंजूषा–सहायतया पञ्चवाक्यानि लिखन्तु–**

**सरोवरस्य, सुन्दरं दृश्यं, वर्तकाः, बकाः, जले, तरन्ति, द्वे नौके, समीपे वृक्षाः, उन्नत–भवनानि, चलतः, नगरव्यवस्था**

उत्तराणि–

| | | |
|---|---|---|
| 1. | (ख) | नारीणाम् |
| 2. | (क) | प्राचीनकाले |
| 3. | (क) | स्थितिः |
| 4. | (घ) | नारी |
| 5. | (ग) | देवीरूपे |
| 6. | (क) | कन्यारूपा |



© JCERT not to be republished

7. (घ) भविष्यति
8. (घ) देवताः
9. (घ) कन्यारक्षणम्
10. (क) नारीहत्यायाः
11. (ग) कन्याभ्रूणहत्या
12. (क) अन्तरिक्षम्
13. (ग) नारीषु
14. (घ) नार्यः
15. (ग) स्थिति–कृते

**16. कोष्ठकात् उचितं पदं चित्वा वाक्यं पूरयत–**

(क) देवीरूपा (ख) कन्यारक्षणम्
(ग) महती (घ) कर्तव्यम्
(ङ) सर्वकारः (च) स्थितिः
(छ) नार्यः (ज) आवश्यकम्

**17. एकपदेन उत्तरत –**

(क) कन्यारक्षणम् (ख) समस्या
(ग) विदुषीनार्यः (घ) भारतवर्षे
(ङ) समाचाराः (च) कलङ्करूपा
(छ) समाजसेवाम् (ज) गायिका
(झ) कल्पनाचावला (ञ) नारीशक्तिः

**18. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(क) प्राचीनकाले नारीणां स्थितिः उत्तमा आसीत्।
(ख) कन्यायाः अनेकाः रूपाः भवन्ति–भगिनीरूपा, भार्यारूपा, मातृरूपा च।
(ग) प्राचीने भारतवर्षे मैत्रेयी गार्गी लोपामुद्रा अरुन्धती प्रभृतयः अनेकाः विदुषीनार्यः आसन्।
(घ) सैन्यक्षेत्रेषु, शिक्षाक्षेत्रेषु, राजनीतिक्षेत्रेषु, क्रीडाक्षेत्रेषु, सामाजिकसेवाक्षेत्रेषु नारीशक्तिः अग्रिमा अस्ति।
(ङ) सर्वकारस्य उद्घोषम् अस्ति– ''कन्यां रक्षतु, कन्यां पाठयतु''।
(च) अधुना कन्याशिक्षायाः महती आवश्यकता अस्ति।
(छ) कन्यां रक्षतु कन्यां पाठयतु।
(ज) प्रतियोगिता–परीक्षासु कन्यानां स्थानानि प्रशंसनीयानि सन्ति।
(झ) कन्यानाम् अध्ययन–व्यवस्था अपि सुदृढ़ा कर्तव्या।
(ञ) 'कन्यानाम् अध्ययन–व्यवस्था सुदृढा कर्तव्या' इति सर्वेषां कर्तव्यम् अस्ति।

**19. रेखाङ्कित–पदेषु प्रश्ननिर्माणं कुरुत–**

(क) प्राचीनकाले <u>कासां</u> स्थितिः उत्तमा आसीत् ?
(ख) नारी <u>कीदृशी</u> आसीत् ?
(ग) यत्र <u>काः</u> पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः ?
(घ) नारी <u>कदा</u> तु कन्यारूपा भवति?
(ङ) यदि <u>कस्याः</u> रक्षणं न भविष्यति तर्हि माता न भविष्यति?
(च) भारतवर्षे <u>कति</u> विदुषीनार्यः आसन् ?
(छ) ताः सामाजिकोन्नयने <u>कति</u> कार्याणि अकुर्वन् ?
(ज) वर्तमानसमये <u>कुत्र</u> प्रमुखा समस्या अस्ति ?
(झ) यदा कदा <u>कस्याः</u> समाचाराः श्रूयन्ते ?
(ञ) कन्याभ्रूणहत्या तु राष्ट्रे <u>कीदृशी</u> अस्ति ?

**20. अधोलिखितपदानां निर्देशानुसारं पदपरिचयं लिखत–**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| (क) | सर्वे– | सर्व | पुं. | प्रथमा | बहु. |
| (ख) | प्राचीने– | प्राचीन | पुं. | सप्तमी | एक. |
| (ग) | मस्तकम्– | मस्तक | पुं. | द्वितीया | एक. |
| (घ) | सर्वकारस्य– | सर्वकार | पुं. | षष्ठी | एक. |
| (ङ) | देशस्य– | देश | पुं. | षष्ठी | एक. |
| (च) | परीक्षासु– | परीक्षा | स्त्री. | सप्तमी | बहु. |
| (छ) | कन्यानाम्– | कन्या | स्त्री. | षष्ठी | बहु. |

**21. अधोलिखितपदानां रूपाणि षष्ठीविभक्तौ त्रिषु वचनेषु लिखत–**

| | | | |
|---|---|---|---|
| (क) | भार्यायाः | भार्ययोः | भार्याणाम् |
| (ख) | मालायाः | मालयोः | मालानाम् |
| (ग) | विद्यायाः | विद्ययोः | विद्यानाम् |
| (घ) | अम्बायाः | अम्बयोः | अम्बानाम् |
| (ङ) | शिक्षिकायाः | शिक्षिकयोः | शिक्षिकाणाम् |
| (च) | लोपामुद्रायाः | लोपामुद्रयोः | लोपामुद्राणाम् |
| (छ) | दीपिकायाः | दीपिकयोः | दीपिकानाम् |

**22. अधोलिखितानि पदानि आधृत्य वाक्यानि रचयत–**

(क) तत्र नारीणां सम्मेलनं वर्तते।
(ख) नारी प्रथमे कन्यारूपा भवति।
(ग) कन्यायाः अन्या रूपा मातृरूपा अस्ति।
(घ) मया समाचाराः श्रूयन्ते।
(ङ) कन्यारक्षणम् आवश्यकम् अस्ति।
(च) भारते अनेकाः विदुषीनार्यः अभवन्।
(छ) नारीरक्षणम् अस्माकं कर्तव्यम् अस्ति।

**23. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत –**

i. **एकपदेन उत्तरत–**
(क) नारी
(ख) सामाजिकोन्नयने

ii. **पूर्णवाक्येन–**
(क) 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता।' इति उक्तम्।
(ख) वर्तमानसमये समाजे प्रमुखा समस्या अस्ति यत् सर्वत्र यदा कदा नारीहत्यायाः समाचाराः श्रूयन्ते।

iii. **भाषिककार्यम्–**
(क) रमन्ते। (ख) उक्तम्।
(ग) न। (घ) समस्या।

**24. चित्रं दृष्ट्वा संस्कृते प्रदत्त–मंजूषा–सहायतया पञ्च–वाक्यानि लिखन्तु –**

(क) इदं सरोवरस्य चित्रम् अस्ति।
(ख) चित्रे वर्तकाः तरन्ति।
(ग) अत्र बकाः अपि सन्ति।
(घ) अत्र द्वे नौके अपि स्तः।
(ङ) चित्रे अनेके वृक्षाः अपि सन्ति।


© JCERT not to be republished

# दशमः पाठः — संस्कृतभाषायाः महत्त्वम् (सन्धिप्रयोगः)

## वस्तुनिष्ठप्रश्नाः

विकल्पेभ्यः समीचीनोत्तरं चिनुत–

1. संस्कृतभाषायाः रूपे स्तः–
   (क) त्रयः (ख) चत्वारः
   (ग) द्वे (घ) पञ्च
2. सर्वासां भारतीयभाषाणां जननी का ?
   (क) तेलुगूभाषा (ख) अवधीभाषा
   (ग) मलयालमभाषा (घ) संस्कृतभाषा
3. कति वेदाः ?
   (क) त्रयः (ख) चत्वारः
   (ग) पञ्च (घ) षट्
4. वैदिकसाहित्यस्य उदाहरणम् अस्ति–
   (क) उपनिषद् (ख) शिशुपालवधम्
   (ग) रघुवंशम् (घ) रामायणम्
5. 'साहित्यस्य' इति पदे का विभक्तिः ?
   (क) चतुर्थी (ख) पञ्चमी
   (ग) षष्ठी (घ) सप्तमी
6. 'मिलित्वा' पदे कः प्रत्ययः प्रयुक्तः ?
   (क) क्त्वा (ख) क्त
   (ग) तुमुन् (घ) तव्यत्
7. 'नासायाः' इति अनुसारं का भाषा सङ्गणकस्य कृते सर्वश्रेष्ठा भाषा?
   (क) तेलुगूभाषा (ख) अवधीभाषा
   (ग) मलयालमभाषा (घ) संस्कृतभाषा
8. 'नीतिशतकम्' इत्यस्मिन् कति श्लोकाः सन्ति ?
   (क) चत्वारिंशत् (ख) त्रिंशत्
   (ग) पञ्चाशत् (घ) शतम्
9. भर्तृहरिः कं ग्रन्थं व्यरचयत् ?
   (क) शिशुपालवधम् (ख) रघुवंशम्
   (ग) नीतिशतकम् (घ) रामायणम्
10. संसारस्य अग्रणी वैज्ञानिकीसंस्थायाः नाम अस्ति –
    (क) संस्कृतभारती (ख) इसरो
    (ग) नासा (घ) प्रवर्तननिदेशालयः
11. 'नीतिशतकम्' इति कस्य रचना?
    (क) भर्तृहरेः (ख) भवभूतेः
    (ग) भासस्य (घ) कालिदासस्य
12. 'सन्ति' पदे कः लकारः?
    (क) लट् (ख) लृट्
    (ग) लोट् (घ) लङ्
13. अस्माकं संस्कृतेः सभ्यतायाः च मूलं कस्यां भाषायाम् अस्ति?
    (क) तेलुगूभाषायाम् (ख) अवधीभाषायाम्
    (ग) मलयालमभाषायाम् (घ) संस्कृतभाषायाम्
14. 'जननी' इत्यस्य कः अर्थः ?
    (क) पिता (ख) माता
    (ग) पुत्री (घ) भ्राता
15. 'भर्तृहरिणा' इत्यस्मिन् का विभक्तिः प्रयुक्ता ?
    (क) तृतीया (ख) चतुर्थी
    (ग) पंचमी (घ) षष्ठी
16. निर्देशः– कोष्ठकात् उचितं पदं चित्वा वाक्यं पूरयत–
    (द्वे, ब्राह्मणग्रंथाः, रामायणम्, कालिदासः, संस्कृताध्ययनम्)
    (क) ————— संस्कृतस्य रचनाकारः अस्ति।
    (ख) ————— वैदिकसाहित्यान्तर्गते सन्ति।
    (ग) भारतीयानां कृते ————— अत्यावश्यकम्।
    (घ) ————— वाल्मीकिना रचितं महाकाव्यम्।
    (ङ) संस्कृतभाषायाः ————— रूपे स्तः।
17. निर्देशः– विशेषणं विशेष्येण सह मेलनं कुरुत–

| | क | ख |
|---|---|---|
| (क) | लोकप्रिया | श्लोकाः |
| (ख) | शतम् | भाषा |
| (ग) | ज्ञानवन्तः | संस्था |
| (घ) | वैज्ञानिकी | साहित्यम् |
| (ङ) | वैदिकम् | जनाः |

18. 'आम्' अथवा 'न' लिखत–
    (क) संस्कृतभाषा कठोरा भाषा अस्ति। ———
    (ख) संस्कृतभाषायां नीतिविषयाधारिताः ग्रन्थाः सन्ति। ———
    (ग) तुलसीदासः संस्कृतस्य रचनाकारः आसीत्। ———
    (घ) 'सुधर्मा' संस्कृतस्य समाचारपत्रम् अस्ति। ———
    (ङ) संस्कृतं पठित्वा जनाः ज्ञानवन्तः भवन्ति। ———
19. सन्धिविच्छेदं कुरुत–
    (क) विद्यालयः = ——— + ———
    (ख) विद्यार्थी = ——— + ———
    (ग) शिक्षार्थी = ——— + ———



© JCERT not to be republished

(घ) कपीशः = ———————— + ———————

(ङ) नदीशः = ———————— + ———————

(च) मधूत्सवः = ———————— + ———————

(छ) लघूर्मि = ———————— + ———————

(ज) सिन्धूर्मि = ———————— + ———————

**20. उदाहरणानुसारं विभक्तिं वचनं च लिखत–**

| | विभक्तिः | वचनम् |
|---|---|---|
| (क) भाषायाम्– | सप्तमी | एकवचनम् |
| (ख) भाषाणाम्– | —————— | —————— |
| (ग) भर्तृहरिणा– | —————— | —————— |
| (घ) सभ्यतायाः– | —————— | —————— |
| (ङ) समाचारपत्रस्य– | —————— | —————— |
| (च) प्रमुखानि– | —————— | —————— |
| (छ) संस्कृते– | —————— | —————— |
| (ज) संस्कृतेः– | —————— | —————— |

**21. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखत–**

(क) कति वेदाः ?

(ख) सर्वासां भारतीयभाषाणां जननी का ?

(ग) रामायणम् कस्यां भाषायाम् अस्ति ?

(घ) 'सुधर्मा' किमस्ति ?

(ङ) उपनिषदः लौकिकसाहित्यम् अस्ति वैदिकं वा ?

(च) 'नीतिशतकम्' केन रचितम् ?

(छ) भारतीयानां कृते किम् आवश्यकम् ?

(ज) संसारस्य अग्रणी वैज्ञानिकी संस्था का ?

(झ) संस्कृतसाहित्यं कतिविधं वर्तते ?

(ञ) वयं किं पठित्वा स्वसंस्कृतिं ज्ञातुं समर्थाः भवामः ?

**22. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(क) संस्कृतसाहित्यं कतिविधं वर्तते ?

(ख) लौकिकसाहित्यस्य पञ्चग्रन्थानां नामानि लिखत।

(ग) नीतिविषयाधारिताः शतश्लोकाः कस्मिन् ग्रन्थे सन्ति ?

(घ) संस्कृतं कीदृशी भाषा अस्ति ?

(ङ) संस्कृते मानवजीवनोपयोगिनः ग्रन्थाः के के सन्ति ?

(च) विश्वस्य प्राचीनतमा भाषा का ?

(छ) संस्कृतभाषा कस्य कृते सर्वश्रेष्ठा भाषा अस्ति ?

(ज) वैदिकसाहित्यस्य कानि प्रमुखानि साहित्यानि सन्ति ?

(झ) संसारस्य अग्रणी वैज्ञानिकी संस्था का ?

(ञ) संस्कृतभाषायाः मासिकपत्रिकायाः नाम किम् ?

**23. रेखाङ्कितानि पदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत–**

(क) सर्वे <u>संस्कृतस्य</u> महत्त्वं जानन्ति।

(ख) वयं <u>संस्कृतं</u> पठित्वा ज्ञानवन्तः भवामः।

(ग) <u>संस्कृते</u> अनेके ग्रन्थाः सन्ति।

(घ) संस्कृतभाषा <u>लोकप्रिया</u> भाषा अस्ति।

(ङ) <u>मेघदूतं</u> कालिदासेन रचितं गीतिकाव्यम्।

(च) ग्रन्थं पठित्वा <u>जनाः</u> ज्ञानवन्तः भवितुम् अर्हन्ति।

(छ) <u>भर्तृहरिणा</u> रचितं ग्रन्थं नीतिशतकम् अस्ति।

(ज) संस्कृतभाषा <u>सरला</u> भाषा।

(झ) सुधर्मा संस्कृतस्य <u>समाचारपत्रम्</u> अस्ति।

(ञ) <u>संस्कृतभाषा</u> विश्वस्य प्राचीनतमा भाषा।

**24. अधोलिखितं संवादं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नान् उत्तरत–**

सुमित्रा – संस्कृतसाहित्यं कतिविधं वर्तते ?

शान्तिः – संस्कृतभाषायाः द्वे रूपे स्तः– वैदिकसंस्कृतं लौकिकसंस्कृतं च।

सुमित्रा – वैदिकसंस्कृतस्य कानि प्रमुखानि साहित्यानि सन्ति ?

शान्तिः – चत्वारः वेदाः ब्राह्मणग्रन्थाः आरण्यकग्रन्थाः उपनिषदः इत्यादयः वैदिकं साहित्यं कथ्यते।

सुमित्रा – लौकिकसंस्कृतस्य प्रमुखाः ग्रन्थाः के के सन्ति ?

शान्तिः – लौकिकसंस्कृतस्य अनेके प्रमुखाः ग्रन्थाः सन्ति। यथा– रामायणम्, महाभारतम्, पुराणानि, कुमारसम्भवम्, रघुवंशम्, मेघदूतम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, मनुस्मृतिः नीतिशतकम्, शिशुपालवधम्, पञ्चतन्त्रम्, कादम्बरी इत्यादयः।

**i. एकपदेन उत्तरत –**

(क) संस्कृतसाहित्यं कतिविधं वर्तते ?

(ख) वेदाः लौकिकसाहित्यस्य ग्रन्थाः सन्ति वैदिकसाहित्यस्य वा?

**ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(क) कति वेदाः ?

(ख) लौकिकसाहित्यस्य पञ्चग्रन्थानां नामानि लिखत।

**iii. निर्देशानुसारम् उत्तरत–**

(क) 'रामायणम्' अस्य सन्धिविच्छेदं कुरुत।

(ख) 'सम् + कृतम्' अस्य सन्धिपदं लिखत।

(ग) 'वर्तते' पदे कः लकारः ?

(घ) ''संस्कृतभाषायाः द्वे रूपे स्तः– वैदिकसंस्कृतं लौकिकसंस्कृतं च।'' अत्र अव्ययपदं किम् ?

**25. मञ्जूषायां प्रदत्तान् विकल्पेभ्यः वार्तालापं पूरयत–**

| |
|---|
| – मम विद्यालये त्रिंशत् शिक्षकाः सन्ति। |
| – अहं स्वभ्रात्रा सह विद्यालयं गच्छामि। |
| – तव विद्यालयः कुत्र अस्ति? |
| – अहं आदर्शविद्यालये पठामि। |
| – तत्र अहम् अष्टमीकक्षायां पठामि। |

शिवाङ्गी– शुभाङ्गि! त्वं कस्मिन् विद्यालये पठसि ?

शुभाङ्गी–शिवाङ्गि! (क)—————— ।

शिवाङ्गी– (ख) ————————।
शुभाङ्गी–मम विद्यालयः जगन्नाथपुरे अस्ति।
शिवाङ्गी– तत्र त्वं कस्मिन् कक्षायां पठसि?
शुभाङ्गी – (ग) ————————।
शिवाङ्गी– तव विद्यालये कति शिक्षकाः सन्ति?
शुभाङ्गी– (घ) ————————।
शिवाङ्गी– त्वं केन सह विद्यालयं गच्छसि ?
शुभाङ्गी– (ङ) ————————।
शिवाङ्गी– शोभनम्! आगच्छ, आवां सहैव क्रीडाव।

**उत्तराणि–**

**विकल्पेभ्यः समीचीनोत्तरं चिनुत–**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | (ग) | द्वे |
| 2. | (घ) | संस्कृतभाषा |
| 3. | (ख) | चत्वारः |
| 4. | (क) | उपनिषद् |
| 5. | (ग) | षष्ठी |
| 6. | (क) | क्त्वा |
| 7. | (घ) | संस्कृतभाषा |
| 8. | (घ) | शतम् |
| 9. | (ग) | नीतिशतकम् |
| 10. | (ग) | नासा |
| 11. | (क) | भर्तृहरेः |
| 12. | (क) | लट् |
| 13. | (घ) | संस्कृतभाषायाम् |
| 14. | (ख) | माता |
| 15. | (क) | तृतीया |

**16. कोष्ठकात् उचितं पदं चित्वा वाक्यं पूरयत–**

(क) कालिदासः संस्कृतस्य रचनाकारः अस्ति।
(ख) ब्राह्मणग्रंथाः वैदिकसाहित्यान्तर्गते सन्ति।
(ग) भारतीयानां कृते संस्कृताध्ययनम् अत्यावश्यकम्।
(घ) रामायणम् वाल्मीकिना रचितं महाकाव्यम्।
(ङ) संस्कृतभाषायाः द्वे रूपे स्तः।

**17. विशेषणं विशेष्येण सह मेलनं कुरुत–**

| | क | ख |
|---|---|---|
| (क) | लोकप्रिया | भाषा |
| (ख) | शतम् | श्लोकाः |
| (ग) | ज्ञानवन्तः | जनाः |
| (घ) | वैज्ञानिकी | संस्था |
| (ङ) | वैदिकम् | साहित्यम् |

**18. 'आम्' अथवा 'न' लिखत–**

(क) संस्कृतभाषा कठोरा भाषा अस्ति। – न
(ख) संस्कृतभाषायां नीतिविषयाधारिताः ग्रन्थाः सन्ति।– आम्
(ग) तुलसीदासः संस्कृतस्य रचनाकारः आसीत्। – न
(घ) 'सुधर्मा' संस्कृतस्य समाचारपत्रम् अस्ति। – आम्
(ङ) संस्कृतं पठित्वा जनाः ज्ञानवन्तः भवन्ति। – आम्

**19. सन्धिविच्छेदं कुरुत–**

| | | |
|---|---|---|
| (क) | विद्यालयः = | विद्या + आलयः |
| (ख) | विद्यार्थी = | विद्या + अर्थी |
| (ग) | शिक्षार्थी = | शिक्षा + अर्थी |
| (घ) | कपीशः = | कपि + ईशः |
| (ङ) | नदीशः = | नदी + ईशः |
| (च) | मधूत्सवः = | मधु + उत्सवः |
| (छ) | लघूर्मि = | लघु + ऊर्मि |
| (ज) | सिन्धूर्मि = | सिन्धु + ऊर्मि |

**20. उदाहरणानुसारं विभक्तिं वचनं च लिखत–**

| | | विभक्तिः | वचनम् |
|---|---|---|---|
| (क) | भाषायाम्– | सप्तमी | एकवचनम् |
| (ख) | भाषाणाम्– | षष्ठी | बहुवचनम् |
| (ग) | भर्तृहरिणा– | तृतीया | एकवचनम् |
| (घ) | सभ्यतायाः– | पञ्चमी, षष्ठी | एकवचनम् |
| (ङ) | समाचारपत्रस्य– | षष्ठी | एकवचनम् |
| (च) | प्रमुखानि– | प्रथमा, द्वितीया | बहुवचनम् |
| (छ) | संस्कृते– | सप्तमी | एकवचनम् |
| (ज) | संस्कृतेः– | पंचमी, षष्ठी | एकवचनम् |

**21. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखत–**

(क) चत्वारः
(ख) संस्कृतभाषा
(ग) संस्कृतभाषायाम्
(घ) दैनिकसंस्कृतसमाचारपत्रम्
(ङ) वैदिकसाहित्यम्
(च) भर्तृहरिणा
(छ) संस्कृतज्ञानम्
(ज) नासा
(झ) द्वे
(ञ) संस्कृतभाषाम्

**22. पूर्णवाक्येन उत्तरत –**

(क) संस्कृतसाहित्यं द्वेविधं वर्तते।
(ख) लौकिकसाहित्यस्य पञ्च ग्रन्थानां नामानि सन्ति–रामायणम्, महाभारतम्, नीतिशतकम्, रघुवंशम्, कादम्बरी च।
(ग) नीतिविषयाधारिताः शतश्लोकाः 'नीतिशतकम्' ग्रन्थे सन्ति।
(घ) संस्कृतं सरला भाषा अस्ति।
(ङ) संस्कृते मानवजीवनोपयोगिनः ग्रन्थाः सन्ति–आयुर्वेदः धनुर्वेदः अर्थशास्त्रम् वास्तुशास्त्रम् योगदर्शनम् रसायनशास्त्रम् इत्यादयः।

© JCERT not to be republished

(च) विश्वस्य प्राचीनतमा भाषा संस्कृतभाषा अस्ति।

(छ) संस्कृतभाषा सङ्गणकस्य कृते सर्वश्रेष्ठा भाषा अस्ति।

(ज) वैदिकसाहित्यस्य प्रमुखानि साहित्यानि सन्ति– वेदाः उपनिषदः ब्राह्मणग्रन्थाः आरण्यकग्रन्थाः इत्यादयः।

(झ) संसारस्य अग्रणी वैज्ञानिकी संस्था 'नासा' अस्ति।

(ञ) संस्कृतभाषायाः मासिकपत्रिकाः – सम्भाषणसन्देशः, चन्दामामा इत्यादयः।

**23. रेखाङ्कितानि पदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत–**

(क) सर्वे कस्य महत्त्वं जानन्ति ?

(ख) वयं कं पठित्वा ज्ञानवन्तः भवामः ?

(ग) कस्मिन् अनेके ग्रन्थाः सन्ति ?

(घ) संस्कृतभाषा कीदृशी भाषा अस्ति ?

(ङ) किं कालिदासेन रचितं गीतिकाव्यम् ?

(च) ग्रन्थं पठित्वा के ज्ञानवन्तः भवितुम् अर्हन्ति ?

(छ) केन रचितं ग्रन्थं नीतिशतकम् अस्ति ?

(ज) संस्कृतभाषा कीदृशी भाषा ?

(झ) सुधर्मा संस्कृतस्य किम् अस्ति?

(ञ) का विश्वस्य प्राचीनतमा भाषा?

**24. अधोलिखितं संवादं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नान् उत्तरत–**

**i. एकपदेन उत्तरत–**

(क) द्वे

(ख) वैदिकसाहित्यस्य

**ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(क) वेदाः चत्वारः सन्ति।

(ख) लौकिकसाहित्यस्य पञ्चग्रन्थानां नामानि– रामायणम्, महाभारतम्, नीतिशतकम्, रघुवंशम्, कादम्बरी च।

**iii. निर्देशानुसारम् उत्तरत–**

(क) राम + अयणम्

(ख) संस्कृतम्

(ग) लट्

(घ) च

**25. मञ्जूषायां प्रदत्तान् विकल्पेभ्यः वार्तालापं पूरयत–**

क. अहं आदर्शविद्यालये पठामि।

ख. तव विद्यालयः कुत्र अस्ति?

ग. तत्र अहम् अष्टमीकक्षायां पठामि।

घ. मम विद्यालये त्रिंशत् शिक्षकाः सन्ति।

ङ. अहं स्वभ्रात्रा सह विद्यालयं गच्छामि।

© JCERT not to be republished

# एकादशः पाठः — झारखण्डप्रान्तस्य पर्व 'मण्डा'

## वस्तुनिष्ठप्रश्नाः

विकल्पेभ्यः समीचीनोत्तरं चिनुत –

1. मण्डापर्व कस्मिन् मासे भवति?
(क) चैत्रमासे (ख) वैशाखमासे
(ग) ज्येष्ठमासे (घ) आषाढमासे

2. मण्डापर्व कस्मिन् प्रान्ते भवति ?
(क) बिहारप्रान्ते (ख) झारखण्डप्रान्ते
(ग) महाराष्ट्रप्रान्ते (घ) कर्णाटकप्रान्ते

3. भगतानां मातरः भगिन्यः च कथ्यन्ते–
(क) सोखताईन (ख) फूलखूँदी
(ग) सदाना (घ) दोला

4. कदा भगताः पुष्पाणि वर्षयन्ति ?
(क) स्नानक्रमे (ख) फूलखूँदीक्रमे
(ग) दोलनक्रमे (घ) जागरणसमये

5. कस्मिन् नृत्ये नर्तकाः मुखावरणं कुर्वन्ति ?
(क) कत्थकनृत्ये (ख) पाइकानृत्ये
(ग) नागपुरीनृत्ये (घ) छऊनृत्ये

6. मण्डापर्वणि जनाः कम् आराधयन्ति ?
(क) गणेशम् (ख) रामम्
(ग) शिवम् (घ) विष्णुम्

7. भगताः कुत्र स्नानं कुर्वन्ति ?
(क) कूपे (ख) नद्याम्
(ग) नलकूपे (घ) सागरे

8. कतिदिवसपर्यन्तं मण्डापर्व आयोज्यते ?
(क) द्विदिवसपर्यन्तम् (ख) त्रिदिवसपर्यन्तम्
(ग) पञ्चदिवसपर्यन्तम् (घ) चतुर्दिवसपर्यन्तम्

9. 'ज्ञातुम्' पदे कः प्रत्ययः?
(क) तुमुन् (ख) तव्यत्
(ग) क्त (घ) क्त्वा

10. 'पुष्पाणि' पदे का विभक्तिः?
(क) द्वितीया (ख) तृतीया
(ग) चतुर्थी (घ) पंचमी

11. 'वर्षयन्ति' इत्यस्मिन् कः लकारः प्रयुक्तः?
(क) लृट्लकारः (ख) लङ्लकारः
(ग) लट्लकारः (घ) लोट्लकारः

12. 'दृष्ट्वा' पदे कः प्रत्ययः ?
(क) क्त (ख) क्त्वा
(ग) तव्यत् (घ) तुमुन्

13. 'दिवसे' अस्य विलोमपदं चिनुत –
(क) मध्याह्ने (ख) प्रातः
(ग) संध्या (घ) रात्रौ

14. 'पुष्पम्' अस्य पर्यायपदं किम् ?
(क) दिनकरः (ख) शशिः
(ग) कुसुमम् (घ) निशा

15. 'पर्व' अस्य मूलशब्दं किम् ?
(क) पर्वन् (ख) पर्व
(ग) पर्वणी (घ) पर्वणि

16. मञ्जूषासहायतया रिक्तस्थानानि पूरयत–

| वस्त्राणि, अंगारेषु, उपवासं, शिवम्, पुष्पाणि |
|---|

(क) दोलनक्रमे भगताः ——— वर्षयन्ति।
(ख) जनाः नग्नपादाभ्याम् ——— चलन्ति।
(ग) भगताः ——— आराधयन्ति।
(घ) तेषां मातरः अपि ——— कुर्वन्ति।
(ङ) जनाः नूतनानि ——— क्रीणन्ति।

17. मञ्जूषातः क्रियापदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत–

| अस्ति, कुर्वन्ति, आराधयन्ति, कथ्यते, भवति, दोलन्ति, पच्यन्ते |
|---|

(क) 'मण्डा' झारखण्डप्रदेशस्य एकं महत्त्वपूर्णं पर्व ———।
(ख) भगताः चक्रदोलायाम् ———।
(ग) सर्वेषां गृहेषु नूतनव्यञ्जनानि ———।
(घ) समस्तभारतवर्षे जनाः विविधरूपैः शिवम् ———।
(ङ) सः 'भगता' इति ———।
(च) जनाः स्वगृहाणि स्वच्छं ———।
(छ) पारम्परिकानुष्ठानेन सह 'मण्डा' महोत्सवस्य समापनं ———।

18. एकपदेन उत्तरत –
(क) कस्मिन् नृत्ये नर्तकाः मुखावरणं कृत्वा नृत्यन्ति ?
(ख) 'मण्डा' इति पर्व कदा समायोज्यते ?
(ग) नग्नपादैः अङ्गारेषु चलनस्य क्रिया किं कथ्यते ?
(घ) के मण्डापर्वणः आयोजनं कुर्वन्ति ?
(ङ) कः व्रती भवति ?
(च) छऊनृत्ये नर्तकाः कस्य कथां दर्शयन्ति ?
(छ) दोलनक्रमे भगताः कानि वर्षयन्ति ?
(ज) रात्रौ किं भवति ?
(झ) मण्डापर्वणि जनाः कं पूजयन्ति ?
(ञ) रात्रौ भगताः कुत्र स्नानं कुर्वन्ति ?

© JCERT not to be republished

**19. भिन्नजातीयपदं चिनुत—**

(क) गच्छति पठति धावति अहसत् क्रीडति।

(ख) छात्रः शिक्षकः लेखिका सेवकः क्रीडकः।

(ग) पत्रम् मित्रम् पुष्पम् मधुकरम् नक्षत्रम्।

(घ) व्याघ्रः भल्लूकः गजः कपोतः सिंहः।

(ङ) पृथिवी वसुन्धरा धरित्री यानम् वसुधा।

**20. अधोलिखितेषु पदेषु प्रकृति—प्रत्यय—विभागं कुरुत—**

(क) गन्तुम् गम् + तुमुन्

(ख) ज्ञातुम् ————————

(ग) पठितुम् ————————

(घ) हसितुम् ————————

(ङ) द्रष्टुम् ————————

(च) पातुम् ————————

(छ) श्रोतुम् ————————

(ज) भ्रमितुम् ————————

(झ) ग्रहीतुम् ————————

(ञ) नन्तुम् ————————

**21. पूर्णवाक्येन उत्तरत —**

(क) 'मण्डा' कस्य प्रदेशस्य पर्व अस्ति ?

(ख) मण्डापर्व के आयोजयन्ति ?

(ग) कः व्रती भवति ?

(घ) 'सोखताईन' इति का कथ्यते ?

(ङ) भगताः कुत्र अधोमुखीं भूत्वा दोलन्ति ?

(च) नर्तकाः रामायणस्य महाभारतस्य च कथां कस्मिन् नृत्ये दर्शयन्ति ?

(छ) भगताः कदा चक्रदोलायां दोलन्ति ?

(ज) भगताः जलाभिषेकं कुत्र कुर्वन्ति ?

(झ) 'मण्डा' इति पर्वणि जनाः कम् आराधयन्ति ?

(ञ) 'मण्डा' इति पर्व कस्य परिचायकः ?

**22. रेखाङ्कितपदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत—**

(क) जनाः विविधरूपैः <u>शिवम्</u> आराधयन्ति।

(ख) मण्डामेलकम् <u>झारखण्डे</u> अतीव प्रसिद्धं मेलकं वर्तते।

(ग) <u>रात्रौ</u> जागरणं भवति।

(घ) नग्नपादैः जनाः <u>अंगारेषु</u> चलन्ति।

(ङ) <u>शिवभक्ताः</u> पूर्णास्थायाः परिचयं अनुष्ठाने दर्शयन्ति।

(च) दोलनक्रमे ते <u>पुष्पाणि</u> वर्षयन्ति।

(छ) सर्वेषां गृहेषु <u>नूतनव्यञ्जनानि</u> पच्यन्ते।

(ज) 'मण्डा' इति उत्सवः <u>वैशाखमासे</u> भवति।

(झ) भगताः <u>नदीजले</u> स्नानं कुर्वन्ति।

(ञ) नग्नपादैः अङ्गारेषु चलनस्य क्रिया <u>'फूलखूँदी'</u> इति कथ्यते।

**23. अधोलिखितानि पदानि आधृत्य वाक्यानि रचयत—**

(क) पर्व— ————————

(ख) पुष्पाणि— ————————

(ग) अङ्गारेषु— ————————

(घ) रात्रौ— ————————

(ङ) नर्तकाः— ————————

(च) दोलयति— ————————

(छ) मातरः— ————————

(ज) भगिन्यः— ————————

(झ) शिवभक्ताः— ————————

(ञ) शिवमन्दिरे— ————————

**24. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रदत्तान् प्रश्नान् उत्तरत —**

ततः दग्धेषु अङ्गारेषु भगताः नग्नपादाभ्यां चलन्ति। नग्न. पादैः अङ्गारेषु चलनस्य क्रिया 'फूलखूँदी' इति कथ्यते। पार्श्वे स्थिते शिवमन्दिरे जलाभिषेकं कुर्वन्ति। अर्धरात्रौ 'छऊ' नृत्यस्य आयोजनं भवति। अस्मिन् अनुष्ठाने नर्तकाः मुखावरणं कृत्वा नृत्यन्ति। नृत्ये ते रामायणस्य महाभारतस्य वा कथां दर्शयन्ति।

i. **एकपदेन उत्तरत—**

(क) दग्धेषु अङ्गारेषु के नग्नपादाभ्यां चलन्ति ?

(ख) ते कुत्र जलाभिषेकं कुर्वन्ति ?

ii. **पूर्णवाक्येन उत्तरत—**

(क) अर्धरात्रौ कस्य नृत्यस्य आयोजनं भवति ?

(ख) कदा नृत्यस्य आयोजनं भवति ?

iii. **निर्देशानुसारम् उत्तरत—**

(क) 'अङ्गारेषु' पदे का विभक्तिः ?

(ख) 'नृत्यन्ति' इति क्रियापदस्य कर्तृपदं किम् ?

(ग) 'दग्धेषु अङ्गारेषु' अनयोः पदयोः विशेषणपदं किम् ?

(घ) 'अनावरणम्' अस्य विलोमपदम् अत्र किं प्रयुक्तम् ?

**25. चित्रं दृष्ट्वा मञ्जूषासहायतया पञ्चवाक्यानि रचयत—**

| |
|---|
| **छात्राः वृक्षः विशालः विद्यालयः प्रकोष्ठाः वार्तालापं प्राङ्गणः** |

© JCERT not to be republished

उत्तराणि–

**वस्तुनिष्ठप्रश्नाः**

विकल्पेभ्यः समीचीनोत्तरं चिनुत –

1. (ख) वैशाखमासे
2. (ख) झारखण्डप्रान्ते
3. (क) सोखताईन
4. (ग) दोलनक्रमे
5. (घ) छऊनृत्ये
6. (ग) शिवम्
7. (ख) नद्याम्
8. (घ) चतुर्दिवसपर्यन्तम्
9. (क) तुमुन्
10. (क) द्वितीया
11. (ग) लट्लकारः
12. (ख) क्त्वा
13. (घ) रात्रौ
14. (ग) कुसुमम्
15. (क) पर्वन्

**16. मञ्जूषासहायतया रिक्तस्थानानि पूरयत–**

(क) दोलनक्रमे भगताः पुष्पाणि वर्षयन्ति।

(ख) जनाः नग्नपादाभ्याम् अंगारेषु चलन्ति।

(ग) भगताः शिवम् आराधयन्ति।

(घ) तेषां मातरः अपि उपवासं कुर्वन्ति।

(ङ) जनाः नूतनानि वस्त्राणि क्रीणन्ति।

**17. मञ्जूषातः क्रियापदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत–**

(क) 'मण्डा'झारखण्डप्रदेशस्य एकं महत्त्वपूर्णं पर्व अस्ति।

(ख) भगताः चक्रदोलायाम् दोलन्ति ।

(ग) सर्वेषां गृहेषु नूतनव्यञ्जनानि पच्यन्ते।

(घ) समस्तभारतवर्षे जनाः विविधरुपैः शिवम् आराधयन्ति।

(ङ) सः 'भगता' इति कथ्यते।

(च) जनाः स्वगृहाणि स्वच्छं कुर्वन्ति।

(छ) पारम्परिकानुष्ठानेन सह 'मण्डा' महोत्सवस्य समापनं भवति।

**18. एकपदेन उत्तरत–**

(क) छउनृत्ये

(ख) वैशाखमासे

(ग) फूलखूँदी

(घ) जनजातयः सदानाः च

(ङ) भगता

(च) रामायणस्य महाभारतस्य च

(छ) पुष्पाणि

(ज) जागरणम्

(झ) शिवम्

(ञ) नदीजले

**19. भिन्नजातीयपदं चिनुत–**

(क) अहसत्

(ख) लेखिका

(ग) मधुकरम्

(घ) कपोतः

(ङ) यानम्

**20. अधोलिखितेषु पदेषु प्रकृति–प्रत्यय–विभागं कुरुत–**

| | | |
|---|---|---|
| (क) | गन्तुम् | गम् + तुमुन् |
| (ख) | ज्ञातुम् | ज्ञा + तुमुन् |
| (ग) | पठितुम् | पठ् + तुमुन् |
| (घ) | हसितुम् | हस् + तुमुन् |
| (ङ) | द्रष्टुम् | दृश + तुमुन् |
| (च) | पातुम् | पा + तुमुन् |
| (छ) | श्रोतुम् | श्रु + तुमुन् |
| (ज) | भ्रमितुम् | भ्रम् + तुमुन् |
| (झ) | ग्रहीतुम् | ग्रह + तुमुन् |
| (ञ) | नन्तुम् | नम् + तुमुन् |

**21. पूर्णवाक्येन उत्तरत –**

(क) 'मण्डा' झारखण्डप्रदेशस्य पर्व अस्ति।

(ख) मण्डापर्व जनजातयः सदानाः च मिलित्वा आयोजयन्ति।

(ग) प्रत्येकगृहस्य एकः पुरुषसदस्यः व्रती भवति।

(घ) भगतानां मातरः भगिन्यः च 'सोखताईन' कथ्यते।

(ङ) भगताः धूपधुवनस्य उपरि अधोमुखीं भूत्वा दोलन्ति।

(च) नर्तकाः रामायणस्य महाभारतस्य च कथां 'छऊ' नृत्ये दर्शयन्ति।

(छ) पर्वणः द्वितीयदिवसे भगताः चक्रदोलायां दोलन्ति।

(ज) भगताः जलाभिषेकं शिवमन्दिरे कुर्वन्ति।

(झ) 'मण्डा' इति पर्वणि जनाः शिवम् आराधयन्ति।

(ञ) 'मण्डा' इति पर्व त्यागस्य, तपसः, आस्थायाः विश्वासस्य च परिचायकः।

**22. रेखाङ्कितपदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत–**

(क) जनाः विविधरूपैः कम् आराधयन्ति ?

(ख) मण्डामेलकम् कुत्र अतीव प्रसिद्धं मेलकं वर्तते ?

(ग) कदा जागरणं भवति ?

(घ) नग्नपादैः जनाः कुत्र चलन्ति ?

(ङ) के पूर्णास्थायाः परिचयं अनुष्ठाने दर्शयन्ति ?

(च) दोलनक्रमे ते कानि वर्षयन्ति ?

(छ) सर्वेषां गृहेषु कानि पच्यन्ते ?

© JCERT not to be republished

(ज) 'मण्डा' इति उत्सवः कदा भवति ?

(झ) भगताः कुत्र स्नानं कुर्वन्ति ?

(ञ) नग्नपादैः अङ्गारेषु चलनस्य क्रिया का इति कथ्यते?

**23. अधोलिखितानि पदानि आधृत्य वाक्यानि रचयत–**

(क) पर्व– झारखण्डप्रदेशस्य मुख्यं पर्व मण्डा अस्ति।

(ख) पुष्पाणि– उद्याने पुष्पाणि विकसन्ति।

(ग) अङ्गारेषु– अङ्गारेषु चलनम् अतिकठिनम् अस्ति।

(घ) रात्रौ– रात्रौ जागरणं भवति।

(ङ) नर्तकाः– नर्तकाः हर्षोल्लासेन नृत्यन्ति।

(च) दोलयति– भक्तः दोलां दोलयति।

(छ) मातरः– मातरः उपवासं कुर्वन्ति।

(ज) भगिन्यः– भगिन्यः मंगलकामनां कुर्वन्ति।

(झ) शिवभक्ताः– शिवभक्ताः नदीजले स्नानं कुर्वन्ति।

(ञ) शिवमन्दिरे– शिवमन्दिरे जलाभिषेकं भवति।

**24. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रदत्तान् प्रश्नान् उत्तरत –**

**i. एकपदेन उत्तरत–**

(क) भगताः

(ख) शिवमन्दिरे

**ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(क) अर्धरात्रौ छऊ नृत्यस्य आयोजनं भवति।

(ख) अर्धरात्रौ नृत्यस्य आयोजनं भवति

**iii. निर्देशानुसारं उत्तरत–**

(क) सप्तमी विभक्तिः।

(ख) नर्तकाः।

(ग) दग्धेषु।

(घ) आवरणम्।

**25. चित्रं दृष्ट्वा मञ्जूषासहायतया पञ्चवाक्यानि रचयत–**

| |
|---|
| **छात्राः, वृक्षः, विशालः, विद्यालयः, प्रकोष्ठाः, वार्तालापं, प्राङ्गणः** |

- एषः एकः सुन्दरः विद्यालयः अस्ति।
- विद्यालयप्राङ्गणे एकः विशालवृक्षः दृश्यते।
- अत्र छात्राः भ्रमन्ति।
- द्वौ छात्रौ वार्तालापं कुरुतः।
- विद्यालये अनेके प्रकोष्ठाः सन्ति।

————————————————

© JCERT not to be republished

# द्वादशः पाठः सुभाषितानि

## वस्तुनिष्ठप्रश्नाः

विकल्पेभ्यः शुद्ध–उत्तराणि चित्वा लिखत–

1. सत्यात् परो किं नास्ति–
(क) धर्मः (ख) यशः
(ग) लोकः (घ) क्रिया

2. यस्य जीवनं सफलं तस्य वाणी कीदृशी–
(क) ज्ञानवती (ख) रसवती
(ग) दानवती (घ) बुद्धिमती

3. वृक्षाः स्वयं किं न खादन्ति–
(क) फलानि (ख) पुष्पाणि
(ग) पत्राणि (घ) मित्राणि

4. नद्यः स्वयं किं न पिबन्ति–
(क) अम्भः (ख) मेघः
(ग) दुग्धम् (घ) पवनम्

5. सतां विभूतयः किमर्थं भवन्ति–
(क) आत्महितार्थम् (ख) शोभनार्थम्
(ग) परोपकारार्थम् (घ) भोजनार्थम्

6. 'कुण्डलेन' इति पदे का विभक्तिः–
(क) प्रथमाविभक्तिः (ख) द्वितीयाविभक्तिः
(ग) तृतीयाविभक्तिः (घ) पञ्चमीविभक्तिः

7. 'पिबन्ति' इति क्रियापदे कः धातुः–
(क) पा (ख) पीब्
(ग) दा (घ) खाद्

8. 'विभुः' इति शब्दस्य अर्थः अस्ति–
(क) व्यासः (ख) व्यापकः
(ग) ईश्वरः (घ) जगतः

9. 'अम्भः' इति शब्दस्य अर्थः अस्ति–
(क) जलम् (ख) रसात्मकं
(ग) फलम् (घ) पुष्पम्

10. 'पाणिः' इति शब्दस्य अर्थः अस्ति–
(क) हस्तः (ख) पादः
(ग) जलं (घ) पीत्वा

11. एकपदेन उतरत–
(क) सत्यात् परः कः न अस्ति?
(ख) अनृतात् परः किं न अस्ति?
(ग) नद्यः किमर्थं वहन्ति ?
(घ) सतां विभूतयः कस्मै भवन्ति?
(ङ) कायः केषां विभाति ?
(च) कस्य विद्या नास्ति ?
(छ) कस्य सुखं नास्ति ?

12. रिक्तस्थानानि पूरयत–
(क) नहि सत्यात् परो धर्मः ––––––।
(ख) –––––– यस्य श्रमवती क्रिया।
(ग) अलसस्य कुतो ––––––––––––।
(घ) पिबन्ति नद्यः ––––––––––––।
(ङ) ––––––––– सतां विभूतयः।

13. रेखांकितपदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत
(क) नहि <u>सत्यात्</u> परं ज्ञानम्।
(ख) तस्मात् <u>सत्यं</u> विशिष्यते।
(ग) सफलं <u>तस्य</u> जीवितम्।
(घ) <u>वृक्षाः</u> फलानि स्वयं न खादन्ति।
(ङ) परोपकाराय <u>सतां</u> विभूतयः

14. अव्ययपदानि चित्वा लिखत
(क) अलसस्य कुतः विद्या।
(ख) षडेते यत्र वर्तन्ते।
(ग) तत्र सहायकृत् विभुः।
(घ) पिबन्ति नद्यः स्वयम् एव नाम्भः।
(ङ) दानेन पाणिः न तु कङ्कणेन।

15. सन्धिं/सन्धिविच्छेदं वा कुरुत –
(क) षडेते –
(ख) नाम्भः–
(ग) परोपकारः –
(घ) जगदीशः –
(ङ) पुस्तकालयः –
(च) सूर्योदयः –
(छ) रामायणम् –
(ज) राम + अनुजः –
(झ) नानृतम् –
(ञ) वाक् + ईशः

16. निम्नांकितपदानां वाक्ये प्रयोगं कुरुत–
(क) ज्ञानम् –
(ख) विद्या –
(ग) मित्रम् –
(घ) सुखम् –
(ङ) उद्यमः –

© JCERT not to be republished

(च) पातकम् –

(छ) परोपकाराय–

(झ) धर्मः –

**17. अधोलिखितपदानां विभक्तिं वचनं च लिखत –**

(क) सत्यात्–

(ख) मित्रम् –

(ग) नद्यः–

(घ) परोपकाराय–

(ङ) दानेन–

(च) पराक्रमः –

(छ) अमित्रस्य –

(ज) चन्दनेन –

(झ) वृक्षाः –

(ञ) फलानि –

(ट) लक्ष्मीः –

**18. विपर्ययपदं लिखत–**

(क) सत्यम् –

(ख) उद्यमः

(ग) मित्रम्

(घ) ज्ञानम्

(ङ) धर्मः

(च) सफलम्

**19. उपसर्गं पृथक् कृत्वा लिखत–**

(क) सुभाषितानि

(ख) विभाति

(ग) आजीवनम्

(घ) विभूतयः

(ङ) निर्धनम्

(च) आगमनम्

(छ) अनुरथम्

**20. मञ्जूषातः पदानि गृहीत्वा श्लोकम् पूरयत–**

| धनम् , विद्या , अधनस्य, अमित्रस्य |
|---|

(i)

(क) अलसस्य कुतो ––––।

(ख) अविद्यस्य कुतो ––––।

(ग) ––––––कुतो मित्रम्।

(घ) –––––––––––कुतो सुखम्।।

| तत्र, साहसं, पराक्रमः, षडेते |
|---|

(ii)

(क) उद्यमः ––––––– धैर्यं,

(ख) बुद्धिः शक्तिः –––––––।

(ग) –––––––– यत्र वर्तन्ते ।

(घ) ––– सहायकृत् विभुः।।

**21. अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत–**

वाणी रसवती यस्य यस्य श्रमवती क्रिया।
लक्ष्मीः दानवती यस्य सफलं तस्य जीवितम्।।

**i. एकपदेन उत्तरत–**

(क) वाणी कीदृशी स्यात् ?

(ख) श्रमवती का स्यात् ?

**ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(क) कस्य जीवनं सफलं भवति ?

(ख) लक्ष्मीः कीदृशी भवति ?

**iii. निर्देशानुसारम् उत्तरत–**

(क) 'रसवती वाणी' अत्र विशेषणं पदं लिखत।

(ख) 'धनं' इति अर्थे कः शब्दः प्रयुक्तः।

(ग) 'यस्य' इति पदे का विभक्तिः ?

(घ) 'तस्य' इति पदस्य मूलशब्दं किम् अस्ति ?

**उत्तराणि–**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | (क) | धर्मः |
| 2. | (ख) | रसवती |
| 3. | (क) | फलानि |
| 4. | (क) | अम्भः |
| 5. | (ग) | परोपकारार्थम् |
| 6. | (ग) | तृतीयाविभक्तिः |
| 7. | (क) | पा |
| 8. | (ग) | ईश्वरः |
| 9. | (क) | जलम् |
| 10. | (क) | हस्तः |

**11. एकपदेन उत्तरत–**

क – धर्मः

ख – पातकम्

ग – परोपकाराय

घ– परहिताय

ङ – करुणामयानाम्

च – अलसस्य

छ – अमित्रस्य

**12. रिक्तस्थानानि पूरयत–**

क – नानृतात् पातकं परम्।

ख – वाणी रसवती यस्य।

ग – विद्या अविद्यस्य कुतो धनम्।

घ – स्वमेव नाम्भः।

ङ – परोपकाराय

© JCERT not to be republished

**13. रेखांकितपदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत**

(क) नहि कस्मात् परं ज्ञानम्?

(ख) तस्मात् किं विशिष्यते?

(ग) सफलं कस्य जीवितम्?

(घ) के फलानि स्वयं न खादन्ति?

(ङ) परोपकाराय केषां विभूतयः?

**14. अव्ययपदानि चित्वा लिखत–**

क – कुतः ख – यत्र

ग – तत्र घ – एव

ङ – तु

**15. संधि/विच्छेदः –**

क – षड् + एते ख – न + अम्भः

ग – पर + उपकारः घ – जगत् + ईशः

ङ – पुस्तक + आलयः च – सूर्य + उदयः

छ – राम + अयनम् ज – रामानुजः

झ – न + अनृतम् ञ – वागीशः

**16. निम्नांकितपदानां वाक्ये प्रयोगं कुरूत–**

क – नहि सत्यात् परं ज्ञानम्।

ख – विद्या ददाति विनयम्।

ग – सः मम मित्रम् अस्ति।

घ – अमित्रस्य कुतः सुखम्?

ङ – तेन उद्यमः क्रियते।

च – नानृतात् पातकं परम्।

छ – परोपकाराय सतां विभूतयः।

झ – नहि सत्यात् परो धर्मः।

**17. विभक्तिं वचनं च लिखत**

क – पञ्चमी विभक्तिः एकवचनम्।

ख – प्रथमा, द्वितीया विभक्तिः एकवचनम्।

ग – प्रथमा विभक्तिः बहुवचनम्।

घ – चतुर्थी विभक्तिः एकवचनम्।

ङ – तृतीया विभक्तिः एकवचनम्

च – प्रथमा विभक्तिः एकवचनम्

छ – षष्ठी विभक्तिः एकवचनम्।

ज – तृतीया विभक्तिः एकवचनम्।

झ – प्रथमा विभक्तिः बहुवचन।

ञ – प्रथमा, द्वितीया विभक्तिः बहुवचनम्।

ट – प्रथमा विभक्तिः एकवचनम्।

**18. विपर्ययपदम् लिखत–**

क – असत्यम्

ख – आलस्यम्

ग – रिपुः

घ – अज्ञानम्

ङ – अधर्मः

च – असफलम्

**19. उपसर्गं पृथक् कृत्वा लिखत–**

क – सु

ख – वि

ग – आ

घ – वि

ङ – निर्

च – आ

छ – अनु

**20. रिक्तस्थानानि पूरयत–**

i.

क. विद्या

ख. धनम्

ग. अधनस्य

घ. अमित्रस्य

ii.

क. साहसं

ख. पराक्रमः

ग. षडेते

घ. तत्र

**21. पद्यांशः**

**i. एक पदेन उत्तरत–**

क – रसवती

ख – क्रिया

**ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

क – यस्य वाणी रसवती क्रिया श्रमवती लक्ष्मीः दानवती च भवति तस्य जीवितं सफलं भवति।

ख – लक्ष्मीः दानवती भवति।

**iii. निर्देशानुसारम् उत्तरत–**

क – रसवती

ख – लक्ष्मीः

ग – षष्ठी विभक्तिः

घ – तत्

© JCERT not to be republished

| त्रयोदशः पाठः | विनायकदामोदरः सावरकरः |
|---|---|

## वस्तुनिष्ठप्रश्नाः

विकल्पेभ्यः शुद्ध–उत्तराणि चित्वा लिखत–

1. "मेरा आजीवन कारावास" इति पुस्तकस्य रचयिता कः अस्ति ?
   (क) विनायकदामोदरः सावरकरः (ख) रमादासःसावरकरः
   (ग) गणेशदामोदरः सावरकरः (घ) जीवनसावरकरः
2. विनायकदामोदरसावरकरस्य मातुः नाम किम् आसीत् ?
   (क) मीराबाई (ख) राधाबाई
   (ग) हीराबाई (घ) अर्पिता देवी
3. प्रथमस्वतंत्रतासंग्रामस्य इतिहासं कः लिखितवान्?
   (क) दामोदरसावरकरः (ख) प्रभाकरसावरकरः
   (ग) विनायकदामोदरसावरकरः (घ) विशवाससावरकरः
4. विनायकदामोदरसावरकरस्य जन्म कुत्र अभवत् ?
   (क) गुजरातप्रदेशे (ख) झारखण्डप्रदेशे
   (ग) महाराष्ट्रप्रदेशे (घ) बिहारप्रदेशे
5. विनायकदामोदरसावरकरस्य पितुः नाम किम् आसीत् ?
   (क) दामोदरः सावरकरः (ख) गणेशः सावरकरः
   (ग) भीमः सावरकरः (घ) विनायकः सावरकरः
6. सावरकरमहोदयस्य जन्म कदा अभवत् ?
   (क) 1884 तमे वर्षे (ख) 1883 तमे वर्षे
   (ग) 1885 तमे वर्षे (घ) 1886 तमे वर्षे
7. वैदेशिकानां वस्तूनां बहिष्कारं सर्वप्रथमं कः अकरोत् ?
   (क) महात्मा गान्धिः (ख) गणेशः सावरकरः
   (ग) विनायकदामोदरःसावरकरः (घ) महेशः सावरकरः
8. "अखिलभारतीयहिन्दुमहासभा" इत्यस्य स्थापना कः अकरोत् ?
   (क) अशोकः सावरकरः (ख) गणेशः सावरकरः
   (ग) विनायकदामोदरःसावरकरः (घ) महेशः सावरकरः
9. सावरकरमहोदयस्य मृत्युः कदा अभवत् ?
   (क) 1966 वर्षे (ख) 1965 वर्षे
   (ग) 1983 वर्षे (घ) 1856 वर्षे
10. 'आसीत्' पदे कः लकारः ?
    (क) लट् (ख) लोट्
    (ग) लृट् (घ) लङ्
11. 'ग्रामे' इति पदे का विभक्तिः ?
    (क) सप्तमी (ख) तृतीया
    (ग) पञ्चमी (घ) प्रथमा
12. 'राजेन्द्रः' इत्यस्य विच्छेदः अस्ति–
    (क) राज + इन्द्रः (ख) राजा + ईन्द्रः
    (ग) राजन + द्रः (घ) राज + मन्द्रः
13. सावरकरः प्रख्यातः................आसीत्।
    (क) देशः (ख) समाजसुधारकः
    (ग) समाजः (घ) गायकः
14. सावरकरः सामाजिककुरीतीनां ................ अकरोत्।
    (क) समर्थः (ख) विकारम्
    (ग) विरोधम् (घ) पक्षः
15. 'प्रख्यातः' इत्यस्य पदस्य अर्थः अस्ति–
    (क) प्रसिद्धः (ख) अप्रसिद्धः
    (ग) सर्वः (घ) मित्रम्
16. निर्देशः–एकपदेन उत्तरत–
    (क) कः तेजस्वी योद्धा आसीत् ?
    (ख) सावरकरमहोदयस्य पितुः नाम किम् आसीत् ?
    (ग) सः केषां मुख्यं विरोधम् अकरोत् ?
    (घ) तेन कीदृशीनां वस्तूनां बहिष्कारम् अकरोत् ?
    (ङ) सः कतिवारम् आजीवनं कारावासं यापितवान् ?
17. 'आम्' अथवा 'न' माध्यमेन उत्तरत–
    क – विनायकदामोदरसावरकरः एकः सिद्धहस्तः लेखकः आसीत्।
    ख – तेन सामाजिककुरीतीनां विरोधं न कृतम्।
    ग – सः प्रथमस्वतंत्रतासंग्रामस्य इतिहासम् अलिखत्।
    घ – सः द्विवारम् आजीवनकारावासं यापितवान्।
    ङ – कारावासे तस्य लेखनकार्यम् अवरुद्धम् आसीत्।
18. उदाहरणं दृष्ट्वा लकारपरिवर्तनं कुरुत–
    यथा– अस्ति––––आसीत्
    क. गच्छति ––––––––––
    ख. पश्यति ––––––––––
    ग. पठति ––––––––––
    घ. करोति ––––––––––
    ङ. रचयति ––––––––––

© JCERT not to be republished

**19. निर्देशः—रेखांकितपदम् आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत—**

क. सावरकरस्य जीवनस्य विषये पठनीयम्।

ख. सः अनेकान् ग्रन्थान् अरचयत्।

ग. प्रभातचिपलूणकर तस्य पुत्री आसीत्।

घ. सः सामाजिककुरीतीनां विरोधम् अकरोत्।

ङ. कारावासात् निष्क्रम्य सः राष्ट्रजीवने सक्रियः अभवत्।

**20. पदपरिचयं कुरुत—**

| | **पदम्** | **विभक्तिः** | **वचनम्** |
|---|---|---|---|
| यथा — | | | |
| | **इतिहासे** | **सप्तमी** | **एकवचनम्** |
| क. | महाराष्ट्रे | ———— | ———— |
| ख. | ग्रामात् | ———— | ———— |
| ग. | कुरीतीनाम् | ———— | ———— |
| घ. | सर्वकारेण | ———— | ———— |
| ङ. | कारावासात् | ———— | ———— |
| च. | तेन | ———— | ———— |
| छ. | कारागारे | ———— | ———— |
| ज. | दलस्य | ———— | ———— |
| झ. | इतिहासे | ———— | ———— |
| ञ. | तस्य | ———— | ———— |

**21. पूर्णवाक्येन उत्तरत —**

क. विनायकदामोदरः सावरकरः कुत्र अजायत् ?

ख. सः कथं आंग्लसर्वकारस्य मूलम् अकम्पयत् ?

ग. सावरकरः कारागारे किम् अकरोत् ?

घ. सावरकरस्य जीवनचरितं किमर्थम् अध्येतव्यम् ?

ङ. सावरकरः कः राजनैतिकदलं समस्थापयत् ?

**22. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत—**

भारतीयस्वतन्त्रतासंग्रामस्य इतिहासे अनेके योद्धाः आसन्। तेषु वीरसावरकरमहोदयः अन्यतमः आसीत्। सः न केवलं तेजस्वी योद्धा आसीत् अपितु महान् क्रान्तिकारी चिन्तकः लेखने सिद्धहस्तः कविः ओजस्वी— वक्ता च आसीत्। प्रथमस्वतन्त्रतासंग्रामस्य इतिहासं लिखित्वा सः आंग्लसर्वकारस्य मूलम् अकम्पयत्। 1883 तमे ख्रिष्टाब्दे मईमासस्य अष्टाविंशतिदिनाङ्के महाराष्ट्रस्य नासिकजनपदस्य भागुरग्रामे विनायकः अजायत्। तस्य माता राधाबाई पिता च दामोदरः सावरकरः अभिहितौ।

**i. एकपदेन उत्तरत—**

क. सावरकरमहोदयस्य मातुः नाम किम् आसीत् ?

ख. सावरकरमहोदयस्य जन्म कदा अभवत् ?

**ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत—**

क. विनायकदामोदरसावरकरः कः आसीत् ?

ख. सावरकरमहोदयस्य पितुः नाम किम् आसीत् ?

**iii. निर्देशानुसारम् उत्तरत—**

क. 'महान् क्रान्तिकारी' अत्र विशेषणपदं किम् अस्ति ?

ख. 'लिखित्वा' इति पदे कः प्रत्ययः ?

ग. 'तस्य माता राधाबाई पिता च दामोदरः सावरकरः' अत्र 'तस्य' सर्वनामपदं कस्मै प्रयुक्तम् ?

घ. 'आसीत्' इति पदे कः धातुः ?

**उत्तराणि—**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | क— | विनायकदामोदरसावरकरः |
| 2. | ख— | राधाबाई |
| 3. | ग— | विनायकदामोदरसावरकरः |
| 4. | घ— | महाराष्ट्रप्रदेशे |
| 5. | क— | दामोदरसावरकरः |
| 6. | ख — | 1883 तमे वर्षे |
| 7. | ग— | विनायकदामोदरसावरकरः |
| 8. | ग — | विनायकदामोदरसावरकरः |
| 9. | क — | 1966 वर्षे |
| 10. | घ — | लङ्लकारः |
| 11. | क — | सप्तमी |
| 12. | क — | राज + इन्द्रः |
| 13. | ख — | समाजसुधारकः |
| 14. | ग — | विरोधम् |
| 15. | क — | प्रसिद्धः |

**16. एकपदेन उत्तरत—**

(क) विनायकदामोदरसावरकरः

(ख) दामोदरसावरकरः

(ग) सामाजिककुरीतीनां

(घ) वैदेशिकवस्तुनाम्

(ङ) द्विवारम्

**17. 'आम्' अथवा 'न' माध्यमेन उत्तरत—**

क. विनायकदामोदरसावरकरः एकः सिद्धहस्तः लेखकः आसीत्। — आम्

ख. तेन सामाजिककुरीतीनां विरोधं न कृतम्। — न

ग. सः प्रथमस्वतंत्रतासंग्रामस्य इतिहासम् अलिखत्। — आम्

घ. सः द्विवारम् आजीवनकारावासं यापितवान्। — आम्

ङ. कारावासे तस्य लेखनकार्यम् अवरुद्धम् आसीत्। — न

**18. उदाहरणं दृष्ट्वा लकारपरिवर्तनं कुरुत—**

क— गच्छति — अगच्छत्।

ख— पश्यति — अपश्यत्।

© JCERT not to be republished

ग– पठति – अपठत्।

घ– करोति – अकरोत्।

ङ– रचयति – अरचयत्।

**19. प्रश्ननिर्माणम्–**

क. कस्य जीवनस्य विषये पठनीयम् ?

ख. सः अनेकान् कान् अरचयत् ?

ग. प्रभातचिपलूणकर तस्य का आसीत् ?

घ. सः कासां विरोधम् अकरोत् ?

ङ. कुतः निष्क्रम्य सः राष्ट्रजीवने सक्रियः अभवत् ?

**20. पदपरिचयम्**

| | | |
|---|---|---|
| क. | सप्तमी विभक्तिः | एकवचनम्। |
| ख. | पञ्चमी विभक्तिः | एकवचनम्। |
| ग. | षष्ठी विभक्तिः | बहुवचनम्। |
| घ. | तृतीया विभक्तिः | एकवचनम्। |
| ङ. | पञ्चमी विभक्तिः | एकवचनम्। |
| च. | तृतीया विभक्तिः | एकवचनम्। |
| छ. | सप्तमी विभक्तिः | एकवचनम्। |
| ज. | षष्ठी विभक्तिः | एकवचनम्। |
| झ. | सप्तमी विभक्तिः | एकवचनम्। |
| ञ. | षष्ठी विभक्तिः | एकवचनम्। |

**21. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

क. विनायकदामोदरसावरकरः महाराष्ट्रराज्यस्य नासिक–जनपदस्य भागुरग्रामे अजायत्।

ख. प्रथमस्वतन्त्रतासंग्रामस्य इतिहासं लिखित्वा सः आंग्लसर्वकारस्य मूलम् अकम्पयत्।

ग. विनायकदामोदरसावरकरः कारागारे देशभक्तिपरकं भित्तिकाव्यम् अलिखत्।

घ. स्वतंत्रतासंग्रामस्य अवबोधनाय सावरकर– महोदयस्य जीवनचरितम् अध्येतव्यम्।

ङ. विनायकदामोदरसावरकरः 'अखिलभारतीयहिन्दुमहासभा' नामकं दलम् अस्थापयत्।

**22. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत–**

**i. एकपदेन उत्तरत–**

क. राधाबाई

ख. 1883 वर्षे

**ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

क. विनायकदामोदरसावरकरः महान् क्रान्तिकारी चिन्तकः लेखने सिद्धहस्तः कविः ओजस्वी वक्ता च आसीत्।

ख. सावरकरमहोदयस्य पितुः नाम दामोदरः सावरकरः आसीत्।

**iii. निर्देशानुसारम् उत्तरत–**

क. महान् – विशेषणपदम्।

ख. क्त्वा प्रत्ययः।

ग. 'तस्य' सर्वनामपदं सावरकराय प्रयुक्तम्।

घ. 'आसीत्' क्रिया पदे अस् धातुः अस्ति।

---

© JCERT not to be republished

| चतुर्दशः पाठः | सङ्कल्पः सिद्धिदायकः |
|---|---|

### वस्तुनिष्ठप्रश्नाः

निर्देशः–प्रदत्तविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चित्वा लिखत–

1. **शिवस्य पत्नी का आसीत् ?**
(क) सावित्री (ख) पार्वती
(ग) भगवती (घ) विजया

2. **पार्वती तपस्यार्थं कुत्र अगच्छत् ?**
(क) गौरीशिखरम् (ख) देवशिखरम्
(ग) हिमालयम् (घ) सरोवरम्

3. **अपर्णा कस्याः अपरं नाम अस्ति ?**
(क) विजयायाः (ख) देव्याः
(ग) पार्वत्याः (घ) मेनायाः

4. **वटुरुपधारी कः अस्ति ?**
(क) सावित्री (ख) पार्वती
(ग) गणेशः (घ) शिवः

5. **त्रीणि नेत्राणि कस्य सन्ति ?**
(क) शिवस्य (ख) रामस्य
(ग) देवस्य (घ) बालकस्य

6. **'सङ्कल्पः' इत्यस्य शब्दस्य विच्छेदः अस्ति–**
(क) सं + कल्पः (ख) सङ् + कल्पः
(ग) सम् + कल्पः (घ) स + कल्पः

7. **कः श्मशाने वसति ?**
(क) सावित्री (ख) शिवः
(ग) पार्श्वनाथः (घ) गणेशः

8. **शिवनिंदां श्रुत्वा का क्रुद्धा जाता ?**
(क) विनायकः (ख) देवशिखरम्
(ग) पार्वती (घ) विजया

9. **मनस्वी कदापि किं न परित्यजति ?**
(क) धैर्यम् (ख) क्रोधः
(ग) शोकः (घ) चिन्तनम्

10. **वटुरुपेण तपोवनं कः प्राविशत् ?**
(क) कार्तिकः (ख) शिवः
(ग) पार्श्वनाथः (घ) गणेशः

11. **'तथैव' इत्यस्य संधिविच्छेदः अस्ति–**
(क) तथा + आसीत् (ख) तथा + एव
(ग) तथ + एव (घ) तथै + व

12. **'अत्र + एव' इति भवति–**
(क) अत्रैव (ख) अत्रेव
(ग) अतरेव (घ) अत्रः

13. **'त्वं तु जानासि एव शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' इति कः कथयति–**
(क) वटुः (ख) देवशिखरम्
(ग) विजया (घ) पार्वती

14. **'पुत्रि! त्वमेव मे जीवनाभिलाषः' इति कः कथयति–**
(क) कार्तिकः ख. शिवः
(ग) मेना (घ) पार्वती

15. **'नैव' इति शब्दस्य संधिविच्छेदः अस्ति–**
(क) न + एव (ख) नैव + व
(ग) नैव + व (घ) न + ऐव

16. **'अद्यैव' इति शब्दस्य संधिविच्छेदः अस्ति–**
(क) अधः + एव (ख) अद्य+ एव
(ग) अद्य + वः (घ) अद्यः + व

17. **'जगति' इति पदे का विभक्तिः ?**
(क) प्रथमा विभक्तिः (ख) पञ्चमी विभक्तिः
(ग) सप्तमी विभक्तिः (घ) तृतीया विभक्तिः

18. **'परित्यज्य' इति पदे कः प्रत्ययः ?**
(क) क्त्वा प्रत्ययः (ख) ल्यप् प्रत्ययः
(ग) क्तवतु प्रत्ययः (घ) यः प्रत्ययः

19. **कृ + तुमुन् = ————————————।**
(क) क्रेतुम् (ख) कर्तुम्
(ग) करोति (घ) कर्तूम्

20. **'तूष्णीम्' इति शब्दस्य अर्थः ——————————।**
(क) सावित्री (ख) शिवः
(ग) मित्रम् (घ) शान्तः

21. **प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखत–**
क. पार्वती तपस्यार्थं कुत्र अगच्छत् ?
ख. कः श्मशाने वसति ?
ग. वटुरूपेण तपोवनं कः प्राविशत् ?
घ. का 'अर्पणा' इति नाम्ना अपि प्रथिता ?
ङ. मनस्वी कदापि किं न परित्यजति ?
च. शिवनिन्दां श्रुत्वा का क्रुद्धा जाता ?
छ. पार्वती कं पतिरुपेण अवाञ्छत् ?
ज. धैर्यं कदापि कः न परित्यजति ?
झ. आद्यं धर्मसाधनं किम् अस्ति ?
ञ. जगति कोऽपि कस्य यथार्थरुपं न जानाति ?

© JCERT not to be republished

22. **मञ्जूषातः पदानि चित्वा समानार्थकानि पदानि लिखत––**

| संसारे, इच्छा, बान्धवाः, प्रस्तरे, मौनम्, माता, जनकः, शीघ्रम्, अरण्यम् |
|---|

क. अभिलाषः ––––––––––––––
ख. शिलायाम् ––––––––––––––
ग. तूष्णीम् ––––––––––––––
घ. जगति ––––––––––––––
ङ. परिजनाः ––––––––––––––
च. अम्बा ––––––––––––––
छ. झटिति ––––––––––––––
ज. पिता ––––––––––––––
झ. वनम् ––––––––––––––

23. **मञ्जूषातः पदानि चित्वा विलोमपदानि लिखत–**

| प्रसन्ना, पिता, त्यक्तुम्, दानवाः, प्रविशति, परकीयम्, अशान्तम्, सरलम्, दुर्लभम्, असत्यम् |
|---|

क. माता ––––––––––
ख. प्राप्तुम् ––––––––––
ग. देवताः ––––––––––
घ. क्रुद्धा ––––––––––
ङ. स्वकीयम् ––––––––––
च. निष्क्रमति ––––––––––
छ. शान्तम् ––––––––––
ज. सत्यम् ––––––––––
झ. कठिनम् ––––––––––
ञ. सुलभम् ––––––––––

24. **अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत–**

क. <u>तपः</u> कठिनं भवति।
ख. तपः कारणात् <u>जगति</u> तव प्रसिद्धिः।
ग. <u>शिवस्य</u> त्रीणि नेत्राणि।
घ. <u>पार्वती</u> द्रुतगत्या निष्क्रामति।
ङ. पार्वती कदाचित् <u>शिलायां</u> स्वपिति स्म।
च. <u>शिवः</u> श्मशाने वसति।
छ. पार्वती तपस्यार्थं <u>वनं</u> अगच्छत्।
ज. मनस्वी कदापि <u>धैर्यं</u> न परित्यजति।
झ. सः <u>तपोवनं</u> प्राविशत्।
ञ. सा <u>शिवनिन्दां</u> श्रुत्वा क्रुद्धा जाता।

25. **उदाहरणानुसारं पदरचनां कुरुत–**

यथा– पठति – पठति स्म

क. खादति ––––––––––
ख. पश्यति ––––––––––
ग. गच्छति ––––––––––
घ. लिखति ––––––––––
ङ. चिन्तयति ––––––––––
च. धावति ––––––––––
छ. वसति ––––––––––
ज. नृत्यति ––––––––––
झ. पिबति ––––––––––

26. **कः/का/कं/कां प्रति कथयति–**

| | | कः/का | कं/कां |
|---|---|---|---|
| यथा– | वत्से! तपः कठिनं भवति ? | माता | पार्वतीम् |
| क. | अहं तपः एव करिष्यामि। | –––– | –––– |
| ख. | मनस्वी कदापि धैर्यं न परित्यजति। | –––– | –––– |
| ग. | 'अर्पणा' इति नाम्ना त्वं प्रथिता। | –––– | –––– |
| घ. | पार्वति! प्रीतोऽस्मि तव संकल्पेन। | –––– | –––– |
| ङ. | शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्। | –––– | –––– |
| च. | अहं तव क्रीतदासोऽस्मि। | –––– | –––– |
| छ. | अरे वाचाल! अपसर। जगति न कोऽपि शिवस्य यथार्थं स्वरूपं जानाति। | –––– | –––– |

27. **पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

क. पार्वती कं पतिरूपेण अवाञ्छत् ?
ख. कः श्मशाने वसति ?
ग. शिवनिन्दां श्रुत्वा का क्रुद्धा जाता ?
घ. पार्वती तपस्यां कर्तुं कुत्र अगच्छत् ?
ङ. वटुरूपधारी कः अस्ति ?
च. मनस्वी कदापि किं न परित्यजति ?

28. **अधोदत्तं नाट्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत –**

(पार्वती शिवं पतिरूपेण अवाञ्छत्। एतदर्थं सा तपस्यां कर्तुम् ऐच्छत्। सा स्वकीयं मनोरथं मात्रे न्यवेदयत्। तत् श्रुत्वा माता मेना चिन्ताकुला अभवत्।)

मेना–वत्से! मनीषिताः देवताः गृहे एव सन्ति। तपः कठिनं भवति। तव शरीरं सुकोमलं वर्तते। गृहे एव वस। अत्रैव तवाभिलाषः सफलः भविष्यति।

पार्वती–अम्ब! तादृशः अभिलाषः तु तपसा एव पूर्णः भविष्यति। अन्यथा तादृशं पतिं कथं प्राप्स्यामि। अहं तपः एव करिष्यामि इति मम सङ्कल्पः।

i. **एकपदेन उत्तरत–**

क. पार्वती कं पतिरूपेण अवाञ्छत् ?
ख. तपः कीदृशं भवति ?

ii. **पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

क. पार्वती किं कर्तुम् ऐच्छत् ?
ख. पार्वत्याः सङ्कल्पः किम् अस्ति ?

iii. **निर्देशानुसारम् उत्तरत–**

क. 'श्रुत्वा' इति पदे कः प्रत्ययः ?

© JCERT not to be republished

ख. 'गृहे' इति पदे का विभक्तिः ?

ग. 'भविष्यति' इति पदे कः लकारः ?

घ. 'तवाभिलाषः' इत्यस्य संधिविच्छेदः कुरुत ?

**29. 'संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्' इति विषये पञ्चवाक्येषु अनुच्छेदं लिखत।**

**उत्तराणि–**

1. ख – पार्वती
2. क – गौरीशिखरम्
3. ग – पार्वत्याः
4. घ – शिवः
5. क – शिवस्य
6. ग – सम् + कल्पः
7. ख – शिवः
8. ग – पार्वती
9. क – धैर्यम्
10. ख – शिवः
11. ख – तथा + एव
12. क – अत्रैव
13. क – वटुः
14. ग – मेना
15. क – न + एव
16. ख – अद्य + एव
17. ग – सप्तमी
18. ख – ल्यप्
19. ख – कर्तुम्
20. घ – शान्तः

**21. एकपदेन उत्तरत–**

क. – गौरीशिखरम्

ख. – शिवः

ग. – शिवः

घ. – पार्वती

ङ. – धैर्यम्

च. – पार्वती

छ. – शिवम्

ज. – मनस्वी

झ. – शरीरम्

ञ. – शिवस्य

**22. मञ्जूषातः पदानि चित्वा समानार्थकानि पदानि लिखत–**

क. – इच्छा

ख. – प्रस्तरे

ग. – मौनम्

घ. – संसारे

ङ. – बान्धवाः

च. – माता

छ. – शीघ्रम्

ज. – जनकः

झ. – अरण्यम्

**23. मञ्जूषातः पदानि चित्वा विलोमपदानि लिखत–।**

क. – पिता

ख. – त्यक्तुम्

ग. – दानवाः

घ. – प्रसन्नाः

ङ. – परकीयम्

च. – प्रविशति

छ. – अशान्तम्

ज. – असत्यम्

झ. – सरलम्

ञ. – दुर्लभम्

**24. अधोलिखितवाक्येषु रेखांकितपदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत–**

क. किं कठिनं भवति ?

ख. तपः कारणात् कुत्र तव प्रसिद्धिः ?

ग. कस्य त्रीणि नेत्राणि ?

घ. का द्रुतगत्या निष्क्रामति ?

ङ. पार्वती कदाचित् कुत्र स्वपिति स्म ?

च. कः श्मशाने वसति ?

छ. पार्वती तपस्यार्थं कुत्र अगच्छत् ?

ज. मनस्वी कदापि किं न परित्यजति ?

झ. सः कुत्र प्राविशत् ?

ञ. सा कां श्रुत्वा क्रुद्धा जाता ?

**25. उदाहरणानुसारं पदरचनां कुरुत–**

क. खादति स्म

ख. पश्यति स्म

ग. गच्छति स्म

घ. लिखति स्म

ङ. चिन्तयति स्म

च. धावति स्म

छ. वसति स्म

ज. नृत्यति स्म

झ. पिबति स्म

© JCERT not to be republished

**26. कः / का / कं / कां प्रति कथयति–**

क. पार्वती, मातरं प्रति।

ख. पार्वती, विजयां प्रति।

ग. विजया, पार्वतीं प्रति।

घ. शिवः, पार्वतीं प्रति।

ङ. वटुः, पार्वतीं प्रति।

च. शिवः, पार्वतीं प्रति।

छ. पार्वती, शिवं प्रति।

**27. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

क. पार्वती पतिरूपेण शिवम् अवाञ्छत्।

ख. शिवः श्मशाने वसति।

ग. शिवनिन्दां श्रुत्वा पार्वती क्रुद्धा जाता।

घ. पार्वती तपस्यां कर्तुं गौरीशिखरम् अगच्छत्।

ङ. वटुरूपधारी शिवः अस्ति।

च. मनस्वी कदापि धैर्यं न परित्यजति।

**28. अधोदत्तं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत –**

**i. एकपदेन उत्तरत–**

क. शिवम्

ख. कठिनम्

**ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

क. पार्वती तपस्यां कर्तुम् ऐच्छत्।

ख. ''अहं तपः एव करिष्यामि'' इति पार्वत्याः संकल्पः अस्ति।

**iii. निर्देशानुसारम् उत्तरत–**

क. क्त्वा

ख. सप्तमी

ग. लृट् लकारः

घ. तव + अभिलाषः

**29. संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्**

संस्कृतभाषा विश्वस्य प्राचीनतमा भाषा अस्ति। इयं सरला मधुरा मनोहरा च वर्तते। वेद –रामायण–महाभारत–इत्यादयः अस्मिन् भाषायाम् एव लिखिताः सन्ति। इयं भाषा सर्वासां भाषाणां जननी अस्ति। संस्कृतभाषा देवभाषा अपि कथ्यते।

© JCERT not to be republished

| पञ्चदशः पाठः | गीतामृतम् |
|---|---|

## वस्तुनिष्ठप्रश्नाः

प्रदत्तविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चित्वा लिखत–

1. 'शारीरं तपः उच्यते' अत्र 'तपः' पदे किं लिङ्गम् ?
(क) पुल्लिङ्गम् (ख) स्त्रीलिङ्गम्
(ग) उभयलिङ्गम् (घ) नपुंसकलिङ्गम्

2. 'न उद्वेगकरम्' इति किं कथ्यते ?
(क) योगः (ख) प्रियहितं
(ग) स्वाध्यायः (घ) अनुद्वेगकरम्

3. कः दुःखहा भवति ?
(क) ब्रह्मण (ख) योगः
(ग) भोजनम् (घ) सुखम्

4. अनुद्वेगकरं वाक्यं किम् उच्यते ?
(क) वाङ्मयं तपः (ख) शरीरं
(ग) देवता (घ) प्रियं

5. शांतभावः किम् उच्यते ?
(क) शारीरिकम् (ख) मानसं तपः
(ग) वाङ्मयम् (घ) अनुद्वेग

6. ब्रह्मचर्य किम् उच्यते ?
(क) शारीरं तपः (ख) गीतम्
(ग) वाक्यम् (घ) स्वाध्यायः

7. युक्ताहारविहारस्य युक्तचेष्टस्य केषु भवति ?
(क) सुखम् (ख) दुखम्
(ग) कर्मसु (घ) तपः

8. मौनं कीदृशं तपः उच्यते ?
(क) ब्रह्मचर्यम् (ख) वाक्यम्
(ग) मानसम् (घ) आहारः

9. 'युक्त + आहारः' अस्य संधिः अस्ति–
(क) युक्तआहार (ख) युक्ताहारः
(ग) युक्तहारः (घ) युक्तारः

10. 'भवन्ति' अत्र कः धातुः ?
(क) भू (ख) भव
(ग) भवन् (घ) भवन्ति

11. 'देवः' अत्र का विभक्तिः ?
(क) द्वितीया (ख) तृतीया
(ग) चतुर्थी (घ) प्रथमा

12. 'अनुद्वेगकरं वाक्यम्' अत्र विशेषणपदं किम् ?
(क) वाक्यम् (ख) करम्
(ग) अनुद्वेगकरम् (घ) अनु

13. 'आहाराः' अत्र किं वचनम् ?
(क) एकवचनम् (ख) द्विवचनम्
(ग) बहुवचनम् (घ) न किमपि

14. 'नाति' अस्य संधिविच्छेदम् अस्ति–
(क) ना + आति (ख) न + अति
(ग) नाति + इ (घ) ना + ति

15. 'सौम्यत्वं' अत्र प्रत्ययः अस्ति–
(क) क्वा (ख) त्व
(ग) त्वा (घ) तल्

16. मञ्जूषातः समुचितानि पदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत–

| **हृद्याहाराः, दैवीम्, आयुः, स्वप्न+अवबोधस्य, न+अति, शौचमार्जवम्, बलारोग्यम्, ब्रह्मचर्यमहिंसा, वाङ्मयं, युक्त+आहारः** |
|---|

(क) रस्याः स्निग्धाः स्थिराः ———————— सात्विकप्रियाः।
(ख) ———————— सत्त्वबलारोग्यं सुखप्रीतिविवर्धनाः।
(ग) भवन्ति सम्पदं ———————— अभिजातस्य भारत।
(घ) स्वाध्यायाभ्यसनं चैव ———————— तप उच्यते।
(ङ) शौचम् + आर्जवम् = ————
(च) ———— + ———— = युक्ताहारः
(छ) ———— + ———— = नाति
(ज) बल + आरोग्यम् = ————
(झ) ब्रह्मचर्यम् + अहिंसा = ————
(ञ) ———— + ———— = स्वप्नावबोधस्य

17. विलोमपदैः सह मेलनं कुरुत–
(क) प्रियम् – दुःखम्
(ख) सुखम् – अप्रियम्
(ग) सत्यम् – अशौचम्
(घ) शौचम् – असत्यम्

18. श्लोकांशान् योजयत–
(क) आयुः सत्त्वबलारोग्य – युक्तचेष्टस्य कर्मसु
(ख) तेजः क्षमा धृतिः – शौचमार्जवम्
(ग) देवद्विजगुरुप्राज्ञपूजनं – सुखप्रीतिविवर्धनाः
(घ) युक्ताहारविहारस्य – शौचमद्रोहो नातिमानिता

© JCERT not to be republished

**19. समानार्थकपदैः सह मेलनं कुरुत–**

(क) देवः – द्विजः

(ख) ब्राह्मणः – उचितम्

(ग) शरीरम् – देवता

(घ) युक्तम् – देहम्

**20. उचितैः पदैः सह मेलनं कुरुत–**

(क) बल + आरोग्यम् = शौचमार्जवम्

(ख) शौचम् + आर्जवम् = बलारोग्यम्

(ग) युक्त + आहारः = गीतामृतम्

(घ) गीत + अमृतम् = युक्ताहारः

**21. वाक्यं पठित्वा तस्य पुरतः यथोचितं सत्यम्/असत्यं वा लिखत –**

(क) स्वाध्यायः वाङ्मयं तप उच्यते।

(ख) गीतामृतं कृष्णः उक्तवान्।

(ग) कृष्णः रामायणे आसीत्।

(घ) युक्ताहारः दुःखहा भवति।

(ङ) स्नानं वाङ्मयं तप उच्यते।

**22. मञ्जूषातः समुचितानि पदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत–**

| |
|---|
| **आयुः, आहाराः, वाङ्मयं, शारीरं, प्रियहितं, दैवीम्, युक्तचेष्टस्य, धृतिः, शौचम्, दुःखहा, मानसम्, सौम्यत्वं।** |

(क) युक्ताहारविहारस्य ———— कर्मसु।

(ख) रस्याः स्निग्धाः स्थिराः हृद्याः ———— सात्विकप्रियाः।

(ग) ———— सत्त्वबलारोग्यं सुखप्रीतिविवर्धनाः।

(घ) भवन्ति सम्पदं ———— अभिजातस्य भारत।

(ङ) स्वाध्यायाभ्यसनं चैव ——— तप उच्यते।

(च) अनुद्वेगकरं वाक्यं सत्यं ———— च यत्।

(छ) ब्रह्मचर्यमहिंसा च ———— तप उच्यते।

(ज) मनः प्रसादः ———— मौनमात्मविनिग्रहः।

(झ) देवद्विजगुरुप्राज्ञपूजनं ———— आर्जवम्।

(ञ) युक्तस्वप्नावबोधस्य योगो भवति ——।

(ट) भावसंशुद्धिरित्येतत्तपो ———— उच्यते।

(ठ) तेजः क्षमा ——— शौचमद्रोहो नातिमानिता।

**23. प्रश्नानामुत्तराणि एकपदेन लिखत–**

(क) सत्यं कीदृशं वाक्यं भवति ?

(ख) तेजः, क्षमा, धृतिः किं भवति ?

(ग) गीतामृतम् कः श्रृणोति ?

(घ) महाभारतस्य रचयिता कः ?

(ङ) युक्तस्वप्नावबोधः किं भवति ?

(च) अहिंसा कीदृशं तपः उच्यते ?

(छ) आहाराः कीदृशाः प्रियाः भवन्ति ?

(ज) भावसंशुद्धिः किम् उच्यते ?

(झ) गीता कः कथयति ?

(ञ) स्वाध्यायाभ्यसनं कीदृशं तपः उच्यते ?

**24. प्रश्नानामुत्तराणि पूर्णवाक्येन लिखत–**

(क) मौनं किम् उच्यते ?

(ख) दैवीं सम्पदं किं भवति ?

(ग) अनुद्वेगकरं वाक्यं किम् उच्यते ?

(घ) गीता कस्य ग्रन्थस्य अङ्गम् अस्ति ?

(ङ) गीतायां किम् अस्ति ?

(च) ब्रह्मचर्यं किम् उच्यते ?

(छ) कः गीतायाः उपदेशम् अयच्छत् ?

(ज) कः दुःखहा भवति ?

(झ) सात्विकप्रियाः आहाराः कीदृशाः भवन्ति ?

(ञ) शारीरं तपः किम् उच्यते ?

**25. रेखाङ्कितपदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत –**

(क) श्रीकृष्णः गीतायाः उपदेशम् अयच्छत्।

(ख) हृद्याहाराः सात्विकप्रियाः भवन्ति।

(ग) महर्षिवेदव्यासः महाभारतम् व्यरचयत्।

(घ) युक्तस्वप्नावबोधस्य योगः भवति दुःखहा।

(ङ) गीतायाम् आत्मतत्त्वम् अस्ति।

(च) मौनम् आत्मविनिग्रहः करणीयः।

(छ) ब्रह्मचर्यमहिंसा च शारीरं तप उच्यते।

(ज) कर्मसु युक्तचेष्टं भवेत्।

(झ) योगः कर्मसु कुशलः भवति।

(ञ) 'गीतामृतम्' पठनीयम्।

**26. श्लोकं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत–**

**अनुद्वेगकरं वाक्यं सत्यं प्रियहितं च यत्।**
**स्वाध्यायाभ्यसनं चैव वाङ्मयं तप उच्यते।।**

**i. एकपदेन उत्तरत–**

(क) कीदृशं वाक्यं वक्तव्यम्?

(ख) किं प्रियहितं भवेत्?

**ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत –**

(क) किं वाङ्मयं तपः उच्यते ?

(ख) स्वाध्यायाभ्यसनं किम् उच्यते ?

**iii. निर्देशानुसारम् उत्तरत –**

(क) 'चैव' अस्य संधिविच्छेदं कुरुत।

(ख) 'असत्यं' पदस्य विलोमपदं श्लोके किं प्रयुक्तम् ?

(ग) श्लोकात् एकं क्रियापदं लिखत।

(घ) श्लोकात् एकम् अव्ययपदं चित्वा लिखत।

© JCERT not to be republished

**27. युक्ताहारविहारस्य युक्तचेष्टस्य कर्मसु।**
**युक्तस्वप्नावबोधस्य योगो भवति दुःखहा।।**

**i. एकपदेन उत्तरत –**

(क) आहारः कीदृशः भवेत् ?

(ख) युक्तचेष्टः कुत्र भवेत् ?

**ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत –**

(क) दुःखहा किं भवति ?

(ख) केषां योगः दुःखहा भवति ?

**iii. निर्देशानुसारम् उत्तरत –**

(क) 'कर्मसु' पदे का विभक्ति ?

(ख) 'युक्ताहारः' अस्य संधिविच्छेदं कुरुत।

(ग) 'युक्तः चेष्टः' अत्र विशेषणपदं किम् ?

(घ) 'सुखहा' अस्य विलोमपदं श्लोके किं प्रयुक्तम् ?

**28. श्लोकं पठित्वा भावार्थं लिखत–**

आयुः सत्त्वबलारोग्यं सुखप्रीतिविवर्धनाः।
रस्याः स्निग्धाः स्थिरा हृद्याहाराः सात्विकप्रियाः।।

**29. श्लोकेषु रिक्तस्थानानि पूरयत –**

(क) अनुद्वेगकरं ------ सत्यं ---- च यत्।
-------- चैव वाङ्मयं ----------।।

(ख) तेजः क्षमा ------ शौचमद्रोहो ------।
भवन्ति -------- दैवीमभिजातस्य ------।।

उत्तराणि–

1. (घ) – नपुंसकलिङ्गम्
2. (घ) – अनुद्वेगकरम्
3. (ख) – योगः
4. (क) – वाङ्मयं तपः
5. (ख) – मानसं तपः
6. (क) – शारीरं तपः
7. (ग) – कर्मसु
8. (ग) – मानसं
9. (ख) – युक्ताहारः
10. (क) – भू
11. (घ) – प्रथमा
2. (ग) – अनुद्वेगकरम्
13. (ग) – बहुवचनम्
14. (ख) – न + अति
15. (ख) – त्व

**16. मञ्जूषातः समुचितानि पदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत –**

(क) – हृद्याहाराः

(ख) – आयुः

(ग) – दैवीम्

(घ) – वाङ्मयं

(ङ) – शौचमार्जवम्

(च) – युक्त + आहारः

(छ) – न + अति

(ज) – बलारोग्यम्

(झ) – ब्रह्मचर्यमहिंसा

(ञ) – स्वप्न + अवबोधस्य

**17. विलोमपदैः सह मेलनं कुरुत–**

(क) प्रियम् – अप्रियम्

(ख) सुखम् – दुखम्

(ग) सत्यम् – असत्यम्

(घ) शौचम् – अशौचम्

**18. श्लोकांशान् योजयत–**

(क) आयुः सत्त्वबलारोग्य – सुखप्रीतिविवर्धना

(ख) तेजः क्षमा धृतिः – शौचमद्रोहो नातिमानिता

(ग) देवद्विजगुरुप्राज्ञपूजनं – शौचमार्जवम्

(घ) युक्ताहारविहारस्य – युक्तचेष्टस्य कर्मसु

**19. समानार्थकपदैः सह मेलनं कुरुत–**

(क) देवः – देवता

(ख) ब्राह्मण – द्विजः

(ग) शरीरम् – देहम्

(घ) युक्तम् – उचितम्

**20. उचितैः पदैः सह मेलनं कुरुत–**

(क) बलारोग्यम्

(ख) शौचमार्जवम्

(ग) युक्ताहारः

(घ) गीतामृतम्

**21. वाक्यं पठित्वा तस्य पुरतः यथोचितं सत्यम्/असत्यं वा लिखत –**

(क) सत्यम्

(ख) सत्यम्

(ग) असत्यम्

(घ) सत्यम्

(ङ) असत्यम्

**22. मञ्जूषातः समुचितानि पदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत –**

(क) युक्तचेष्टस्य

(ख) आहाराः

(ग) आयुः

(घ) दैवीम्

(ङ) वाङ्मयं

(च) प्रियहितं

(छ) शारीरं

(ज) सौम्यत्वं

© JCERT not to be republished

(झ) शौचम्

(ञ) दुःखहा

(ट) मानसम्

(ठ) धृतिः

**23. प्रश्नानामुत्तराणि एकपदेन लिखत–**

(क) अनुद्वेगकरम्

(ख) सम्पदम्

(ग) अर्जुनः

(घ) वेदव्यासः

(ङ) दुःखहा

(च) शारीरम्

(छ) सात्विकाः

(ज) मानसम्

(झ) श्रीकृष्णः

(ञ) वाङ्मयम्

**24. प्रश्नानामुत्तराणि पूर्णवाक्येन लिखत–**

(क) – मौनं मानसम् उच्यते।

(ख) – तेजः क्षमा धृतिः शौचमद्रोहो दैवीं सम्पदा भवति।

(ग) – अनुद्वेगकरं वाक्यं वाङ्मयं तप उच्यते।

(घ) – गीता महाभारतग्रन्थस्य अंगम् अस्ति।

(ङ) – गीतायाम् आत्मतत्त्वम् अस्ति।

(च) – ब्रह्मचर्यम् शारीरं तप उच्यते।

(छ) – श्रीकृष्णः गीतायाः उपदेशम् अयच्छत्।

(ज) – युक्तस्वप्नावबोधस्य योगः दुःखहा भवति।

(झ) – आयुः सत्वबलारोग्य सुखप्रीतिविवर्धनाः भवन्ति।

(ञ) – ब्रह्मचर्यमहिंसा शारीरं तपः उच्यते।

**25. रेखाङ्कितपदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत –**

(क) – <u>कः</u> गीतायाः उपदेशम् अयच्छत् ?

(ख) – हृद्याहाराः <u>कीदृशाः</u> भवन्ति ?

(ग) – महर्षिवेदव्यासः <u>किम्</u> व्यरचयत् ?

(घ) – युक्तस्वप्नावबोधस्य <u>कः</u> भवति दुःखहा ?

(ङ) – <u>कुत्र</u> आत्मतत्त्वम् अस्ति ?

(च) – <u>किम्</u> आत्मविनिग्रहः करणीयः ?

(छ) – ब्रह्मचर्यमहिंसा च शारीरं <u>किम्</u> उच्यते ?

(ज) – <u>कुत्र</u> युक्तचेष्टं भवेत् ?

(झ) – योगः कर्मसु <u>कीदृशः</u> भवति ?

(ञ) – <u>किं</u> पठनीयम् ?

**26. श्लोकं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत–**

**i. एकपदेन उत्तरत–**

(क) अनुद्वेगकरम्

(ख) अनुद्वेगकरं वाक्यम्

**ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(क) स्वाध्यायाभ्यसनं वाङ्मयं तपः उच्यते।

(ख) स्वाध्यायाभ्यसनं वाङ्मयं तपः उच्यते।

**iii. निर्देशानुसारम् उत्तरत–**

(क) च + एव

(ख) सत्यम्

(ग) उच्यते

(घ) च

**27. i. एकपदेन उत्तरत–**

(क) उपयुक्तः

(ख) कर्मसु

**ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(क) युक्तस्वप्नावबोधस्य योगः दुःखहा भवति।

(ख) युक्तस्वप्नावबोधस्य योगः दुःखहा भवति।

**iii. निर्देशानुसारम् उत्तरत–**

(क) सप्तमी

(ख) युक्त + आहारः

(ग) युक्तः

(घ) दुःखहा

**28. भावार्थ – जो भोजन सात्विक व्यक्तियों को प्रिय होता है, वह आयु को बढाने वाला, जीवन को शुद्ध करने वाला तथा बल, स्वास्थ्य, सुख तथा तृप्ति प्रदान करने वाला होता है।**

**29. श्लोकेषु रिक्तस्थानानि पूरयत –**

(क) अनुद्वेगकरं वाक्यं सत्यं प्रियहितं च यत्।
स्वाधायायभ्यसनं चैव वाङ्मयं तप उच्यते।

(ख) तेजः क्षमा धृतिः शौचमद्रोहो नातिमानिता।
भवन्ति सम्पदं दैवीमभिजातस्य भारत।।

© JCERT not to be republished

# षोडशः पाठः　　विमानयानं रचयाम

**वस्तुनिष्ठप्रश्नाः**

प्रदत्तविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चित्वा लिखत–

1. वयं किं रचयाम ?
(क) रेलयानम्　(ख) विमानयानम्
(ग) कारयानम्　(घ) टोटोयानम्

2. कीदृशे गगने वायुविहारं करवाम ?
(क) नीले　(ख) पीते
(ग) श्वेते　(घ) रक्ते

3. वृक्षः कीदृशः अस्ति ?
(क) वामनः　(ख) स्थूलः
(ग) उन्नतः　(घ) लघु

4. भवनं कीदृशम् अस्ति ?
(क) तुङ्गम्　(ख) विशालम्
(ग) उन्नतम्　(घ) वामनम्

5. वयं कं लोकं प्रविशाम ?
(क) सूर्यलोकम्　(ख) बुधलोकम्
(ग) चन्दिरलोकम्　(घ) मंगललोकम्

6. कीदृशं सोपानं करणीयम् ?
(क) शीलवन्तम्　(ख) हिमवन्तम्
(ग) दुग्धवन्तम्　(घ) जलवन्तम्

7. वयं कान् गणयाम ?
(क) ग्रहान्　(ख) जनान्
(ग) वृक्षान्　(घ) जीवान्

8. कीदृशं हारं वयं रचयाम ?
(क) स्वर्णम्　(ख) रजतम्
(ग) कांस्यम्　(घ) मौक्तिकम्

9. 'ताराश्चित्वा' अस्य संधिविच्छेदं कुरुत।
(क) तारा + चित्वा　(ख) ताराः + चित्वा
(ग) तार + अचित्वा　(घ) ताराश् + चित्वा

10. 'जनानाम्' पदे का विभक्तिः ?
(क) प्रथमा　(ख) तृतीया
(ग) षष्ठी　(घ) चतुर्थी

11. 'चित्वा' पदे कः प्रत्ययः ?
(क) क्त्वा　(ख) क्त
(ग) ल्यप्　(घ) तुमुन्

12. 'शुक्रः + चन्द्रः' अस्य सन्धिं कुरुत।
(क) शुकचन्द्रः　(ख) शक्रचन्द्रः
(ग) शुक्रश्चन्द्रः　(घ) शुक्रचन्द्रः

13. 'गृहेषु' पदे का विभक्तिः ?
(क) प्रथमा　(ख) तृतीया
(ग) पंचमी　(घ) सप्तमी

14. 'क्रान्त्वा' पदे कः प्रत्ययः प्रयुक्तः ?
(क) क्त्वा　(ख) ल्यप्
(ग) तुमुन्　(घ) ठक्

15. 'रचयाम' पदे कः पुरुषः ?
(क) प्रथमपुरूषः　(ख) मध्यमपुरूषः
(ग) उत्तमपुरूषः　(घ) न किमपि

16. मञ्जूषातः समुचितानि पदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत–

| हारं, उन्नतः, गृहेषु, पश्यति, पीडितः, जलेन, वचनेन, विमानयानेन, कण्ठः, लेखन्या। |
|---|

(क) वृक्षः ————— अस्ति।
(ख) सीता अम्बुदमालां —————।
(ग) वयं ————— हर्षं जनयाम।
(घ) कृषकः ————— भवति।
(ङ) वयं मौक्तिकं ————— रचयाम।
(च) सः निर्मलेन ————— मुखं प्रक्षालयति।
(छ) ————— मौक्तिकहारेण शोभते।
(ज) राघवः ————— विहरति।
(झ) बालकः ————— लिखति।
(ञ) सः ————— प्रशंसति।

17. यथायोग्यं विलोमपदैः सह मेलयत–
(क) गुरुः – अवनतम्
(ख) सुन्दरः – लघुः
(ग) गगनम् – कुरूपः
(घ) उन्नतम् – हर्षितः
(ङ) पीडितः – पृथिवीम्

18. विशेषणविशेष्यैः सह मेलयत–
(क) नीले – हारम्
(ख) हिमवन्तम् – भवनम्
(ग) तुङ्गम् – गगने
(घ) सर्वान् – सोपानम्
(ङ) मौक्तिकम् – ग्रहान्

© JCERT not to be republished

**19. भिन्नवर्गस्य पदं चिनुत–**

(क) पत्राणि पुष्पाणि फलानि मित्राणि।

(ख) मीनः कच्छपः मकरः खगः।

(ग) शशकः सिंहः कर्कटः गजः।

(घ) मयूराः चटकाः कोकिलाः मण्डूकाः।

(ङ) विद्यालयः श्यामपट्टः प्रधानाध्यापकः कृषकः।

**20. पाठात् विशेषणपदं चित्वा विशेष्यपदस्य अग्रे लिखत**

यथा– वृक्षम् उन्नतम्

(क) गगने ————————

(ख) सोपानम् ————————

(ग) भवनम् ————————

(घ) ग्रहान् ————————

(ङ) हारम् ————————

**21. प्रश्नानामुत्तराणि एकपदेन लिखत –**

क. वयं किं रचयाम ?

ख. वयं किं गणयाम ?

ग. अम्बरभूषामादायैव किं करवाम ?

घ. वयं कुत्र प्रविशाम ?

ङ. भवनं क्रान्त्वा कुत्र याम ?

च. कस्य हारं रचयाम ?

छ. कुत्र वायुविहारं करवाम ?

ज. कीदृशे गगने वायुविहारं करवाम ?

झ. गगनं कीदृशम् अस्ति ?

ञ. कुत्र हर्षं जनयाम ?

**22. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि पूर्णवाक्येन लिखत–**

क. वयं कं लोकं प्रविशाम ?

ख. वयं कुत्र वायुविहारं करवाम ?

ग. कान् ग्रहान् वयं गणयाम ?

घ. वयं किं क्रान्त्वा आकाशं याम ?

ङ. राघव! माधव! सीते! ललिते! इति कः वदति ?

च. वयं सुन्दरताराः चित्वा किं रचयाम ?

छ. किं चित्वा वयं मौक्तिकहारं रचयाम ?

ज. वयं कीदृशं सोपानं रचयाम ?

झ. शुक्रश्चन्द्रः सूर्यो गुरू इति के सन्ति ?

ञ. केषां गृहेषु हर्षं जनयाम ?

**23. स्थूलपदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत–**

क. नीले **गगने** वायुविहारं करवाम।

ख. वयं **वायुयानं** रचयाम।

ग. **राघवः** विमानेन विहरति।

घ. वयं सर्वान् **ग्रहान्** गणयाम।

ङ. **गृहेषु** हर्षं जनयाम।

च. हिमवन्तं **सोपानं** कृत्वा चन्दिरलोकं प्रविशाम।

छ. कण्ठः **मौक्तिकहारेण** शोभते।

ज. वयं **मौक्तिकहारं** रचयाम।

झ. **गगनं** विपुलम् अस्ति।

ञ. **अम्बरभूषाम्** आदायैव हि प्रतियाम।

**24. श्लोकं पठित्वा प्रश्नानामुत्तराणि लिखत–**

उन्नतवृक्षं तुङ्गं भवनं
क्रान्त्वाकाशं खलु याम।
कृत्वा हिमवन्तं सोपानं
चन्दिरलोकं प्रविशाम।।

**i. एकपदेन उत्तरत–**

(क) वृक्षः कीदृशः अस्ति ?

(ख) सोपानं कीदृशं करोति ?

**ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(क) वयं किं कृत्वा चन्दिरलोकं प्रविशाम ?

(ख) किं क्रान्त्वा याम ?

**iii. निर्देशानुसारम् उत्तरत–**

(क) 'उन्नतवृक्षं' पदे विशेष्यपदं किम् ?

(ख) 'प्रविशाम' पदे कः उपसर्गः ?

(ग) 'कृत्वा' पदे कः प्रत्ययः ?

(घ) 'चन्दिरलोकं' पदे का विभक्तिः प्रयुक्ता ?

**25. श्लोकं पठित्वा प्रश्नानामुत्तराणि लिखत–**

शुक्रश्चन्द्रः सूर्यो गुरुरिति
ग्रहान् हि सर्वान् गणयाम।
विविधाः सुन्दरताराश्चित्वा
मौक्तिकहारं रचयाम।।

**i. एकपदेन उत्तरत–**

(क) कान् गणयाम ?

(ख) किं रचयाम ?

**ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(क) के के ग्रहाः सन्ति ?

(ख) कान् चित्वा मौक्तिकहारं रचयाम ?

**iii. निर्देशानुसारम् उत्तरत–**

(क) 'वयं ग्रहान् गणयाम'अत्र कर्तृपदं किम् ?

(ख) 'सर्वान् ग्रहान्' अत्र विशेषणपदं किम् ?

(ग) 'ताराश्चित्वा' अस्य पदस्य सन्धिविच्छेदं कुरुत।

(घ) 'रविः' अस्य पर्यायपदं किं प्रयुक्तम् ?

**26. उचितैः पदैः श्लोकं पूरयत–**

सर्वान्, चित्वा, चन्द्रः, मौक्तिकहारं

शुक्रः ——————— सूर्यो गुरूरिति
ग्रहान् हि ——————— गणयाम।
विविधाः सुन्दरताराः ———————
—————————————— रचयाम।।

**27. श्लोकं पठित्वा तस्य भावार्थं लिखत–**

राघव! माधव! सीते! ललिते!
विमानयानं रचयाम।
नीले गगने विपुले विमले
वायुविहारं करवाम।।

**उत्तराणि–**

1. (ख) – विमानयानम्
2. (क) – नीले
3. (ग) – उन्नतः
4. (क) – तुङ्गम्
5. (ग) – चन्दिरलोकम्
6. (ख) – हिमवन्तम्
7. (क) – ग्रहान्
8. (घ) – मौक्तिकम्
9. (क) – ताराः + चित्वा
10. (ग) – षष्ठी
11. (क) – क्त्वा
12. (ग) – शुक्रश्चन्द्रः
13. (घ) – सप्तमी
14. (क) – क्त्वा
15. (ग) – उत्तमपुरुषः

**16. मञ्जूषातः समुचितानि पदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत–**

(क) उन्नतः
(ख) अम्बुद
(ग) गृहेषु
(घ) पीडितः
(ङ) हारम्
(च) जलेन
(छ) कण्ठः
(ज) विमानयानेन
(झ) लेखन्या
(ञ) वचनेन

**17. यथायोग्यं विलोमपदैः सह मेलयत–**

(क) गुरु – लघु
(ख) सुन्दरः – कुरूपः
(ग) गगनम् – पृथिवीम्
(घ) उन्नतम् – अवनतम्
(ङ) पीडितः – हर्षितः

**18. विशेषणविशेष्यैः सह मेलयत–**

(क) नीले – गगने
(ख) हिमवन्तम्– सोपानम्
(ग) तुङ्गम् – भवनम्
(घ) सर्वान् – ग्रहान्
(ङ) मौक्तिकम् – हारम्

**19. भिन्नवर्गस्य पदं चिनुत–**

(क) मित्राणि
(ख) खगः
(ग) कर्कटः
(घ) मण्डूकाः
(ङ) कृषकः

**20. पाठात् विशेषणपदं चित्वा विशेष्यपदस्य अग्रे लिखत**

(क) नीले
(ख) हिमवन्तम्
(ग) तुङ्गम्
(घ) सर्वान्
(ङ) मौक्तिकम्

**21. प्रश्नानामुत्तराणि एकपदेन लिखत –**

क. विमानयानम्
ख. ग्रहान्
ग. प्रतियाम
घ. चन्दिरलोकम्
ङ. आकाशम्
च. मौक्तिकस्य
छ. गगने
ज. नीले
झ. विपुलम्
ञ. गृहेषु

**22. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि पूर्णवाक्येन लिखत–**

क. वयं चन्दिरलोकं प्रविशाम।
ख. वयं नीले गगने वायुविहारं करवाम।
ग. वयं सर्वान् ग्रहान् गणयाम।
घ. वयम् उन्नतवृक्षं तुङ्गं भवनं क्रान्त्वाकाशं याम।
ञ. राघव! माधव! सीते! ललिते! इति कविः वदति।
च. वयं सुन्दरताराश्चित्वा मौक्तिकहारं रचयाम।
छ. विविधाः सुन्दरताराश्चित्वा वयं मौक्तिकहारं रचयाम।
ज. वयं हिमवन्तं सोपानं रचयाम।
झ. शुक्रश्चन्द्रः सूर्यो गुरुरिति ग्रहाः सन्ति।
ञ. कृषिकजनानां गृहेषु हर्षं जनयाम।

**23. स्थूलपदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत–**

क. नीले कुत्र वायुविहारं करवाम ?

ख. वयं किं रचयाम ?

ग. कः विमानेन विहरति ?

घ. वयं सर्वान् कान् गणयाम ?

ङ. कुत्र हर्षं जनयाम ?

च. हिमवन्तं किं कृत्वा चन्दिरलोकं प्रविशाम ?

छ. कण्ठः केन शोभते ?

ज. वयं किं रचयाम ?

झ. किं विपुलम् अस्ति ?

ञ. काम् आदायैव हि प्रतियाम ?

**24. श्लोकं पठित्वा प्रश्नानामुत्तराणि लिखत–**

**i. एकपदेन उत्तरत–**

(क) – उन्नतः

(ख) – हिमवन्तम्

**ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(क) वयं हिमवन्तं सोपानं कृत्वा चन्दिरलोकं प्रविशाम।

(ख) उन्नतवृक्षं तुङ्गं भवनं क्रान्त्वा याम।

**iii. निर्देशानुसारम् उत्तरत –**

(क) उन्नतम्

(ख) प्र

(ग) क्त्वा

(iv) द्वितीया

**25.i. एकपदेन उत्तरत–**

(क) ग्रहान्

(ख) मौक्तिकहारम्

**ii. पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(क) शुक्रः चन्द्रः सूर्यः गुरुः इति ग्रहाः सन्ति।

(ख) विविधाः सुन्दरताराश्चित्वा मौक्तिकहारं रचयाम।

**iii. निर्देशानुसारम् उत्तरत –**

(क) वयम्

(ख) सर्वान्

(ग) ताराः + चित्वा

(घ) सूर्यः

**26. उचितैः पदैः श्लोकं पूरयत–**

शुक्रः चन्द्रः सूर्यः गुरूरिति

ग्रहान् हि सर्वान् गणयाम।

विविधाः सुन्दरताराः चित्वा

मौक्तिकहारं रचयाम।।

**27. भावार्थ – हे राघव! माधव! सीता! ललिता! हमलोग हवाई जहाज बनाएँ। नीले विस्तृत एवं स्वच्छ आकाश में वायुविहार करें।**

---

© JCERT not to be republished

# अपठितावबोधनम्

1. **निर्देशः – अपठितगद्यांशं पठित्वा प्रश्नानामुत्तराणि लिखत –**

मानवः जीवने सुखं वाञ्छति। सुखं कुत्र अस्ति, कुतः वा प्राप्यते? केचन मन्यन्ते धनेन सुखं भवति। अद्यत्वे धनमेव सर्वस्वं जातम्। धनविहीनः पशुसमानः इत्येव भावना प्रबला जाता परन्तु धनिषु अपि संतोषः नास्ति। ते अधिकाधिकं धनम् इच्छन्ति अधिकाधिकाः च दुखिनः भवन्ति।

**(i) एकपदेन उत्तरत–**

(क) जीवने किं वाञ्छति ?

(ख) धनमेव किं जातम् ?

**(ii) पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(क) केचन किं मन्यन्ते ?

(ख) का भावना प्रबला जाता ?

**(iii) निर्देशानुसारम् उत्तरत–**

(क) भावना' अत्र विशेषणपदं किम् ?

(ख) 'मानवः सुखं वाञ्छति' अत्र कर्तृपदं किम् ?

(ग) धनिषु पदे का विभक्ति ?

(घ) गद्यांशात् एकम् अव्ययं चित्वा लिखत।

**उतराणि–**

**(i) एकपदेन**

(क) सुखम्

(ख) सर्वस्वम्

**(ii) पूर्णवाक्येन**

(क) केचन मन्यन्ते धनेन सुखं भवति।

(ख) धनविहीनः पशुसमानः भावना प्रबला जाता।

**(iii) निर्देशानुसारम् उत्तरत –**

(क) प्रबला

(ख) मानवः

(ग) सप्तमी

(घ) कुतः

2. **निर्देशः– अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत –**

''गङ्गा भारतस्य प्रमुखा नदी अस्ति। गङ्गा हिमालयात् निस्सरति। मूलरूपेण अस्याः स्रोतः लघु अस्ति परं पश्चात् अनेके निर्झराः आगत्य गङ्गायां मिलन्ति तदा अस्याः स्रोतः दीर्घः भवति। भारतीयजनाः गङ्गां मातेव पूजयन्ति। गङ्गाजलस्य प्रयोगः अनेकेषु कृषिक्षेत्रेषु धार्मिककार्येषु च भवति। एतस्याः जलम् 'पवित्रम्' इति एतत् जनानां विश्वासः अस्ति। किन्तु अद्यत्वे जनाः गङ्गां दूषितां कुर्वन्ति। एतत् तु न करणीयम्। भारतीयः सर्वकारः अपि एतां निर्मलीकर्तुम् अभियानं चालयति। प्रधानमन्त्री श्रीनरेन्द्रमोदी अपि एतस्य कृते जनानाम् आह्वानम् अकरोत्। अस्माकं कर्त्तव्यम् अस्ति यत् वयम् अपि गङ्गायाः स्वच्छतायै प्रयत्नं कुर्मः जनान् च प्रेरयामः।'

**(i) एकपदेन उत्तरत–**

(क) अस्माकं प्रमुखा नदी का अस्ति ?

(ख) गङ्गा कुतः निस्सरति ?

**(ii) पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(क) गङ्गायाः जलस्य प्रयोगः कुत्र भवति ?

(ख) जनानां कः विश्वासः अस्ति ?

**(iii) निर्देशानुसारम् उत्तरत–**

(क) 'पूजयन्ति' इति क्रियापदस्य कर्तृपदं किम् ?

(ख) 'तदा अस्याः स्रोतः दीर्घः भवति' अस्मिन् वाक्ये अव्ययपदं किम् ?

(ग) 'लघुः' इति पदस्य विलोमपदं किम् ?

(घ) 'प्रमुखा' इति पदस्य विशेष्यपदं किम् ?

**उत्तराणि–**

**(i) एकपदेन –**

(क) गङ्गा

(ख) हिमालयात्

**(ii) पूर्णवाक्येन –**

(क) गङ्गाजलस्य प्रयोगः अनेकेषु कृषिक्षेत्रेषु धार्मिककार्येषु च भवति।

(ख) एतस्याः जलम् 'पवित्रम्' इति एतत् जनानां विश्वासः अस्ति।

**(iii) निर्देशानुसारम् उत्तरत–**

(क) भारतीयजनाः

(ख) तदा

(ग) दीर्घः

(घ) नदी

3. **अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रदत्तान् प्रश्नान् उत्तरत –**

स्वामीदयानंदस्य जन्म गुजरातप्रदेशस्य टंकारानामके ग्रामे 1824 तमे ख्रिष्टाब्दे अभवत्। बाल्ये तस्य नाम मूलशंकरः आसीत्। सः आर्यसमाजस्य स्थापनाम् अकरोत्। तस्य मूर्तिपूजनं प्रति अनास्था आसीत्। तस्य गुरुः मथुरायां प्रज्ञाचक्षुः विरजानन्दः आसीत्। तस्य कालजयी रचना 'सत्यार्थप्रकाशः' अस्ति। मध्यकाले अनेकाः कुरीतयः यथा– विधवानां गर्हिता स्थितिः, जातिवादकृते वैषम्यं इत्यादयः भारतीयसमाजं दूषिततम् अकुर्वन्। सः एतासां कुरीतिनां निवारणाय अनेकानि कार्याणि अकरोत्।

© JCERT not to be republished

i. **एकपदेन उत्तरत –**

(क) स्वामीदयानंदस्य जन्म कस्मिन् प्रान्ते अभवत् ?

(ख) बाल्ये तस्य नाम किम् आसीत् ?

ii. **पूर्णवाक्येन उत्तरत –**

(क) स्वामीदयानन्दस्य कालजयी रचना का अस्ति ?

(ख) मध्यकाले काः कुरीतयः भारतीयसमाजं दूषिततम् अकुर्वन् ?

iii. **निर्देशानुसारम् उत्तरत –**

(क) 'नेत्रम्' अस्य पर्यायपदम् अत्र किं प्रयुक्तम् ?

(ख) 'कालजयी रचना' अनयोः पदयोः विशेषणपदं किम् ?

(ग) 'कुरीतीनाम्' पदे का विभक्तिः प्रयुक्ता ?

(घ) 'अकरोत्' इत्यस्मिन् कः लकारः ?

**उत्तराणि–**

i. (क) गुजरातप्रान्ते

(ख) मूलशंकरः

ii. (क) स्वामीदयानन्दस्य कालजयी रचना 'सत्यार्थप्रकाशः' इति अस्ति।

(ख) मध्यकाले अनेकाः कुरीतयः यथा– विधवानां गर्हिता स्थितिः, जातिवादकृते वैषम्यं इत्यादयः भारतीयसमाजं दूषितम् अकुर्वन्।

iii. (क) चक्षुः

(ख) कालजयी

(ग) षष्ठी

(घ) लङ्लकारः

4. **अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितान् प्रश्नान् उत्तरत–**

एकस्मिन् वने एकः विशालः वृक्षः आसीत्। तस्मिन् बहवः खगाः वसन्ति स्म। एकदा ते अतीव बुभुक्षिताः आसन्। अतः भोजनं खादितुम् इतस्ततः भ्रमन्ति स्म। ते दूरं–दूरं गच्छन्ति स्म। अन्ते ते एकस्मिन् क्षेत्रे तण्डुलकणान् अपश्यन्। ते तत्र गत्वा प्रसन्नतया तण्डुलान् खादन्ति स्म परन्तु जालेन बद्धाः अभवन्।

i. **एकपदेन उत्तरत–**

(क) विशालवृक्षे के वसन्ति स्म ?

(ख) खगाः प्रसन्नतया किं खादन्ति स्म ?

ii. **पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(क) अन्ते ते किम् अपश्यन् ?

(ख) के दूरं–दूरं गच्छन्ति स्म ?

iii. **निर्देशानुसारम् उत्तरत–**

(क) 'खादितुम्' इति पदे कः प्रत्ययः ?

(ख) 'अपश्यन्' इति पदे कः लकारः ?

(ग) 'आरम्भे' इत्यस्य विलोमपदं अत्र किं प्रयुक्तम् ?

(घ) 'जालेन' इति पदे का विभक्तिः ?

**उत्तराणि–**

i. **एकपदेन उत्तरत–**

(क) खगाः

(ख) तण्डुलान्

ii. **पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(क) अन्ते ते एकस्मिन् क्षेत्रे तण्डुलकणान् अपश्यन्।

(ख) खगाः दूरं–दूरं गच्छन्ति स्म।

iii. **निर्देशानुसारम् उत्तरत–**

(क) तुमुन्

(ख) लङ्

(ग) अन्ते

(घ) तृतीया

5. **अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नान् उत्तरत –**

रोहणः शोभनः बालः अस्ति। सः प्रातः पञ्चवादने उत्तिष्ठति। प्रातर्विधिं कृत्वा उद्यानं गत्वा व्यायामं करोति। गृहम् आगत्य स्नानं करोति प्रातराशं च खादित्वा विश्रामं करोति। सायंकाले मातापित्रोः कार्येषु सहयोगं यच्छति। पठनाय च तिष्ठति। रात्रौ दशवादने शय्यां गच्छति।

i. **एकपदेन उत्तरत –**

(क) रोहणः कदा मातापित्रोः कार्येषु सहयोगं यच्छति ?

(ख) रोहणः कतिवादने स्वपिति ?

ii. **पूर्णवाक्येन उत्तरत –**

(क) रोहणः उद्यानात् आगत्य किं करोति ?

(ख) रोहणः सायंकाले किं करोति ?

iii. **निर्देशानुसारम् उत्तरत–**

(क) 'आगत्य' इति पदे कः प्रत्ययः ?

(ख) 'शोभनः बालः' अनयोः पदयोः किं विशेष्यपदम् ?

(ग) 'गृहे' अत्र का विभक्तिः प्रयुक्ता ?

(घ) 'शोभनः' इति विशेषणपदं कस्मै प्रयुक्तम् ?

**उत्तराणि–**

i. क – सायंकाले

ख – दशवादने

ii. क – रोहणः उद्यानात् आगत्य स्नानं करोति प्रातराशं च खादति।

ख – रोहणः सायंकाले मातापित्रोः कार्येषु सहयोगं यच्छति।

iii. क – ल्यप् ख – बालः

ग – सप्तमी घ – बालाय।

© JCERT not to be republished

# JAC बोर्ड परीक्षा प्रश्न-सह-उत्तर पत्रम् टर्म - II (2022)

## SANSKRIT

Total Time : 1 Hours 30 minute | Full Marks : 50

कुल समय : 1 घंटे 30 मिनट | पूर्णांक : 50

(PAPER-1)

### SUBJECTIVE TYPE

**परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में हीं उत्तर दें।**

**CandidatesAre required to give their Answers in their own words As far As practicable-**

**उपांत के अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।**

Figures in the margin indicate full marks-

**TERM-II**

**सामान्य–निर्देशाः–**

(क) प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृते एव लेखनीयानि।

(ख) प्रश्न–पत्रे अतिलघूत्तरीयाः, लघूत्तरीयाः, दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः सन्ति।

(ग) पाठ्यपुस्तकाधारिताः, व्याकरणस्य, अपठित–गद्यांशाधारिताः प्रश्नाः च सन्ति।

**खण्ड –क**

### अतिलघूत्तरीय प्रश्नाः

**निर्देशः– केषांचित् षड् प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया लिखत–** **6*2=12**

I. 1. केन चिन्तितं कार्यं न प्रकाशयेत् ?

2. अर्चकस्य किं नाम आसीत् ?

3. धनपालस्य हस्तं के दंशितवन्तः ?

4. कन्यायाः कति रूपाणि भवन्ति ?

5. सर्वासां भाषाणां जननी का अस्ति ?

6. अनृतात् परः कः नास्ति ?

7. सतां विभूतयः किमर्थं भवति ?

8. अनुद्वेगकरं वाक्यं कः उच्यते ?

II. **केषांचित् चतुर्प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत–** **4*2 = 8**

**9. सन्धिं विच्छेदं वा कुरुत–**

नास्ति / सदा+ एव

**10. प्रकृति –प्रत्ययौ संयोज्य वियोज्य वा लिखत–**

कर्तव्यम् / खन् + क्त्वा

**11. विशेष्य –विशेषणं वा चित्वा लिखत–**

'धार्मिकः अर्चकः' अनयोः पदयोः किं विशेष्यपदम् ?

**अथवा**

'भयंकराः वृश्चिकाः' अनयोः पदयोः किं विशेष्यपदम् ?

**12. समानार्थकं पदं लिखत–**

कमलम् / पाणिः

**विपर्यायपदं लिखत–**

सुखम् / सफलम्

**खण्ड –ख**

### लघूत्तरीयप्रश्नाः

III. **केषांचित् प्रश्नत्रयाणाम् उत्तराणि लिखत–** **3*4=12**

**14. (प्रदत्त गद्यांश – श्लोकानाम् अर्थः हिन्दीभाषया लिखत)**

(i) अस्ति एकः 'मसमानो' नाम ग्रामः। ग्रामात् बहिः एकं शिवमन्दिरम् आसीत्। तस्मिन् मन्दिरे एकः धार्मिकः सत्यनिष्ठः अर्चकः प्रतिवसति स्म। अर्चकस्य नाम श्रीगुणानन्दः। "यथा नाम तथा गुणम्" इति कथनं तस्योपरि चरितार्थं भवति स्म।

(ii) शान्तिः– आम् जानाम्यहम्। संस्कृतभाषा सर्वासां भारतीय–भाषाणां जननी अस्ति। वयं संस्कृतं पठित्वा स्वसंस्कृतिं ज्ञातुं समर्थाः भवामः। अतः भारतीयानां कृते संस्कृताध्ययनम् अत्यावश्यकम्।

(iii) वर्तमानसमये समाजे एका प्रमुखा समस्या अस्ति। सर्वत्र यदा कदा नारीहत्यायाः समाचाराः श्रूयन्ते। क्वचित् भ्रूणहत्या क्वचित् यौतुकहत्या क्वचित् अग्निदाहेन क्वचित् विषपानेन वा। कन्या भ्रूणहत्या तु राष्ट्रे कलंकरूपा एव अस्ति।

(iv) संसारकटुवृक्षस्य द्वे फले ह्यमृतोपमे।
सुभाषितरसास्वादः सङ्गतिः सुजने जने।।

(v) उद्यमः साहसं धैर्यं बुद्धिः शक्तिः पराक्रमः।
षडेते यत्र वर्त्तन्ते तत्र सहायकृत् विभुः।।

**15. केषांचित् प्रश्नद्वयस्य उत्तरं लिखत–** **2*4=8**

(i) उपसर्ग किसे कहते हैं ? किन्हीं चार उपसर्गों से दो–दो शब्द बनाएं।

(ii) संधि क्या है ? इसके भेदों को सोदाहरण स्पष्ट करें।

(iii) प्रत्यय क्या है ? किन्हीं चार प्रत्ययों से दो–दो शब्द बनाएं।

(iv) 'बालक' शब्द के रूप द्वितीया, तृतीया, चतुर्थी और

© JCERT not to be republished

पंचमी विभक्तियों में लिखें।

## दीर्घोत्तारीयाः प्रश्नाः

IV. **16. 'कन्यां रक्षतु कन्यां पाठयतु' शीर्षक पाठ का सारांश लिखें। 10**

**अथवा**

**अधोदत्तम् अनुच्छेदं पठित्वा तदाधारितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि यथानिर्देशं लिखत–**

भारते षड् ऋतवः सन्ति। तेषु वसन्तः ऋतुराजः कथ्यते। चैत्रे वैशाखे च मासे वसन्तः भवति। वसन्ते द्वौ प्रमुखौ उत्सवौ भवतः – वसन्तोत्सवः होलिकोत्सवः च। वसन्तोत्सवे सर्वत्र प्रमादो भवति। नराः नार्यश्च सर्वत्र गायन्ति नृत्यन्ति च। होलिकोत्सवः फाल्गुनमासस्य पूर्णिमायां भवति। हर्षातिरेकेण नराः नार्यः युवानः, वृद्धा : बालकाश्च प्रसन्नाः भवन्ति। जनाः परस्परं रक्तवर्णं रक्तचूर्णं च प्रक्षिपन्ति। द्वेषं विस्मृत्य सर्वे परस्परं मिलन्ति।

**(क) एकपदेन उत्तरत– 4*1/2=2**

(i) भारते कति ऋतवः भवन्ति ?

(ii) ऋतुराजः कः कथ्यते ?

(iii) किं विस्मृत्य जनाः परस्परं मिलन्ति ?

(iv) रक्तवर्णं रक्तचूर्णं च के प्रक्षिपन्ति ?

**(ख) पूर्णवाक्येन उत्तरत– 3*2=6**

(i) जनाः कथं परस्परं मिलन्ति ?

(ii) होलिकोत्सवः कदा आयोज्यते ?

(iii) हर्षातिरेकेण के प्रसन्नाः भवन्ति ?

**(ग) अस्य गद्यांशस्य कृते उपयुक्तं शीर्षकं लिखत। 2**

# उत्तराणि

**खण्ड –क**

## अतिलघूत्तरीय प्रश्नाः

**निर्देशः– केषांचित् षड्प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया लिखत–**

**I.**
1. मनसा चिन्तितं कार्यं न प्रकाशयेत्।
2. अर्चकस्य नाम श्रीगुणानन्दः आसीत्।
3. धनपालस्य हस्तं वृश्चिकाः दंशितवन्तः।
4. कन्यायाः अनेकानि रूपाणि भवन्ति– भगिनीरूपा, भार्यारूपा, मातृरूपा च इत्यादयः।
5. सर्वासां भाषाणां जननी संस्कृतभाषा एव अस्ति।
6. अनृतात् परः पातकं नास्ति।
7. सतां विभूतयः परोपकाराय भवति।
8. अनुद्वेगकरं वाक्यं तपः उच्यते।

II. **केषांचित् चतुर्प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत–**

**9. सन्धिं विच्छेदं वा कुरुत–**

नास्ति/सदा + एव

नास्ति = न + अस्ति

सदा + एव = सदैव

**10. प्रकृति – प्रत्ययौ संयोज्य वियोज्य वा लिखत–**

कर्तव्यम् = कृ + तव्यत्

खन् + क्त्वा = खनित्वा

**11. विशेष्य –विशेषणं वा चित्वा लिखत–**

अर्चकः – विशेष्यपदम्

**अथवा**

भयंकराः – विशेषणपदम्

**12. समानार्थकं पदं लिखत–**

कमलम् – जलजः

पाणिः – हस्तः

**विपर्यायपदं लिखत–**

सुखम् – दुःखम्

सफलम् – असफलम्

**खण्ड –ख**

## लघूत्तरीयाः प्रश्नाः

**III. केषांचित् प्रश्नत्रयाणाम् उत्तराणि लिखत–**

**14. (प्रदत्त गद्यांश – श्लोकानाम् अर्थः हिन्दीभाषया लिखत)**

(i) मसमान नामक एक गाँव है। गाँव के बाहर एक शिवमन्दिर था। उस मन्दिर में एक धार्मिक सत्यनिष्ठ पुजारी रहते थे। पुजारी का नाम श्रीगुणानन्द था। जैसा नाम वैसा गुण, ये कहावत उनके उपर चरितार्थ होती थी।

(ii) शान्ति– हां, जानती हूं। संस्कृतभाषा सभी भारतीय भाषाओं की जननी है। हमलोग संस्कृत पढ़कर अपनी संस्कृति को जानने में समर्थ हो पाते हैं। इसलिए भारतीयों के लिए संस्कृत का अध्ययन आवश्यक है।

(iii) वर्तमान समय में समाज में एक प्रमुख समस्या है। सब जगह कभी कभी नारी हत्या के समाचार सुनाई देते हैं। कहीं भ्रूणहत्या कहीं दहेज के लिए हत्या कहीं जला देना या कहीं जहर पिलाना। कन्या भ्रूणहत्या तो राष्ट्र के लिए कलंकरूपा ही है।

(iv) इस संसार रूपी कड़वे वृक्ष के दो ही अमृत फल हैं – एक है मीठे बोल का रसास्वादन और सज्जनों का सङ्ग।

(v) परिश्रम साहस धैर्य बुद्धि शक्ति और पराक्रम, ये छः जहां हैं, उसी की सहायता ईश्वर भी करते हैं।

**15. केषांचित् प्रश्नद्वयस्य उत्तरं लिखत–**

(i) वैसे शब्दांश जो किसी शब्द अथवा धातु के आरंभ में लगकर उसके अर्थ पर बल दे या अर्थ परिवर्तन कर दे, उसे उपसर्ग कहते हैं।



© JCERT not to be republished

जैसे – सु– सुपुत्रः, स्वागतम्
प्रति – प्रत्येकम् प्रत्यहम्
उप – उपकारः, उपगच्छति
अधि – अधिशेते, अधितिष्ठति

(ii) दो वर्णों के मेल से उत्पन्न विकार को सन्धि कहते हैं। सन्धि के तीन भेद हैं –

| | | | |
|---|---|---|---|
| **स्वर सन्धि** – | एक + एकम् | = | एकैकम् |
| | महा + उदयः | = | महोदयः |
| **व्यंजन सन्धि** – | दिक् + अम्बरः | = | दिगम्बरः |
| | जगत् + नाथः | = | जगन्नाथः |
| **विसर्ग सन्धि** – | यशः + दा | = | यशोदा |
| | कः + अपि | = | कोऽपि |

(iii) वैसे शब्दांश जो किसी शब्द अथवा धातु के अन्त में लगकर उसके अर्थ में परिवर्तन ला दे, उसे प्रत्यय कहते हैं।

| | | | |
|---|---|---|---|
| जैसे– क्त्वा | – | पठित्वा, | गत्वा |
| तुमुन् | – | पठितुम्, | गन्तुम् |
| अनीयर् | – | पठनीयम्, | हसनीयम् |
| तव्यत् | – | पठितव्यः, | हसितव्यः |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (iv) | द्वितीया – | बालकम् | बालकौ | बालकान् |
| | तृतीया – | बालकेन | बालकाभ्याम् | बालकैः |
| | चतुर्थी – | बालकाय | बालकाभ्याम् | बालकेभ्यः |
| | पंचमी – | बालकात् | बालकाभ्याम् | बालकेभ्यः |

## दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नः

**16. 'कन्यां रक्षतु कन्यां पाठयतु' शीर्षक पाठ का सारांश लिखें।**

प्राचीनकाल में नारियों की स्थिति उत्तम थी और नारी देवी रूप में पूजनीया भी थी। कहा भी गया है– "जहाँ नारियों की पूजा होती है वहाँ देवता निवास करते हैं"। सभी जानते हैं कि नारी बहन, पत्नी और मातृरूपा होती है। इसलिए कन्यारक्षण आवश्यक है। प्राचीन भारतवर्ष में मैत्रेयी, गार्गी, लोपामुद्रा, अरुन्धती आदि अनेक विदुषी नारियाँ थीं। उन्होंने सामाजिक उन्नयन के लिए अनेक कार्य किए। किन्तु वर्तमान समय में समाज में प्रमुख समस्या है– नारीहत्या, भ्रूणहत्या, दहेजहत्या इत्यादि। परन्तु यह तो विचारणीय है कि सावित्री बाई फूले, रमाबाई, मदर टेरेसा आदि नारियों ने समाजसेवा किया। लता मंगेशकर, किरणबेदी, पी.टी उषा, सानिया मिर्जा, सायना नेहवाल, दीपिका कुमारी, सावित्री पूर्ति, पी.वी. सिंधू इत्यादि ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रशंसनीय कार्य किए। अब कन्या शिक्षा की महती आवश्यकता है। राष्ट्र की आधी शक्ति तो नारियाँ हीं है। सैन्यक्षेत्र, शिक्षाक्षेत्र, क्रीड़ाक्षेत्र, राजनीतिक्षेत्र, चिकित्सा, अभियांत्रिकी, प्रशासनिक, रक्षा और सामाजिक क्षेत्रों में जहाँ–जहाँ पुरुष हैं वहाँ–वहाँ नारियाँ भी हैं। इस कार्य में सरकार भी तत्पर है। सरकार का उद्घोष है– "कन्यां रक्षतु कन्यां पाठयतु।"

**अथवा**

**अधोदत्तम् अनुच्छेदं पठित्वा तदाधारितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि यथा निर्देशं लिखत–**

**(क) एकपदेन उत्तरत –**

(i) षड्
(ii) वसन्तः
(iii) द्वेषम्
(iv) जनाः

**(ख) पूर्णवाक्येन उत्तरत–**

(i) द्वेषं विस्मृत्य जनाः परस्परं मिलन्ति।
(ii) होलिकोत्सवः फाल्गुनमासस्य पूर्णिमायां आयोज्यते।
(iii) हर्षातिरेकेण नराः नार्यः युवानः, वृद्धाः बालकाश्च प्रसन्नाः भवन्ति।

**(ग) वसन्तोत्सवः / होलिकोत्सवः**

© JCERT not to be republished

# JAC बोर्ड परीक्षा प्रश्न-सह-उत्तर पत्रम् – 2023

## संस्कृत / SANSKRIT

## (MCQ Type) Language/Others

कुल समय: 3 घंटे (हिन्दी तथा अंग्रेजी सहित ) पूर्णांक:50.
Total Time: 3 Hours (Including Hindi & English) Full Marks: 50

## PAPER-I

**सामान्य निर्देश / GENERAL INSTRUCTIONS :**

1. सावधानी पूर्वक सभी विवरण OMR उत्तर पत्रक पर भरें।

   Carefully fill in the necessary particulars on the OMR Answer Sheet.

2. आप अपना पूरा हस्ताक्षर OMR उत्तर पत्रक में दी गई जगह पर करें । Put in your full signature on the OMR Answer Sheet in the space Provided.

2. पेपर-1 में तीन भाषाएँ हैं– (a) हिन्दी, (b) अंग्रेजी तथा (c) अन्य भाषाएँ । हिन्दी तथा अंग्रेजी के लिए एक अलग प्रश्न पुस्तिका उपलब्ध है। सभी अभ्यर्थियों के लिए हिन्दी तथा अंग्रेजी अनिवार्य हैं। अन्य भाषाओं के लिए अभ्यर्थी द्वारा चयनित भाषा तथा प्रवेश पत्र के अनुसार उत्तर देने होंगे। कुल प्रश्नों की संख्या अन्य भाषाओं सहित 150 हैं जिनके उत्तर देने हैं। प्रत्येक भाषा के लिये समय 1 घंटा है। तीनों भाषाओं के लिए परीक्षा की कुल अवधि 3 घंटे है।

   Paper-I consists of three languages -

   (a) Hindi,

   (b) English and -

   © Other languages. A separate Question Booklet has been provided for Hindi and English which is compulsory for all the candidates. In other languages the candidates have to answer as per their option chosen and their admit cards. Total number of questions to be answered is 150 Including other languages. Duration for each language is 1 hour. Total duration of the examination is 3 hours for all the three languages.

3. इस प्रश्न पुस्तिका में प्रश्न संख्या 101 से 150 तक कुल 50 बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। There are 50 Multiple Choice Questions from Question No. 101 to 150 in this Question Booklet.

4. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न की अधिमानता 1 अंक की है । All questions are compulsory. Each 1 question carries 1 mark..

5. गलत उत्तर के लिए कोई अंक नहीं काटा जायेगा। There is no negative marking for any wrong answer.

6. OMR उत्तर पत्रक के पृष्ठ 1 पर प्रदत्त सभी निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा उसके अनुसार कार्य करें। परीक्षार्थी को OMR उत्तर पत्रक के पृष्ठ 2 पर दिये गये सभी विवरणों की सावधानी पूर्वक पूर्ति करना है।

   Read the instructions provided on page 1 of the OMR Answer Sheet carefully and do accordingly. The candidate has to fill in all The particulars about him/her carefully given on page 2 of the OMR Answer Sheet.

8. प्रत्येक प्रश्न में चार विकल्प दिये गये हैं। इनमें से सबसे उपयुक्त उत्तर को आप अपने OMR उत्तर पत्रक पर ठीक-ठीक गहरा काला करें। नीला या काला बॉल-प्वाइंट कलम का ही प्रयोग करें। पेंसिल का प्रयोग वर्जित है।

   Four options are given for each question. You have to darken Duly the most suitable answer on your OMR Answer Sheet.

   Use only Blue or Black Ball-Point Pen. The use of Pencil is not allowed.

9. कृपया परीक्षा भवन छोड़ने से पहले OMR उत्तर पत्रक वीक्षक को लौटा दें ।

   प्रश्न पुस्तिका आप अपने साथ ले जा सकते हैं ।

   Before leaving the examination hall, please hand over the OMR Answer Sheet to the invigilator. You are allowed to take the question booklet with you.

   OMR उत्तर पत्रक पर दिये गये निर्देशों का ध्यानपूर्वक पालन कीजिए

   अन्यथा आपका OMR उत्तर पत्रक अमान्य होगा और उसकी जाँच नहीं की जायेगी ।

   Adhere to the instructions provided in the OMR Answer Sheet very carefully otherwise your OMR Answer Sheet will be invalid and it will not be evaluated.

© JCERT not to be republished

## संस्कृत / SANSKRIT
## ( प्रश्न संख्या 01- 50 )

### (खण्ड-क) (पठित-अवबोधनम् )

निर्देश: अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा तदाधारितानां प्रश्नानामुत्तराणि प्रदत्तविकल्पेभ्यः चित्वा लिखत

प्रतिवेशिनी स्वपतये धनपालाय वार्ता न्यवेदयत् । तां वार्ता श्रुत्वा लोलुपः धनपालः तत्र अगच्छत्, यत्र कनककलशः आसीत्। सः मृत्तिकाम् अपसार्य अपश्यत्, हा हन्त ! किमिदम् ? अस्मिन् कलशे भयङ्कराः वृश्चिकाः सन्ति । अनेके वृश्चिकाः तस्य हस्ते दंशितवन्तः । धनपालः क्रुद्धः जातः। सः अचिन्तयत् अयम् अर्चक: मिथ्यावादी । मां वञ्चयितुम् इदं कार्यं तेन कृतम् । अहमपि तं दण्डं ददामि । स अर्चकस्य गृहस्य छदिम् आरुह्य तं कलशं अधोमुखं कृत्वा तान् वृश्चिकान् कलशात् अपातयत् ।

**01. लोलुपः कः आसीत् ?**
(1) कृपालः (2) रामपालः
(3) धनपाल: (4) द्वारपालः

**02. 'अनेके वृश्चिकाः तस्य हस्ते दंशितवन्तः।' अत्र कर्तृपदं किम् ?**
(1) तस्य (2) हस्ते
(3) अनेके (4) वृश्चिकाः

**03. तान् वृश्चिकान् कस्मात् अपातयत् ?**
(1) कलशात् (2) वातायनात्
(3) वंशपात्रात् (4) मञ्जूषातः

**प्रदत्तविकल्पेभ्यः समुचितम् उत्तरं लिखत-**

**04. कस्य अभावात् कृषिः न भवति ?**
(1) वृक्षस्य (2) नरस्य
(3) जलस्य (4) वायोः

**05. नदीतटेषु केषां विकासः जायते ?**
(1) महानगराणाम् (2) द्वीपानाम्
(3) जनानाम् (4) पशूनाम्

**06. वैधानिकः अपराधः किम् अस्ति ?**
(1) आर्थिक विपन्नता (2) जनाधिक्यम्
(3) विवाह: (4) यौतुकम्

**07. नरः कस्य चर्वणं दन्तैः करोति ?**
(1) सिकतायाः (2) काष्ठस्य
(3) भोजनस्य (4) पाषाणस्य

**08 'वयं <u>पादाभ्याम्</u> चलामः।' रेखांकितपदमाधृत्य प्रश्न निर्माण कुरुत ।**
(1) काभ्याम् (2) एक
(3) केषु (4) के

**09. पन्नायाः दुहिता का आसीत् ?**
(1) शाम्भवी (2) अनन्या
(3) स्मृतिः (4) अलका

**10. धर्म सम्मेलनं कदा अभवत् ?**
(1) 1893 तमे (2) 1839 तमे
(3) 1932 तमे (4) 1923 तमे

**11. रामकृष्णपरमहंसः कस्य गुरुः आसीत् ?**
(1) रवीन्द्रनाथस्य (2) बंकिम चन्द्रस्य
(3) विवेकानन्दस्य (4) दयानन्दस्य

**12. नग्नपादैः जनाः केषु चलन्ति ?**
(1) मार्गेषु (2) अंगारेषु
(3) प्रस्तरेषु (4) समुद्रतटेषु

**13. कलशे के आसन् ?**
(1) स्वर्णाभूषणानि (2) मूषकशावकाः
(3) कर्कटाः (4) वृश्चिकाः

**14. ग्रामात् बहिः किम् आसीत् ?**
(1) शिवमन्दिरम् (2) सूर्यमन्दिरम्
(3) हनुमत्मन्दिरम् (4) पर्वतः

**15. 'नीतिशतकम्' केन विरचितम् ?**
(1) भवभूतिना (2) भर्तृहरिणा
(3) माघेन (4) कालिदासेन

**16. सुधर्मा कस्याः भारतीयभाषायाः समाचार पत्रम् अस्ति ?**
(1) पंजाबी भाषायाः (2) कन्नड़स्य
(3) संस्कृतस्य (4) तमिलस्य

**17. वर्तमानसमाजे एका प्रमुखा समस्या वर्तते । 'प्रमुखा समस्या' अनयो:पदयो: विशेष्यपदं लिखत :**
(1) समाजे (2) एका
(3) समस्या (4) (4)प्रमुखा

**18. भारतीयनार्यः विभिन्नक्षेत्रेषु प्रशंसनीयं कार्यम् अकुर्वन्। अत्र कर्तृपदं किम् ?**
(1) नार्यः (2) प्रशंसनीयम्
(3) कार्यम् (4) अकुर्वन्

**19. भिन्नवर्गीयपदं चिनुत**
(1) सूर्य: (2) चन्द्रः
(3) शुक्रः (4) वृक्षः

**20. वटुरूपेण तपोवने कः प्राविशत् ?**
(1) कृष्णः (2) कार्तिकेयः
(3) शिवः (4) कुबेर:

निर्देश: अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा तदाधारितानां प्रश्नानामुत्तराणि प्रदत्तविकल्पेभ्यःचित्वा लिखत-

**'श्रोत्रं श्रुतेनैव न कुण्डलेन दानेन पाणिर्न तु कङ्कणेन ।**
**विभाति कायः करुणामयानां परोपकारैर्नतुचन्दनेन ।।'**

**21. पाणिः केन विभाति ?**
(1) दानेन (2) कङ्कणेन
(3) कालघटिकया (4) रक्षासूत्रेण

**22. करुणामयानां कायः कथं विभाति ?**
(1) चन्दनेन (2) मित्रैः
(3) परोपकारैः (4) वेदाध्ययन

**23. श्रोत्रं केन शोभते ?**
(1) श्रुतेन (2) केशपाशैः
(3) मौक्तिकेन (4) कुण्डलेन

**24. कः केवलं वदति न करोति ?**
(1) याज्ञिकः (2) विप्रः
(3) नीचः (4) सुजनः

**25. भूतिमिच्छता पुरुषेण कति दोषाः हातव्याः ?**
(1) नव (2) षड्
(3) दश (4) सप्त

**26. अज्ञानेन कः आवृत्तः अस्ति ?**
(1) स्वर्गः (2) नरकः
(3) लोकः (4) अज्ञः

**27. कीदृशः पुरुषः मृततुल्यः उच्यते ?**
(1) रुग्णः (2) दरिद्रः
(3) खनकः (4) असत्यवक्ता

**28. ........दानवती यस्य सफलं तस्य जीवितम् (रिक्तस्थानं पूरयत।)**
(1) भगवती (2) दुर्गा
(3) उमा (4) लक्ष्मी

**29. आत्महेतोः कः न वर्षति 2**
(1) शस्यम् (2) धराधरः
(3) क्षेत्रम् (4) वृषभः

**30. ज्ञानिभ्यः के श्रेष्ठाः ?**
(1) व्यवसायिनः (2) ग्रन्थिनः
(3) धारिणः (4) ज्ञानिनः

**31. श्रीकृष्णः अर्जुनं कुत्र उपादिशत् ?**
(1) हरिहरक्षेत्रे (2) कुरुक्षेत्रे
(3) प्रयागराजे (4) पाटलिपुत्रे

**32. 'उन्नतं वृक्षम् अनयोः पदयोः 'उन्नतं' किम् ?.**
(1) विशेषणम् (2) संयोजकः
(3) अव्ययपदम् (4) क्रियापदम्

**33. सूर्यस्य पदस्य पर्यायपदं चिनुत ।**
(1) रत्नाकरः (2) अम्बुजः
(3) सुधांशुः (4) मार्तण्ड

**34. सोपानं कीदृशम् अस्ति ?**
(1) पाषाणमयम् (2) हिमवन्तम्
(3) मृतिकामयम् (4) हिरण्यमयम्

**35. 'शरदि' इति पदे का विभक्तिः अस्ति ?**
(1) तृतीया (2) षष्ठी
(3) सप्तमी (4) चतुर्थी

**36. केन तृप्तिः भवति ?**
(1) मानेन (2) दानेन
(3) ज्ञानेन (4) तपसा

**37. कस्मात् न परं सुखम् ?**
(1) दैवात् (2) दर्पात्
(3) मोहात् (4) सन्तोषात्

**38. निःस्वनो मेघः कदा वर्षति ?**
(1) हेमन्ते (2) वर्षासु
(3) वसन्ते (4) निदाघे

**39. 'विभुः' इति पदस्य कः अर्थः ?**
(1) ईश्वरः (2) दानवः
(3) वैभवः (4) मित्रम्

**40. 'रामायणम्' केन विरचितम् ?**
(1) कालिदासेन (2) दण्डिना
(3) वाल्मीकिना (4) माघेन

## ( खण्ड ख ) (व्याकरणम् )

निर्देश : प्रदत्तविकल्पेभ्यः उपयुक्तम् उत्तरं चिनुतः-

**41. 'अध्यादेशः' इति पदे कः उपसर्गः आगतः ?**
(1) आदेश: (2) अधि
(3) देश: (4) अपि

**42. 'पावकः' इति पदे का स्वरसन्धिः अस्ति ?**
(1) अयादि (2) यण्
(3) दीर्घः (4) वृद्धिः

**43. 'दृश् +तव्यत्" अनयोः संयोज्य रूपं लिखत-**
(1) दर्शनीयम् (2) दृष्ट्वा
(3) द्रष्टव्यम् (4) दृष्टिः

**44. 'गतवान्' इति पदे कः प्रत्ययः प्रयुक्तः ?**
(1) शतृ (2) तुमुन्
(3) ल्यप् (4) क्तवतु

**45. 'नदी' इति शब्दस्य तृतीया बहुवचने किं रूपम् ?**
(1) नदीभिः (2) नदीषु
(3) नदीभ्य (4) नदीनाम्

**46. 'तुभ्यम्' इति पदे मूलशब्दः कः अस्ति ?**
(1) यत् (2) युष्मद्
(3) तत् (पु०) (4) किम्

**47. 'पा' धातोः लृट्लकारे उत्तम पुरुषे, एकवचने रूपं भवति-**
(1) पास्यामि (2) द्रक्ष्यामि
(3) अपश्यम् (4) पश्यतु

**48. 'पृथ्वी' इति शब्दस्य पर्यायः कः ?**
(1) अरविन्दः (2) जलधिः
(3) व्योमः (4) वसुधा

**49. 'शुष्कः' इति पदस्य विलोमः भवति**
(1) आर्द्रः (2) शौचम्
(3) मधुरम् (4) अशिष्टः

**50. '16' इति अङ्कवाची विशेषणस्य कृते संस्कृतभाषायां लिखत-**
(1) षड् (2) षड्विंशति
(3) षोडश (4) षत्रिंशत्

© JCERT not to be republished

## उत्तराणि

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 01. | 3 | 02. | 4 | 03. | 1 |
| 04. | 3 | 05. | 1 | 06. | 4 |
| 07. | 3 | 08. | 1 | 09. | 3 |
| 10. | 1 | 11. | 3 | 12. | 2 |
| 13. | 4 | 14. | 1 | 15. | 2 |
| 16. | 3 | 17. | 3 | 18. | 1 |
| 19. | 4 | 20. | 3 | 21. | 1 |
| 22. | 3 | 23. | 1 | 24. | 3 |
| 25. | 2 | 26. | 3 | 27. | 2 |
| 28. | 4 | 29. | 2 | 30. | 1 |
| 31. | 2 | 32. | 1 | 33. | 4 |
| 34. | 2 | 35. | 3 | 36. | 1 |
| 37. | 4 | 38. | 2 | 39. | 1 |
| 40. | 3 | 41. | 2 | 42. | 1 |
| 43. | 3 | 44. | 4 | 45. | 1 |
| 46. | 2 | 47. | 1 | 48. | 4 |
| 49. | 1 | 50. | 3 | | |

© JCERT not to be republished

# JAC बोर्ड स्पेशल परीक्षा प्रश्न-सह-उत्तर पत्रम् – 2023

## संस्कृत / SANSKRIT

### (खण्ड-क) (पठित-अवबोधनम्)

निर्देश : अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा तदाधारितानां प्रश्नानामुत्तराणि प्रदत्तविकल्पेभ्यः चित्वा लिखत-

"पर्वणः द्वितीयदिवसे सर्वे भगताः चक्रदोलायां दोलन्ति। दोलनक्रमे पुष्पाणि वर्षयन्ति। जनाः तानि पुष्पाणि चिन्वन्ति। मान्यता अस्ति यत् तानि पुष्पाणि धनवृद्धिं कुर्वन्ति। यावत् भगताः दोलन्ति तावत् तेषां मातरः भगिन्यः च शिवम् आराधयन्ति। मण्डामेलकम् झारखण्डे अतीव प्रसिद्धं मेलकं मन्यते यस्मिन् सम्मिलितुं सहस्रशः जनाः आगच्छन्ति। पारम्परिकानुष्ठानेन सह मण्डोत्सवस्य समापनं भवति। अस्मिन् अनुष्ठाने शिवभक्ताः पूर्णास्थायाः परिचयं ददाति ।"

1. **दोलनक्रमे भगताः कानि वर्षयन्ति ?**
   (1) वसूनि (2) पुष्पाणि
   (3) द्रव्याणि (4) फलानि

2. **तेषां मातरः भगिन्यः च कम् आराधयन्ति ?**
   (1) वासुदेवम् (2) हनुमन्तम्
   (3) श्रीगणेशम् (4) शिवम्

3. **'मण्डामेलके सहस्रशः जनाः आगच्छन्ति ।' अत्र कर्तृपदं किम् ?**
   (1) सहस्राः (2) जनाः
   (3) मण्डामेलके (4) आगच्छन्ति

**प्रदत्तविकल्पेभ्यः समुचितम् उत्तरं लिखत-**

4. **नदी कस्याः सौन्दर्यम् अस्ति ?**
   (1) आकाशगंगायाः (2) वसुन्धरायाः
   (3) वाटिका (4) तीर्थयात्रायाः

5. **सिन्धुः नाम्ना नदी कस्यां दिशि विराजते ?**
   (1) पश्चिमायाम् (2) दक्षिणस्याम्
   (3) पूर्वस्याम् (4) उत्तरस्याम्

6. **स्मृत्याः मातुः नाम किम् अस्ति ?**
   (1) पन्ना (2) शकुन्तला
   (3) अलका (4) दमयन्ती

7. **'अस्माभिः <u>समाजात्</u> इयं प्रथा निवारणीया ।' ( रेखांकित-पदमाधृत्य प्रश्न- निर्माणं कुरुत।)**
   (1) केन (2) कस्मिन्
   (3) कस्मात् (4) कस्य

8. **नासिका किं करोति ?**
   (1) दर्शनम् (2) श्रवणम्
   (3) स्पर्शम् (4) घ्राणम्

9. **भिक्षुकः ..... कुब्जः । ( रिक्त स्थानं पूरयत । )**
   (1) आकृत्या (2) पृष्ठेन
   (3) पादेन (4) कर्णाभ्याम्

10. **विवेकानन्दस्य जन्म कदा अभवत् ?**
    (1) 1863 तमे (2) 1873 तमे
    (3) 1836 तमे (4) 1893 तमे

11. **संसारे एकैव धर्मः का अस्ति ?**
    (1) विनम्रता (2) सरलता
    (3) मानवता (4) चारुता

12. **'मण्डा' इति पर्व कस्मिन् मासे आयोज्यते ?**
    (1) फाल्गुनमासे (2) श्रावणमासे
    (3) माघमासे (4) वैशाखमासे

13. **नग्नपादैः जनाः केषु चलन्ति ?**
    (1) प्रस्तरेषु (2) अंगारेषु
    (3) मार्गेषु (4) क्षेत्रेषु

14. **मन्दिरस्य अर्चकः कः आसीत् ?**
    (1) श्रीगुणानन्दः (2) श्रीपरमानन्दः
    (3) श्रीधरः (4) श्रीकान्तः

15. **केषु क्षेत्रेषु नारी शक्तिः अग्रिमा अस्ति ?**
    (1) पाककलायाम् (2) शिक्षा जगति
    (3) सर्वेषु क्षेत्रेषु (4) सैन्य क्षेत्रेषु

16. **मेघदूतस्य प्रणेता कः ?**
    (1) भवभूतिः (2) कालिदासः
    (3) भारविः (4) मम्मटः

17. **पार्वती किं नाम्ना अपि प्रसिद्धा अभवत् ?**
    (1) अर्पणा (2) अपराजिता
    (3) अपर्णा (4) अनामिका

18. **भिन्नवर्गीयपदं चिनुत**
    (1) कपोतः (2) सिंहः
    (4) गजः (3) व्याघ्रः

19. **सः कारागारे देशभक्तिपरकं..... अलिखित्। (रिक्त-स्थानं पूरयत ।)**
    (1) महाकाव्यम् (2) गीतिकाव्यम्
    (3) भित्तिकाव्यम् (4) दृश्यकाव्यम्

20. **`नूतनानि वस्त्राणि 'अनयोः पदयोः 'वस्त्राणि' किम् ?**

© JCERT not to be republished

(1) विशेष्यम् (2) क्रिया-विशेषणम्
(3) विशेषणम् (4) प्रविशेषणम्

निर्देश:अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा तदाधारितानां प्रश्नानामुत्तराणि प्रदत्तविकल्पेभ्यः चित्वा लिखत-

"गंगा पापं शशी तापं दैन्यं कल्पतरुस्तथा ।
पापं तापं च दैन्यं च हन्ति सज्जनसङ्गमः ।।"

**21. गंगा किं हरति**
(1) पापम् (2) तापम्
(3) दैन्यम् (4) रोगम्

**22. कः तरुः दैन्यं दूरीकरोति ?**
(1) आम्रवृक्षः (2) वटवृक्षः
(3) कल्पतरुः (4) अश्वत्थपादपः

**23. सज्जनसङ्गमः किं हन्ति ?**
(1) कोपम् (2) पापं तापं दैन्यं च
(3) अशान्तिम् (4) कालम्

**24. शान्तितुल्यं किं नास्ति ?**
(1) करुणा (2) कामः
(3) धर्मः (4) तपः

**25. मुनिवराः कथं कालं यापयन्ति ?**
(1) कन्दैः फलैः (2) तपसा
(3) उपदेशेन (4) वेदाध्ययने

**26. केन लोकः न प्रकाशते ?**
(1) व्यसनेन (2) अज्ञानेन
(3) तमसा (4) भोगेन

**27. किं नु हित्वा सुखी भवेत् ?**
(1) मानम् (2) क्रोधम्
(3) लोभम् (4) दर्पम्

**28. कीदृशः पुरुषः मृतसमः भवति ?**
(1) कृपणः (2) क्षुद्रः
(3) दरिद्रः (4) अज्ञः

**29. केन त्यजति मित्राणि ?**
(1) अहंकारात् (2) लोभात्
(3) संगात् (4) मोहात्

**30. मनसा....... कार्यं वाचा न प्रकाशयेत् । ( रिक्त स्थानं पूरयत।**
(1) चिन्तितम् (2) विस्मृतम्
(3) तिरस्कृतम् (4) अवधानम्

**31. कस्य सुखं नास्ति ?**
(1) अधनस्य (2) अमित्रस्य
(3) अलसस्य (4) अविद्यस्य

**32. परोपकाराय <u>सतां</u> विभूतयः। (रेखांकितपदमाधृत्य प्रश्नवाचक- शब्दं चिनुत।)**
(1) केषु (2) केभ्यः
(3) कस्मै (4) केषाम्

**33. कति धर्मलक्षणानि भवन्ति ?**
(1) द्वादश (2) दश
(3) षड (4) अष्ट

**34. 'उद्यमः' इति पदस्य कः अर्थः ?**
(1) परिश्रमः (2) प्रतापः
(3) साहसः (4) धैर्यम्

**35. 'नियोजयेत्' इति पदे कः लकारः प्रयुक्तः ?**
(1) लट् लकारः (2) लृट् लकारः
(3) लोट् लकारः (4) विधिलिंगः

**36. 'सहसैव' इति पदस्य सन्धि-विच्छेदं लिखत**
(1) सह + एव (2) सहसा + एव
(3) सहसा + इव (4) साहस + एव

**37. श्रीकृष्णः महाभारतयुद्धे कम् उपादिशत् ?**
(1) युधिष्ठिरम् (2) भीमम्
(3) अर्जुनम् (4) राजापरीक्षितम्

**38. वयं कुत्र वायुविहारं करवाम ?**
(1) पुष्पोद्याने (2) गगने
(3) हर्म्ये (4) आतपे

**39. 'मेघः' इत्यर्थे कः शब्दः प्रयुक्तः ?**
(1) अरविन्दः (2) रत्नाकरः
(3) प्रसूनम् (4) अम्बुदः

**40. 'ब्रह्मचर्यम्' किम् उच्यते ?**
(1) शारीरिकं तपः (2) मानसिकं तपः
(3) वाङ्मयं तपः (4) संकल्पः

## (खण्ड ख) (व्याकरणम्)

निर्देश : प्रदत्तविकल्पेभ्यः उपयुक्तम् उत्तरं चिनुत -

**41. 'अभ्यागतः' इति पदे कः उपसर्गः आगतः ?**
(1) आगतः (2) गतः
(3) अधि (4) अभि

**42. 'गिरीशः' इति पदे का स्वर सन्धिः अस्ति ?**
(1) दीर्घः (2) गुण
(3) यण् (4) अयादि

**43. 'वच् +क्त' अनयोः संयोज्य रूपं लिखत-**
(1) वक्ता (2) उक्तम्
(3) वचनम् (4) उक्तिः

**44. 'द्रष्टुम्' इति पदे कः प्रत्ययः प्रयुक्तः ?**
(1) अनीयर् (2) क्त्वा
(3) तुमुन् (4) ल्यप्

**45. 'लता' सप्तमी एकवचने किं रूपं भवति ?**
(1) लतायाम् (2) लतायाः
(3) लतया (4) लतायै

**46. 'अस्माकं' इति पदे कः मूलशब्दः ?**
(1) युष्मद् (2) अस्मद्
(3) तत्-पु० (4) सर्व- स्त्री०



© JCERT not to be republished

**47. 'दृश्' धातोः लट् लकारे प्रथमपुरुषे बहुवचने रूपं भवति**

(1) अपश्यः (2) अपश्यन्

(3) द्रक्ष्यति (4) पश्यन्ति

**48. 'गुरुः' इति पदस्य विलोमपदं किम् ?**

(1) लघुः (2) स्थूलः

(3) महार्घम् (4) आवृत्तः

**49. 'गगनम्' इति शब्दस्य पर्यायः कः ?**

(1) पुष्करः (2) धरित्री

(3) व्योमः (4) अरण्यः

**50. '18' इति अङ्कवाचि- विशेषणस्य कृते संस्कृतभाषायां शब्दं लिखत-**

(1) अष्ट (2) अष्टादश

(3) अष्टविंशतिः (4) अशीतिः

## उत्तराणि

### (खण्ड-क) (पठित-अवबोधनम्)

1. (2) पुष्पाणि 2. (4) शिवम्
3. (2) जनाः 4. (2) वसुन्धरायाः
5. (4) उत्तरस्याम् 6. (1) पन्ना
7. (3) कस्मात् 8. (4) घ्राणम्
9. (2) पृष्ठेन 10. (1) 1863 तमे
11. (3) मानवता 12. (4) वैशाखमासे
13. (2) अंगारेषु 14. (1) श्रीगुणानन्दः
15. (3) सर्वेषु क्षेत्रेषु 16. (2) कालिदासः
17. (3) अपर्णा 18. (1) कपोतः
19. (3) भित्तिकाव्यम् 20. (1) विशेष्यम्
21. (1) पापम् 22. (3) कल्पतरुः
23. (2) पापं तापं दैन्यं च
24. (4) तपः 25. (1) कन्दैः फलैः
26. (3) तमसा 27. (3) लोभम्
28. (3) दरिद्रः 29. (2) लोभात्
30. (1) चिन्तितम् 31. (2) अमित्रस्य
32. (4) केषाम् 33. (2) दश
34. (1) परिश्रमः 35. (4) विधिलिंगः
36. (2) सहसा+एव 37. (3) अर्जुनम्
38. (2) गगने 39. (4) अम्बुदः
40. (1) शारीरिकं तपः

### (खण्ड-ख) (व्याकरणम्)

41. (4) अभि 42. (1) दीर्घः
43. (2) उक्तम् 44. (3) तुमुन्
45. (1) लतायाम् 46. (2) अस्मद्
47. (4) पश्यन्ति 48. (1) लघुः
49. (3) व्योमः 50. (2) अष्टादश

© JCERT not to be republished

© JCERT not to be republished

झारखण्ड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राँची

Jharkhand Council of Educational Research and Training, Ranchi